रांची, गुरुवार
26.02.2026
वर्ष : 11, अंक : 87 पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

सत्यमेव जयते

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु
भारत की माननीय राष्ट्रपति

का वीर भूमि झारखण्ड में
अभिनंदन और
जोहार

दिनांक: 26 फरवरी, 2026

श्री संतोष कुमार गंगवार
माननीय राज्यपाल, झारखण्ड

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत मॉडल सोलर ग्राम चयन के लिए जिला स्तरीय समिति की हुई बैठक

बिभा संवाददाता

खूँटी । पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत मॉडल सोलर ग्राम विकसित करने हेतु समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी आर० रॉनिटा ने बुधवार को उम्मीदवार ग्राम के चयन को लेकर जिला स्तरीय समिति की बैठक की।

बैठक में सरकार के अपर ऊर्जा विभाग, झारखंड सरकार तथा नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के आलोक में योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान मॉडल सोलर ग्राम के चयन हेतु निर्धारित मानकों, आवश्यक आधारभूत संरचना, संभावित लाभुकों की संख्या एवं विद्युत आपूर्ति की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई।

उपायुक्त आर० रॉनिटा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि चयन प्रक्रिया पूर्ण पारदर्शिता एवं निर्धारित मानदंडों के अनुरूप सुनिश्चित की जाए, ताकि योजना का लाभ अधिकाधिक ग्रामीण परिवारों तक पहुँच सके। उन्होंने कहा कि मॉडल सोलर ग्राम के माध्यम से नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा तथा ग्रामीण क्षेत्रों में ऊर्जा आत्मनिर्भरता को सशक्त आधार प्राप्त होगा।

5 हजार से अधिक की जन संख्या वाले वैसे ग्राम जहां पूर्व से पीएम कुसुम, सोलर लिफ्ट इर्रिगेशन, सौर्य ऊर्जा से संबंधित कन्वर्जेंस योजना या किसी अन्य सोलर आधारित योजनाएं संचालित है, उन्हें प्राथमिकता देने की बात कही गई। इस संबंध में स्थानीय जन प्रतिनिधि के साथ कृषि पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी को बैठक कर योजना का प्रचार प्रसार कर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

उल्लेखनीय है कि चयनित ग्राम को 6 माह प्रतिस्पर्धा के लिए दिया जाएगा, जिस गांव में योजना का प्रभावी क्रियान्वयन होगा, उसे मॉडल विलेज के रूप में चिन्हित कर इसके विकास के लिए सरकार द्वारा अतिरिक्त फण्ड मुहैया कराई जाएगी।

बैठक में उप विकास आयुक्त-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद खूंटी, परियोजना निदेशक आईटीडीए, अग्रणी जिला प्रबंधक के प्रतिनिधि, कार्यपालक अभियंता विद्युत आपूर्ति प्रमंडल खूंटी, जिला परिषद सदस्य एवं अन्य संबंधित सदस्य उपस्थित थे।

उपायुक्त की उपस्थिति में मतगणना कर्मियों को मतगणना कार्य की दी गई जानकारी

बिभा संवाददाता

खूँटी । नगरपालिका (आम) निर्वाचन 2026 के अंतर्गत खूँटी नगर पंचायत क्षेत्र में 23 फरवरी को हुए मतदान के पश्चात 27 फरवरी 2026 को निर्धारित मतगणना कार्य को निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त आर० रॉनिटा की उपस्थिति में मतगणना कर्मियों को मतगणना कार्य को लेकर जानकारी दिया गया। जिसमें मतगणना कार्य हेतु प्रतिनियुक्त किए जाने वाले कर्मियों का चयन पारदर्शी प्रणाली के तहत किया गया।

राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी मार्गदर्शिका के अनुरूप निर्धारित प्रक्रिया के तहत किया गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त ने संबंधित

पदाधिकारियों को राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है, ताकि मतगणना कार्य शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी वातावरण में संपन्न कराया जा सके। इस दौरान उप विकास आयुक्त-सह वरीय पदाधिकारी कार्मिक कोषांग आलोक कुमार, सामान्य प्रेक्षक रश्मि लकड़ा, सभी आर०ओ० समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी, जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

खलारी में टीएसपीसी के नाम पर रंगदारी की मांग, चार परियोजनाओं में कोयला उठाव ठप

बिभा संवाददाता

खलारी। झारखंड के खलारी स्थित एनके पिपरवार क्षेत्र में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति समिति (ळरढड) के नाम पर रंगदारी की मांग से कोयलांचल में हड़कंप मच गया है।साबिर अंसारी उर्फ सुदर्शन जी के नाम से जारी एक धमकी भरे पत्र में क्षेत्र के कोल डंपों से 150 रुपये प्रति टन की दर से अवैध वसूली की मांग की गई है।

पत्र में बीते पांच महीनों की कथित बाकी रकम नहीं मिलने पर दो दिन की मोहलत दी गई थी और चेतावनी दी गई थी कि भुगतान होने तक कोई कार्य नहीं होगा। इसके बाद से रोहणी,डकरा,केडीएच और पुरनाडीह परियोजनाओं का कांटा बीते सोमवार से पूरी तरह बंद है।चारों परियोजनाओं में कोयला उठाव ठप रहने से करोड़ों के राजस्व पर असर पड़ रहा है।थाना प्रभारी ने कोल व्यवसायियों को बेखौफ होकर काम करने का निर्देश दिया है,लेकिन जमीनी स्तर पर भय और अनिश्चितता का माहौल कायम है।डंप संचालन समिति, लिफ्टर और डीओ होल्डर खुले तौर पर सामने आने से बच रहे हैं।

करोड़ों की उगाही का गणित

अनुमान के अनुसार एन के क्षेत्र सभी परियोजनाओं से प्रति परियोजना औसतन 10 हजार टन प्रतिमाह कोयला उठाव होता है।इस आधार पर चारों परियोजनाओं से एक माह में करीब 40 हजार टन और पांच माह में लगभग 2 लाख टन कोयला निकासी का आंकड़ा बनता है।150 रुपये प्रति टन की दर से हिसाब लगाया जाए तो करीब 2 करोड़ 40 लाख रुपये की अवैध टेरर फंडिंग की मांग सामने आती है।

सूत्रों का कहना है कि इस तरह की राशि डंप संचालन समिति,लिफ्टर और डीओ होल्डर के माध्यम से वसूली जाती रही है,हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पूरे एनके पिपरवार क्षेत्र में दहशत का माहौल है।प्रशासन की सख्ती और सुरक्षा व्यवस्था के दावों के बीच यह सवाल उठ रहा है कि आखिर कब तक कोयलांचल रंगदारी और टेरर फंडिंग के साये में काम करता रहेगा?

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का शहरा आगमन आज, प्रशासन ने किया अंतिम रिहर्सल

जमशेदपुर(बिभा): राष्ट्रपति द्रोपति मुर्मू गुरुवार को सोनारी सर्किट हाउस साई मंदिर होते हुए मरीन ड्राइव के मार्ग से अपरान्ह 12.30 बजे कदमा पहुचेंगी. वहां श्री जगन्नाथ जी के मंदिर का शिलान्यास करने के उपरांत संबोधन करेंगी व प्रसाद भी ग्रहण करेगी. इस समारोह में उनके साथ झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान सहित पूर्वी व पश्चिम सिंहभूम के दोनों सांसद, कई विधायक तथा टाटा स्टील के प्रबंध निदेशक भी अतिथि के रूप में शामिल होंगे. वहां से लगभग अपरान्ह 2.30 बजे निकलकर महामहिम अपरान्ह 2.50 बजे बारीडीह स्थित मणिपाल टाटा मेडिकल कॉलेज पहुंचेंगी. वहां भी उनका लगभग एक घंटे का कार्यक्रम तय है. इस दौरान राष्ट्रपति कॉलेज के विद्यार्थियों के साथ संवाद करने के साथ साथ फोटो सेशन भी कराएंगी. उसके बाद वे हवाई मार्ग से रांची के लिए रवाना हो जाएंगी. उनके आगमन को देखते हुए चारों ओर साफ सफाई चल रही है. जगह जगह अतिथियों के पोस्टर, बैनर, कट आउट लगाए गए हैं।

मुरहू प्रखंड के बकरी पालन के लिए चयनित लाभुकों को प्रदान किया गया बकरी

खूँटी (बिभा)। जिले के मुरहू प्रखंड में मवेशी पालन के शौकिनों को लाभान्वित करने के दृष्टिकोण से बुधवार को उपप्रमुख अरुण साबू ने मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत लाभुकों के बीच बकरियों का वितरण किया। जिससे लोग पशुपालन कार्य से स्वरोजगार को बढ़ा सकें। पशुपालन विभाग की ओर से मुरहू प्रखण्ड के केवड़ा, माहिल एवं कोड़ाकेल पंचायत के बड़ी संख्या में चयनित लाभुकों को बकरियाँ प्रदान की गईं। वितरण के दौरान उप प्रमुख ने लाभुकों से बकरी पालन संबंधी प्रशिक्षण के बारे में जानकारी ली। कुछ लाभुकों ने प्रशिक्षण लेने की बात कही, जबकि जिन्होंने प्रशिक्षण नहीं लिया है, उन्हें पशु चल चिकित्सक द्वारा आवश्यक दवाइयाँ एवं पालन-पोषण की ट्रेनिंग दी जा रही है। उप प्रमुख अरुण कुमार साबू ने बताया कि लाभुकों का चयन प्रखण्ड स्तरीय समिति द्वारा किया जाता है तथा पंचायत स्तर पर भी चयन प्रक्रिया सुनिश्चित की जाती है, ताकि आवश्यकता के अनुसार योग्य व्यक्तियों को ही योजना का लाभ मिल सके। उन्होंने लाभुकों से अपील किये कि वे समय-समय पर मुरहू के पशुपालन विभाग से संपर्क बनाए रखें तथा पशुओं को नियमित रूप से दवा देते रहें, जिससे पशुधन आय का स्थायी स्त्रोत बनाएँ।

अदरक की खेती से तपकरा कोचा ग्रामीण किसान होंगे उन्नत

तोरपा (बिभा)। अदरक की खेती से तोरपा प्रखंड की तपकरा पंचायत अंतर्गत कोचा गाँव के किसान उन्नत तो होंगे ही साथ में आयुर्वेदिक और मसालों के रुप में उपयोग अदरक का कुटीर उद्योग भी बढ़ने के आसार हैं। जहाँ अनेक कम्पनियाँ अदरक से निर्मित अर्क , दवा , मसाला आदि का निर्माण करते हैं। वहीं अदरक की खेती से किसानों को भी अन्य दिशा में अग्रसर होने का मौका मिलेगा। इसलिए जिला परिषद अध्यक्ष मसीह गुड़िया की पहल पर जिला कृषि उद्यान विभाग के तत्वावधान में मंगलवार को अदरक बीज वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला परिषद अध्यक्ष मसीह गुड़िया ने 13 लाभुक किसानों के बीच प्रति लाभुक 1.80 क्विंटल (1 क्विंटल 80 किलोग्राम) अदरक बीज का वितरण किया। इस अवसर पर जिला परिषद अध्यक्ष मसीह गुड़िया ने कहा कि कोचा गांव को क्लाइमेट स्मार्ट विलेज के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि गांव में 40 किलोवाट सोलर प्लांट स्थापित किया गया है, जिससे 42 परिवारों के घरों में बिजली की सुविधा उपलब्ध हो रही है। इसके अलावा यहां मिनी राइस मिल, लाह एवं तेल प्रोसेसिंग यूनिट की स्थापना की गई है और किसानों के लिए सिंचाई की भी व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा कि किसानों और महिलाओं को स्वावलंबी एवं आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से सरकार की यह पहल काफी सराहनीय है। साथ ही यह भी आश्वस्त किया कि किसानों को सिंचाई सुविधा में किसी प्रकार की कमी नहीं होने दी जाएगी और इसके लिए जिले में पक्का चेक डैम निर्माण की दिशा में कार्य किया जाएगा। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान सुखराम मुण्डा, उद्यान मित्र महानंद स्वासी, जनसेवक देवेन्द्र कुमार, दिलीप कुमार, मसीह भेंगरा, रामचन्द्र स्वासी, करण रजक, पवन, संदीप गोप सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। कार्यक्रम के माध्यम से किसानों में उत्साह देखा गया और उन्होंने इस पहल के लिए प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

होली को लेकर खूंटी थाने में हुई शांति समिति की बैठक

बिभा संवाददाता

खूँटी । आगामी होली त्यौहार को लेकर खूँटी थाना परिसर में बुधवार को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वरुण रजक की अगुवाई में शांति समिति की बैठक की गई। बैठक के दौरान हिंदू मुस्लिम समुदाय के लोग शामिल हुए। मौके पर, होली त्योहार सौहार्दपूर्ण और शांतिपूर्वक मनाने के लिए चर्चा की गई। वहीं उपस्थित सभी समुदाय की उपस्थिति में प्रशासन के समक्ष विधि व्यवस्था को दुरुस्त कराने के लिए कई मांगें रखी गयी । जिसमें नगर पंचायत क्षेत्र में साफ सफाई , बिजली व्यवस्था, सड़क ठीक करने जैसी मामलों को रखा गया। बैठक में विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे। मौके पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वरुण रजक ने कहा कि कोई भी व्यक्ति अफवाहों पर ध्यान नहीं देगा। किसी भी प्रकार की कोई बात होगी तो इसकी

जानकारी दी जाए। डीएसपी ने कहा कि सोशल मीडिया शांति भंग करने वाली बातें नहीं डालें। जिस भी ग्रुप में सौहार्द भंग होने वाली जैसे मिलने से एडमिन दोषी होंगे। इसलिए एडमिन इस बात का ख्याल रखेंगे। मौके पर अंचलाधिकारी प्रदीप कुमार ने कहा कि शांति व्यवस्था के साथ सौहार्दपूर्ण वातावरण में होली पर्व मनाना है। अभी रमजान का महीना भी चल रहा है। तो इसे भी शांतिपूर्ण तरीके से मनाएं। इस बैठक में नगर प्रशासक सृष्टि दीप्रिया मिंज, थाना प्रभारी अशोक कुमार सिंह, बिजली विभाग के अभियंता शैलेश कुमार कश्यप, सदर अस्पताल के चिकित्सक, अग्निशमन विभाग के रामाशीष सिंह यादव , मनोज कुमार, भाजपा जिला अध्यक्ष आनंद कुमार, योगेश वर्मा, मुकेश जायसवाल, जितेंद्र कश्यप, मो खालिद, मो शमशाद , मो जावेद आदि अनेक लोग बैठक में शामिल थे।

खूंटी थाना परिसर में खेली गई सूखी होली

खूंटी। खूंटी थाना परिसर में हुई शांति समिति की बैठक के उपरांत पुलिस प्रशासन एवं जनता के बीच होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर सभी लोगों ने अबीर गुलाल लगाकर सूखी होली खेलते हुए आगामी आने वाले होली की शुभकामनाएँ दी। मौके पर लोगों ने एक-दूसरे की गालों पर गुलाल लगाए। साथ ही, होली मिलन समारोह के अवसर पर जलपान का व्यवस्था किया गया था। जहाँ लोगों ने मुँह मीठा किया। इस दौरान खूँटी थाना परिसर में होली सा उमंग और खुशियाँ देखने को मिला। मौके पर थाना के स्टाफ भी एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाए। इस मिलन समारोह में डीएसपी वरुण रजक, थानाप्रभारी अशोक कुमार सिंह, अंचलाधिकारी प्रदीप कुमार, मनोज कुमार, आनंद कुमार, ज्योतिष भगत सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

अवैध देशी कट्टा मामले में तीसरा अभियुक्त गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले मुरहू थाना अन्तर्गत ग्राम-कोड़ाकेल स्थित सियो महतो के चौमिन दुकान से छापामारी कर अवैध रूप से रखे दो देशी कट्टा तथा 02 जिंदा गोली बरामद किया गया था। जिसके आलोक में चार नामजद अभियुक्तों के विरूद्ध मुरहू थाना में विगत 03 फरवरी को धारा-25(1-ु)/26/35 आर्म्स एक्ट दर्ज किया गया था। उक्त कांड में पहले दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत भेजा जा चुका है। जिसमें एक व्यक्ति का नाम बाद में आया। जिसे 24 फरवरी की रात्री को एक और अभियुक्त गनालोया निवासी विनोद कुमार गन्झु को गिरफ्तार का न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस द्वारा प्रेस विज्ञप्ति में बताया

गया कि विनोद कुमार गंझू के उपर कुल नौ मामले पर विभिन्न थाना में केस दर्ज है । जिसमें खूँटी थाना में चार , मुरहू थाना में एक, कर्रा थाना में दो और राँची जिले के लापुंग थाना और नामकोम थाना में एक-एक मामले दर्ज हैं।

पुलिस के द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, अन्य अभियुक्तों के विरुद्ध छापामारी जारी है तथा अन्य बिन्दुओं पर अनुसंधान जारी है।

खूँटी की ग्रामीण महिलाएं बना रही है हर्बल अबीर गुलाल

बिभा संवाददाता

खूँटी । प्रकृति के रंगों के साथ होली खेलने का मजा ही कुछ और है। इससे न तो किसी प्रकार का केमिकल मिलता है और न ही शरीर और चेहरे पर अबीर लगने से किसी प्रकार की हानि होती है। इसलिए खूँटी में हर्बल गुलाल निर्माण किया जा रहा है। ये हर्बल अबीर गुलाल बेलाहाथी गाँव की महिलाएँ निर्माण कर रही है। इससे एक तो लोगों को होली का आनन्द भी मिले और चेहरा और शरीर में किसी प्रकार का हानि भी न हो सके। खूँटी की बेलाहाथी गाँव में चुकंदर, हल्दी , पालक साग और पलाश के फूलों से पाँच छह महिलाओं द्वारा अबीर निर्माण किया जा रहा है। इसके लिए गाँव की महिलाएँ चुकंदर, पालक, हल्दी और प्लास के फूल के साथ आरारोट व गुलाब जल खरीदकर लायी और फिर मिक्सी में पीसकर रस निकालकर आरारोट में

मिलाकर गुलाब जल डालकर सुखाती है। फिर सुखने के बाद उसे मिक्सी में पीसकर पावडर बनाकर अबीर का निर्माण कर रही है। जिसे पैकिंग करके प्लास मार्ट के माध्यम से बिक्री कर रही है। इस प्रकार फल और फूलों के रस से हर्बल अबीर बनाकर एक तो प्राकृतिक अबीर का उपयोग तो करा रही है साथ ही, यह आमदनी का माध्यम भी बना गया है। उर्मिला देवी ने बताई कि हम लोग 10 महिला मिलकर हर्बल गुलाल निर्माण कर रहे हैं और विभिन्न क्षेत्रों में प्लास मार्ट के माध्यम से बिक्री कर रहे हैं। इससे अच्छी आमदनी हो जा रही है। हर्बल अबीर बनाने में रंग के लिए चुकंदर का रस, हल्दी का रस, पालक का रस और पलाश फूल का रस का उपयोग करते हैं। जिसे अरारोट में मिलाकर और सुगंध के लिए गुलाब जल और अन्य एसेंस देते हैं। ताकि अबीर खुशबूदार रहे। सुखंती देवी ने बताई कि इसे बनाने के लिए पहले रस निकालते हैं फिर अरारोट में मिलाकर उसे सुखाते हैं फिर जैसे सूखते जाता है फिर मिक्सर ग्राइंडर में डालकर पाउडर बनाते हैं। इस प्रकार हर्बल गुलाल तैयार हो जाता है तैयार हर्बल गुलाल को पैकिंग करते हैं और बिक्री योग्य बनाते हैं। इस बार 70 किलो आरारोट का हर्बल गुलाल बनाए हैं। जिसे 20रूपए या प्रतीक पैकेट करके बिक्री करना होता है। विमला देवी ने बताई कि इसे हम लोगों को अच्छा मुनाफा होता है लेकिन और भी बाजार मिले तो और भी ज्यादा निर्माण कर सकते हैं।

कालीचरण मुंडा ने किया मुरहू के विद्यालयों का औचक निरीक्षण, शिक्षा सचिव से करेंगे बातचीत

बिभा संवाददाता

खूंटी । सांसद कालीचरण मुंडा ने बुधवार को मुरहू प्रखंड के संत मेरी उच्च विद्यालय और पीएमश्री लक्ष्मी नारायण प्लस टू स्कूल का औचक निरीक्षण किया।

संत मेरी उच्च विद्यालय में प्रधानाध्यापिका ने बताया कि सातवीं से दसवीं तक 470 छात्राएं अध्ययनरत हैं और 12 शिक्षक कार्यरत हैं। स्कूल में कमरों की कमी और जर्जर सभागार भवन की मरम्मत की आवश्यकता से सांसद को अवगत कराया गया। सांसद ने सभागार की मरम्मत के लिए आवेदन देने को कहा।

इसके बाद सांसद ने पीएमश्री लक्ष्मी नारायण प्लस टू विद्यालय का निरीक्षण किया। यहाँ सातवीं से दसवीं तक 257 और इंटर में 557, कुल 814 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। भवन की जर्जर स्थिति, छत से पानी टपकने और दीवारों से रिसाव की समस्या की जानकारी दी गई। छात्रावास में केवल आठ विद्यार्थी रह रहे हैं। जहाँ के शिक्षकों ने कालीचरण मुंडा के समक्ष समस्याओं को गिनाया । वहीं उच्च विद्यालय के वर्गों में विद्यार्थियों की कम संख्या पर उन्होंने नाराजगी जताई और व्यवस्थाओं पर असंतोष प्रकट किया। मौके पर, सांसद ने पुस्तकालय, कक्षा-कक्ष, व्यवसायिक प्रशिक्षण केन्द्र और प्रयोगशाला का निरीक्षण भी किया। उन्होंने कहा कि दोनों विद्यालयों की स्थिति को लेकर वे गुरुवार को शिक्षा सचिव से मुलाकात कर आवश्यक कार्रवाई की मांग करेंगे। इस दौरान उनके साथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा और वरिष्ठ कांग्रेसी मो. नईमुद्दीन खान उपस्थित थे।

दियांकेल में ग्रामीणों ने अवैध बालू उत्खनन रोक हाईवा व जेसीबी पकड़ी

खूँटी (बिभा)। जिले के तोरपा प्रखंड अंतर्गत दियांकेल गाँव में छाता नदी से हो रहे कथित अवैध बालू उत्खनन के खिलाफ ग्रामीणों ने मंगलवार की रात सामूहिक कार्रवाई करते हुए एक हाईवा और एक जेसीबी मशीन को जब्त कर पुलिस के हवाले कर दिया। कार्रवाई का नेतृत्व ग्राम प्रधान राफेल तोपनो ने किया। ग्रामीणों के अनुसार, रात में बालू निकासी की सूचना पर पहले से निगरानी रखी जा रही थी। रात्रि प्रहरी के दौरान बालू डंप कर रही जेसीबी और बालू लादकर जा रहे हाईवा को घेरकर पकड़ लिया गया। ग्रामीणों का आरोप है कि बिना वैध अनुमति के उत्खनन व परिवहन किया जा रहा था, जिससे पर्यावरणीय संतुलन प्रभावित हो रहा है। सूचना मिलते ही तोरपा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों वाहनों को जब्त कर जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार, हाईवा का चालान प्रस्तुत किया गया है, जिसकी वैधता की जाँच की जा रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन की निष्क्रियता पर नाराजगी जताते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की है।

संजीव सरदार ने विधानसभा में जवानों व आम नागरिकों की सुरक्षा के मद्देनजर जल्द हस्तक्षेप की मांग रखी

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : पोटका विधायक संजीव सरदार ने विधानसभा में पूर्वी सिंहभूम जिला अंतर्गत जादूगोड़ा स्थित ग्राम स्वासपुर में अवस्थित सीआरपीएफ समूह केंद्र के ऊपर से गुजर रही 132 केवी हाई टेंशन विद्युत लाइन का मामला प्रमुखता से उठाया। उन्होंने सदन में बताया कि लगभग 165 एकड़ क्षेत्र में फैले इस केंद्र परिसर में जवानों एवं उनके परिवारों के लिए आवासीय भवन व बैरक निर्मित हैं तथा कई भवनों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। ऐसे में परिसर के ऊपर से गुजर रही हाई टेंशन लाइन सुरक्षा की दृष्टि से गंभीर खतरा उत्पन्न कर रही है।

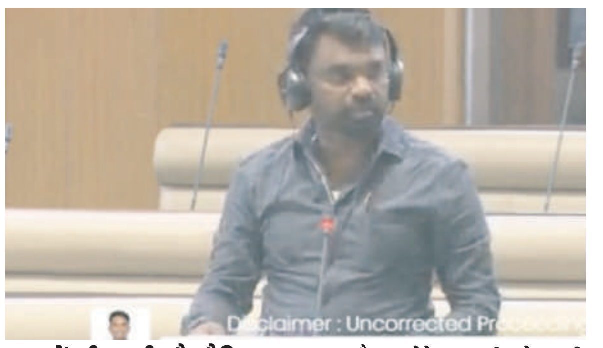

जवानों की ड्यूटी और दैनिक कार्य प्रभावित

विधायक ने सदन को अवगत कराया कि उक्त विद्युत लाइन के कारण जवानों के दैनिक कार्यों एवं ड्यूटी के दौरान संभावित दुर्घटना का खतरा बना रहता है। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा में तैनात जवानों के आवासीय व कार्यस्थल परिसर में इस प्रकार की उच्च वोल्टेज लाइन का होना अत्यंत चिंताजनक है और इसे प्राथमिकता के आधार पर देखा जाना चाहिए।

विधायक ने यह भी उल्लेख किया कि उक्त परिसर के आसपास झारखंड पुलिस का सीटीसी मुसाबनी केंद्र तथा ग्राम गोपालपुर, स्वासपुर एवं बड़पहार स्थित हैं। इससे आम नागरिकों की सुरक्षा भी प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि यह केवल सीआरपीएफ परिसर का मुद्दा नहीं, बल्कि व्यापक जनसुरक्षा से जुड़ा विषय है।सदन के माध्यम से विधायक संजीव सरदार ने सरकार से मांग की कि उक्त 132 केवी हाई टेंशन विद्युत लाइन को शीघ्र अन्य सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित कराने हेतु आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनता एवं जवानों की सुरक्षा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस दिशा में वे निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

बजट पर भाजपा का हमला डॉ. जटाशंकर पांडे ने बताया निराशाजनक, आरक्षण और गरीबों के वादों पर सरकार मौन

बिभास ंवाददाता

जमशेदपुर। झारखंड सरकार द्वारा विधानसभा में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए पेश किए गए बजट पर भाजपा बुद्धिजीवी मंच के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सह प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ. जटाशंकर पांडे ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे आंकड़ों की बाजीगरी और जनता को भ्रमित करने वाला बजट करार दिया है।उन्होंने कहा कि पिछले बजट में सरकार ने 1 लाख 36 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया था, लेकिन सरकार यह स्पष्ट करे कि उस बजट का कितना प्रभावी क्रियान्वयन हुआ। उनके अनुसार, केवल बड़ी राशि घोषित कर देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि धरातल पर योजनाओं का परिणाम दिखना चाहिए।

डॉ. पांडे ने कहा कि सरकार को दोबारा सत्ता में आए एक वर्ष से अधिक समय हो गया है, लेकिन महिलाओं और युवाओं से किए गए वादे अब भी अधूरे हैं। चुनाव के दौरान शिक्षा और महिला सशक्तिकरण को लेकर कई घोषणाएं की गई थीं, परंतु इस बजट में इस दिशा में कोई ठोस पहल नजर नहीं आती। उन्होंने कहा कि इससे राज्य की विकास गति को लेकर गंभीर सवाल खड़े होते हैं।राज्य सरकार की नौकरियों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के वादे की याद दिलाते हुए कहा कि इस दिशा में अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ दलों ने चुनाव के दौरान ओबीसी समाज को 27 प्रतिशत आरक्षण देने का आश्वासन दिया था, लेकिन बजट में इस विषय पर भी कोई स्पष्ट घोषणा नहीं की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि गरीब परिवार 7 किलो चावल और 2 किलो दाल मुफ्त देने की योजना के लागू होने की प्रतीक्षा करते रह गए। इसके अलावा, हर गरीब परिवार को 15 लाख रुपये तक स्वास्थ्य बीमा कवरेज देने का वादा भी अधूरा है।

रांची, गुरुवार
26.02.2026
वर्ष : 11, अंक : 87 पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरे हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

इजरायली संसद में बोले पीएम मोदी- 'भारत-इजरायल की दोस्ती विश्व के लिए जरूरी'

एजेंसी

यरूशलम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को 2 दिवसीय दौरे पर इजरायल पहुंचे हैं, जहां उनका बेंजामिन नेतन्याहू ने भव्य किया। पीएम मोदी ने इजरायल की संसद नेसेट को संबोधित करते हुए कहा कि मेरा जन्म उसी दिन हुआ था जिस दिन भारत ने इजरायल को ऑफिशियली मान्यता दी थी। इससे पहले संसद पहुंचने पर मोदी-मोदी के नारे भी लगे।

पीएम मोदी से पहले संसद में इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा, यह एक शानदार दोस्ती रही है। आज सुबह, मेरी पत्नी सारा और मैंने एयरपोर्ट पर आपका (पीएम मोदी) स्वागत किया। और जैसे ही आप सीढ़ियों से नीचे आए, हमने एक-दूसरे को गले लगा लिया। प्रधानमंत्री मोदी का पर्सनली गले लगना कुछ खास है। इसे मोदी हग कहा जाता है। यह दुनिया भर में मशहूर है। जब आप किसी को, करीब से, सच में गले लगाते हैं, तो आप जानते हैं कि यह कोई दिखावा नहीं है। यह एक असली चीज है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को एक शानदार बैठक की, जिसमें उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई मुद्दों और क्षेत्र में महत्वपूर्ण घटनाक्रमों पर चर्चा की। मोदी नौ वर्षों में दूसरी बार इजराइल की यात्रा पर हैं और उनका हवाई अड्डे पर नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा ने स्वागत किया। प्रधानमंत्री का बेन गुरियन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भव्य स्वागत किया गया और उन्हें सलामी गारद दिया गया। स्वागत समारोह के बाद दोनों नेताओं ने हवाई अड्डे पर एक निजी बैठक की।

मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''प्रधानमंत्री नेतन्याहू के साथ एक शानदार मुलाकात हुई। आज दिन में गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए मैंने उनके प्रति आभार जताया। नौ साल बाद इजराइल आने पर मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है।'' उन्होंने कहा, ''हमने द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई विषयों पर चर्चा की। प्रौद्योगिकी, जल प्रबंधन, कृषि, प्रतिभा साझेदारी आदि जैसे क्षेत्रों में घनिष्ठ सहयोग की अपार संभावनाएं हैं। हमने क्षेत्र में हो रहे प्रमुख घटनाक्रमों पर भी चर्चा की।''

इससे पहले मोदी ने कहा था कि वह द्विपक्षीय चचाओं में शामिल होने और भारत-इजराइल मित्रता को मजबूत करने वाले सार्थक परिणामों की उम्मीद कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि ''अपने मित्र, प्रधानमंत्री नेतन्याहू द्वारा गर्मजोशी भरे स्वागत से अत्यंत भावुक हूं। भारत-इजराइल मित्रता के और भी अधिक मजबूत होने की कामना करता हूं।''

नेतन्याहू ने कहा कि उनका और मोदी का घनिष्ठ व्यक्तिगत संबंध हैं, हम अक्सर बातचीत करते हैं और मेरा मानना है कि हमारे बीच की गहरी मित्रता हमारे दोनों देशों के संबंधों पर स्पष्ट रूप से प्रतिबिंबित होती है। उन्होंने कहा, ''कल हम याद वाशेम का दौरा करेंगे और उसके बाद अपनी टीम के साथ एक और बैठक करेंगे, जिसमें हम आर्थिक, सुरक्षा और कूटनीतिक क्षेत्रों में कई समझौतों पर हस्ताक्षर करेंगे, जिससे इजराइल और भारत के बीच सहयोग और आगे बढ़ेगा।''

जब मोदी यरुशलम के होटल किंग डेविड पहुंचे, तो भारतीय समुदाय के सदस्यों ने उनका स्वागत किया, जिनमें भारतीय मूल के यहूदी, छात्र, पेशेवर और श्रमिक शामिल थे। भारतीय और इजराइली कलाकारों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिनमें केरल का पारंपरिक तिरुवथिरा नृत्य, इजराइली लोक नृत्य हवा नागीला और राजस्थान का घूमर शामिल था। इस अवसर पर दिव्यांग गायकों ने भी प्रस्तुति दी।

पीमए मोदी इजरायली संसद नेसेट के 'स्पीकर ऑफ द नेसेट मेडल' से सम्मानित

तेल अवीवः इजरायल की संसद नेसेट ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपने सर्वोच्च सम्मान 'स्पीकर ऑफ द नेसेट मेडल' से सम्मानित किया है। इजरायल की दो दिन की यात्रा पर गये श्री मोदी ने बुधवार को नेसेट को संबोधित किया जिसके बाद नेसेट के स्पीकर ने श्री मोदी को नेसेट के सर्वोच्च सम्मान 'स्पीकर ऑफ द नेसेट मेडल से सम्मानित किया। सम्मान लेने के बाद श्री मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा , मुझे नेसेट मेडल पाकर बहुत गर्व महसूस हो रहा है। मैं इसे विनम्रता और आभार के साथ स्वीकार करता हूँ।यह सम्मान किसी एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि भारत और इजराइल के बीच हमेशा रहने वाली दोस्ती को श्रद्धांजलि है।यह उन साझा मूल्यों को दिखाता है जो हमारे दोनों देशों को रास्ता दिखाते हैं। इस अवसर पर विदेश मंत्री डा एस जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल , विदेश सचिव विक्रम मिस्री और इजरायल में भारत के राजदूत जितेन्द्र पाल सिंह भी मौजूद थे। इस मौके पर नेसेट को भारतीय रंगों से सजाया गया था।

संक्षिप्त खबरें

उपराष्ट्रपति दो दिवसीय दौरे पर जम्मू-कश्मीर पहुंचे

श्रीनगर। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन बुधवार को जम्मू-कश्मीर के दो दिवसीय दौरे पर श्रीनगर पहुंचे। उपराष्ट्रपति को लेकर एक बिजनेस बोइंग जेट बुधवार शाम श्रीनगर हवाई अड्डे पर उतरा। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, मुख्य सचिव अटल दुल्लू, श्रीनगर स्थित सेना की 15वीं कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) और जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ने हवाई अड्डे पर उपराष्ट्रपति का स्वागत किया। वे एक सुरक्षित काफिले में श्रीनगर के चश्मा शाही इलाके में स्थित राजभवन गए जहां वे अपने दौरे के दौरान ठहरेंगे। पदभार ग्रहण करने के बाद यह उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन का जम्मू-कश्मीर का पहला दौरा है। वे गुरुवार को हजरतबल परिसर में कश्मीर विश्वविद्यालय के 21वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। उपराज्यपाल कश्मीर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति हैं जबकि मुख्यमंत्री प्रो-कुलाधिपति हैं।

न्यूजीलैंड की दमदार जीत, श्रीलंका टी20 वर्ल्ड कप 2026 से बाहर

कोलंबो। कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में खेले गए अहम मुकाबले में न्यूजीलैंड ने श्रीलंका को 61 रनों से हराकर उसके टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सफर पर विराम लगा दिया। इस जीत के साथ न्यूजीलैंड ने अपनी सेमीफाइनल की उम्मीदों को जिंदा रखा, जबकि सह-मेजबान श्रीलंका टूर्नामेंट से बाहर हो गया। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 168 रन बनाए। जवाब में श्रीलंकाई टीम निर्धारित ओवरों में 107 रन ही बना सकी और 61 रनों से मुकाबला हार गई। भारत के साथ इस टी20 वर्ल्ड कप का सह-मेजबान श्रीलंका घरेलू सरजमीं पर खिताब जीतने का सपना देख रहा था, लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ हार ने उसकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। बल्लेबाजी में कामिंदु मेंडिस और दुनिथ वेल्लालागे को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे, जिससे टीम दबाव से उबर नहीं पाई। पारी की पहली ही गेंद पर श्रीलंका को बड़ा झटका लगा, जब मैट हेनरी ने पथुम निसांका को क्लीन बोल्ड कर दिया। लगातार रन बना रहे निसांका का विकेट मैच का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ।

डीएमएफटी फंड में बिचौलियागिरी पर होगी कडी कार्रवाई : वित्त मंत्री

बिभा संवाददाता

रांची। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि बजट सत्र 2026-27 के दौरान सदन में मुख्यमंत्री और उनकी ओर से की गई घोषणाएं इसी वर्ष धरातल पर उतारी जाएंगी। इसके लिए विकास आयुक्त की अध्यक्षता में एक समिति बनाई जाएगी, जो मुख्यमंत्री, राज्यपाल और वित्त मंत्री की घोषणाओं की समीक्षा करेगी। मंत्री बुधवार को सदन में बजट अभिभाषण पर हुई चर्चा के बाद सरकार की ओर से जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि बजट में सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र में संतुलन बनाने का प्रयास किया गया है। मंत्री ने कहा कि मंईयां सम्मान योजना किसी राजनीतिक उद्देश्य से नहीं लाई गई है। राज्य आगे बढ़ेगा तो हम सब आगे बढ़ेंगे। पक्ष और विपक्ष दोनों की प्रशंसा होगी।

उन्होंने कहा कि राज्य के अधिकारी यदि नहीं चाहेंगे तो सफलता एक कदम भी आगे नहीं बढ़ सकती है। विकास को लेकर एक जुनून पैदा करना होगा। उन्होंने कहा कि वे राजनीति के अंतिम पड़ाव पर हैं ऐसे में क्या छलावा, क्या बाजीगरी और क्या धोखेबाजी की जा सकती है। इस दौरान विपक्ष ने वॉकआउट किया।

वित्त मंत्री ने कहा कि हम सभी की चिंता यह होनी चाहिए कि राज्य का सर्वांगीण विकास कैसे हो। यदि जनता के साथ थोड़ा भी छलावा करेंगे तो अगली बार जनता मौका नहीं देगी। संसदीय व्यवस्था में पक्ष और विपक्ष के साथ राज्य की जनता भी होती है। इस बजट की सराहना व्यापार जगत, किसानों, महिलाओं, शिक्षाविदों, छात्रों और मजदूरों ने भी की है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने केंद्रीय करों में राज्य की हिस्सेदारी और अनुदान में कटौती की है। उन्होंने आरोप लगाया कि झारखंड में भाजपा की सरकार नहीं है, इसलिए केंद्र सहयोग नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2001 से अब तक 8 लाख 56 हजार 404 करोड़ रुपये की स्वीकृति इसी सदन ने दी है। पहली बार इस बजट में स्थापना मद की राशि बढ़ाई गई है, ताकि मानव संसाधन की कमी न हो। अब तक राज्य सरकार की ओर से 38 हजार लोगों को सरकारी नौकरी दी गई है।

वित्त मंत्री ने ऑडिट में पाई गई 10 हजार करोड़ रुपये की गड़बड़ी पर कहा कि यह पैसा झारखंड की जनता का है। यदि डीएमएफटी फंड में बिचौलियागिरी हुई होगी तो सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जब तक पूंजी निवेश नहीं होगा, तब तक संसाधनों के दम पर राज्य आगे नहीं बढ़ सकता। मुख्यमंत्री के विदेश दौरे का परिणाम दो वर्षों के भीतर दिखाई देगा और अधिक से अधिक पूंजी निवेश आएगा।

इसके बाद सदन की कार्यवाही स्पीकर रबींद्र नाथ महतो ने गुरुवार की सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

सुप्रीम कोर्ट की हेमंत सोरेन के खिलाफ ईडी केस में सुनवाई पर रोक

बिभा संवाददाता

नई दिल्ली/रांचीः सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में सुनवाई पर रोक लगा दी। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची तथा न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने सोरेन की याचिका पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को नोटिस जारी किया। याचिका में सोरेन ने मामले को रद्द करने का अनुरोध किया था।

शीर्ष अदालत के समक्ष अपनी याचिका में सोरेन ने ईडी द्वारा उन्हें बार बार समन जारी किए जाने को भी चुनौती दी थी। सोरेन ने अपनी याचिका में झारखंड उच्च न्यायालय के हालिया फैसले को चुनौती दी है जिसमें उनके खिलाफ मामले को रद्द करने से इनकार कर दिया गया था।

ईडी द्वारा दायर एक मामले में एक विशेष सांसद-विधायक (एमपी-एमएलए) अदालत द्वारा सोरेन के खिलाफ संज्ञान लिया था। शीर्ष अदालत ने 15 जनवरी को इसे रद्द करने से इनकार कर दिया जिससे झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेता को झटका लगा। जमीन घोटाले में कथित संलिप्तता से जुड़े मामले में जारी समन के बावजूद ईडी के समक्ष पेश नहीं होने के कारण जांच एजेंसी ने सोरेन के खिलाफ शिकायत दर्ज की थी।

ओडिशा में खनन अधिकारी के फ्लैट से 4 करोड़ कैश बरामद

एजेंसी

भुवनेश्वर। ओडिशा विजिलेंस ने बुधवार को भुवनेश्वर स्थित एक वरिष्ठ खनन अधिकारी के फ्लैट से छापेमारी के दौरान 4 करोड़ रुपये से अधिक नकदी बरामद की है। यह जानकारी विजिलेंस विभाग के अधिकारियों ने दी।

अधिकारियों के अनुसार खनन विभाग के कटक सर्कल के डिप्टी डायरेक्टर देवव्रत मोहंती को मंगलवार को एक ट्रैप ऑपरेशन के दौरान 30 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तारी के बाद विजिलंस टीम ने उनके कई

स्थानों पर छापेमारी की, जिनमें भुवनेश्वर के नेचरह्लस क्रेस्ट अपार्टमेंट, श्री विहार, पटिया में उनका फ्लैट, भद्रक जिले के मठसाही में उनका पैतृक घर और कटाक स्थित उनका कार्यालय शामिल है। छापेमारी के दौरान अधिकारी फ्लैट में ट्रॉली बैग और अलमारी में छुपी बड़ी नकदी बरामद करने में सफल रहे। बरामद नकदी की गिनती अभी चल रही है ताकि सटीक राशि का पता लगाया जा सके। इसके अतिरिक्त आरोपित के कार्यालय की दराज और व्यक्तिगत कब्जे से 1.20 लाख रुपये भी बरामद हुए। अधिकारियों ने अन्य संपत्तियों का भी पता लगाया है, जिनमें भुवनेश्वर के पाहल में लगभग 2,400 वर्ग फीट में दो मंजिला भवन और लगभग 130 ग्राम सोना शामिल हैं। छापेमारी की कार्रवाई अभी भी जारी है। अधिकारियों ने कहा कि जांच के आगे बढ़ने पर और विवरण सार्वजनिक किए जाएंगे।

एऊने अनिल अंबानी के मुंबई के घर 'एबोड' को कुर्क किया, कीमत 3,716 करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धन शोधन रोधक कानून (पीएमएलए) के तहत रिलायंस अनिल धीरूभाई अंबानी समूह के चेयरमैन अनिल अंबानी के मुंबई स्थित घर 'एबोड' को कुर्क कर लिया है, जिसकी कीमत 3,716 करोड़ रुपये है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। मुंबई के पाली हिल इलाके में स्थित 66 मीटर ऊंचा यह आलीशान घर 17 मंजिला है।

सूत्रों के अनुसार, उनके समूह की कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) द्वारा कथित बैंक धोखाधड़ी से जुड़े मामले में इस बहुमंजिला घर को कुर्क किया गया। ऐसा करने के लिए धन शोधन रोधक कानून (पीएमएलए) के तहत एक अस्थायी आदेश जारी किया गया है। उन्होंने बताया कि कुर्क की गई संपत्ति का मूल्य 3,716.83 करोड़ रुपये है। अंबानी पूछताछ के दूसरे दौर के लिए यहां ईडी के सामने पेश हो सकते हैं। उन्होंने पहली बार अगस्त, 2025 में ईडी के सामने पेश होकर पीएमएलए के तहत अपना बयान दर्ज कराया था। ताजा आदेश के साथ इस मामले में कुर्क की गई संपत्तियों का कुल मूल्य अब लगभग 15,700 करोड़ रुपये हो गया है।

राष्ट्रपति के झारखंड दौरे को लेकर सुरक्षा के कड़े और पुख्ता इंतजाम

बिभा संवाददाता

रांची। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) आगमन को लेकर प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े और पुख्ता इंतजाम किये हैं। पूरे मार्ग और कार्यक्रम स्थल को पांच जोन और 14 सेक्टर में विभाजित किया गया है। राष्ट्रपति 26 फरवरी को महाराष्ट्र के नागपुर से भारतीय वायु सेना के विमान से रांची पहुंचेंगी और वहां से एमआई-17 हेलीकॉप्टर से 45 मिनट में जमशेदपुर के सोनारी एयरपोर्ट जायेंगी। शहर के कार्यक्रमों में शामिल होने के बाद वे रांची लौटकर जैसलमेर के लिए रवाना होंगी। कदमा मरीन ड्राइव स्थित श्री जगन्नाथ आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक धर्मार्थ केंद्र ट्रस्ट के भूमि पूजन और बारीडीह के मणिपाल टाटा मेडिकल कॉलेज के कार्यक्रम में राष्ट्रपति मुख्य अतिथि होंगी। राज्यपाल संतोष गंगवार, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान भी उपस्थित रहेंगे। सुरक्षा व्यवस्था में 4 हजार पुलिसकर्मी और 125 दंडाधिकारी तैनात किए गए हैं।

इधर, राष्ट्रपति के कारकेड की सुरक्षा की जिम्मेदारी ग्रामीण आरक्षी अधीक्षक ऋषभ गर्ग को सौंपी गई है। खुफिया विभाग के अधिकारियों की टीम भी उनके साथ रहेगी। कारकेड में लगभग 26 वाहन शामिल होंगे।

एडीजी मनोज कौशिक ने बुधवार को बताया कि राष्ट्रपति के दौरे को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये है। पर्याप्त संख्या में जवानों की तैनाती की गयी है।

कार्यक्रम मिनट टू मिनट

रांची से सोनारी एयरपोर्ट पर आगमन: 12.00 बजे सोनारी एयरपोर्ट से प्रस्थान : 12.10 बजे, कदमा कार्यक्रम स्थल पर आगमन 12.20 बजे कदमा कार्यक्रम स्थल से रवानी: 2.30 बजे, टाटा मणिपाल मेडिकल कॉलेज परिसर में आगमन: 2.50 बजे टाटा मणिपाल मेडिकल कालेज से प्रस्थान: 3.20 बजे, सोनारी एयरपोर्ट पर आगमन: 3.40 बजे सोनारी एयरपोर्ट से रांची के लिए प्रस्थान: 3.50 बजे।

राष्ट्रपति के आगमन को लेकर ट्रैफिक में बदलाव

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के 26 फरवरी को प्रस्तावित रांची आगमन को लेकर ट्रैफिक पुलिस ने शहर की यातायात व्यवस्था में व्यापक बदलाव किया है। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए सुबह 09:00 से शाम 07:00 बजे तक कई प्रमुख मार्गों पर वाहनों के प्रवेश पर रोक रहेगी। वहीं भारी वाहनों को रिंग रोड से होकर चलने की अनुमति दी जायेगी। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार निर्धारित समय के दौरान शहर में सभी बड़े और छोटे मालवाहक वाहन, बस और अन्य सवारी वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा। भारी मालवाहक वाहन रिंग रोड के रास्ते अपने गंतव्य तक जा सकेंगे। रातू और काठीटांड की ओर जानेवाले वाहन शहर में प्रवेश नहीं कर कांके की ओर से रिंग रोड होते हुए आवागमन करेंगे। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि निर्धारित ट्रैफिक व्यवस्था का पालन करें। हिनू चौक, बिरसा चौक, एचइसी गेट, अरगोड़ा चौक, सहजानंद चौक, किशोरगंज चौक, न्यू मार्केट चौक, हॉटलिप्स चौक, राम मंदिर चौक, एटीआइ मोड़, रणधीर वर्मा चौक, एसएसपी आवास से लोक भवन तक मार्ग पर सुबह 09:00 से शाम 07:00 बजे के बीच आवश्यकता अनुसार सभी प्रकार के वाहनों का परिचालन रोका जा सकता है।

नगर पालिका आम चुनाव 2026: मतगणना कर्मियों को दिया गया प्रशिक्षण

एक दिन में मतगणना पूरी करने की तैयारी, प्रपत्र मिलान पर विशेष जोर

बिभा संवाददाता

बोकारो। नगर पालिका आम निर्वाचन 2026 को लेकर मतगणना प्रक्रिया को त्रुटिरहित एवं समयबद्ध बनाने के उद्देश्य से प्रशिक्षण कोषांग द्वारा डीएवी इस्पात विद्यालय सेक्टर 2/सी में मतगणना कर्मियों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में 60 मतगणना सुपरवाइजर तथा 130 मतगणना सहायकों को विस्तृत रूप से प्रक्रिया संबंधी जानकारी दी गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में वरीय पदाधिकारी प्रशिक्षण कोषांग प्रभाष दत्ता, उप निर्वाचन पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी प्रेमचंद सिन्हा, जिला शिक्षा पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी प्रशिक्षण कोषांग जगरनाथ लोहरा तथा मास्टर ट्रेनर आशुतोष कुमार उपस्थित रहे।

मास्टर ट्रेनर आशुतोष कुमार ने मतगणना के दौरान होने वाली सामान्य त्रुटियों पर विस्तार से चर्चा करते हुए कर्मियों को सावधानीपूर्वक कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने मतपत्रों की सही छंटाई, बंडलिंग तथा गणना की प्रक्रिया को व्यावहारिक उदाहरणों के साथ समझाया।

इस दौरान नोडल पदाधिकारी सह उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रेमचंद सिन्हा ने बताया कि नगर निगम चास तथा फुसरो नगर परिषद के सभी वार्डों की मतगणना एक ही दिन में सम्पन्न कराई जाएगी। इसके लिए मतगणना टेबलों की संख्या बढ़ाई गई है और सभी कर्मियों को समय पर उपस्थित रहकर जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का निर्देश दिया गया।

प्रशिक्षण में प्रपत्र-17 (डाले गए मतों का लेखा) एवं प्रपत्र-18 (पेपर सील लेखा) के मिलान को अनिवार्य बताया गया। अधिकारियों ने निर्देश दिया कि पहले वार्ड से संबंधित सादे बैलेट पेपर की गिनती की जाएगी, उसके बाद मेयर/अध्यक्ष पद से संबंधित गुलाबी बैलेट पेपर की गणना होगी।

मतगणना प्रक्रिया के तहत मतपेटिका की सील एजेंटों को दिखाने, मतपेटी खोलने के बाद मतपत्रों को टेबल पर व्यवस्थित रखने तथा 50-50 मतपत्रों के बंडल बनाकर गणना करने की प्रक्रिया का भी अभ्यास कराया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ और अधिकारियों ने आशा जताई कि प्रशिक्षित कर्मियों की तत्परता से मतगणना कार्य समय पर पूरा होगा।

प्लांट प्लाजा रोड पर सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन

बिभा संवाददाता

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) के आरएमपी विभाग द्वारा 25 फरवरी को प्लांट प्लाजा रोड पर सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य संयंत्र के सभी कार्मिकों एवं श्रमिकों के दैनिक जीवन में सड़क सुरक्षा के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाना है, ताकि कार्यस्थल और सड़क पर होने वाली अनचाही दुर्घटनाओं पर पूरी तरह अंकुश लगाया जा सके. यह पहल बीएसएल परिसर के भीतर सड़कों को सुरक्षित बनाने तथा सुगम एवं सुरक्षित आवागमन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. इस जागरूकता अभियान में बड़ी संख्या में अधिकारियों, गैर-कार्यपालक कार्मिकों एवं संविदा श्रमिकों ने हिस्सा लिया. प्रतिभागियों ने सुरक्षा संदेशों से युक्त बैनर और नारों के माध्यम से सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने का आह्वान किया. इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (रिफ्रैक्टरीज) एन. श्रीकांत, बिपिन कृष्ण सरतापे तथा मुकेश कुमार सिंह उपस्थित थे. इन वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें सुरक्षा मानकों को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाने हेतु प्रेरित किया. यह आयोजन बीएसएल की 'सुरक्षा प्रथम' की कार्य-संस्कृति को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में एक प्रभावी प्रयास है. इस प्रकार के निरंतर कार्यक्रमों से न केवल कार्मिकों में सुरक्षा के प्रति सजगता आती है, बल्कि यह संयंत्र की उत्पादकता और 'शून्य दुर्घटना' (जीरो एक्सीडेंट) के लक्ष्य को प्राप्त करने में भी सहायक सिद्ध होता है.

संक्षिप्त खबरें

बोकारोः फोरलेन पर बस-ट्रक की जोरदार टक्कर, कई यात्री घायल

बोकारो(बिभा) : जरीडीह थाना क्षेत्र के फोरलेन के पास देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार बस ने पीछे से ट्रक को जबरदस्त टक्कर मार दी, जिसमें बस में सवार कई यात्री घायल हो गए।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा मंगलवार देर रात करीब 11 बजे फोरलेन हाईवे पर घटित हुआ। बस में सवारियां भरी हुई थीं, और चालक के नियंत्रण में खराबी आने से वह पीछे चल रहे ट्रक से जा टकराई। बस के आगे के हिस्से में बैठे कुछ यात्रियों को चोटें आई हैं, जिन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया।पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। जरीडीह थाना प्रभारी ने बताया कि घायलों की हालत स्थिर है, लेकिन वाहनों की लापरवाही से ऐसा हादसा हुआ। ट्रैफिक पुलिस ने घटनास्थल पर यातायात व्यवस्था संभाल ली है। आगे की कार्रवाई जारी है।

6 माह पहले ब्याही पत्नी गर्भवती, फिर भी फांसी लगाकर युवक ने दी जान

बोकारो(बिभा)। सेक्टर-6 थाना क्षेत्र के बी क्वार्टर संख्या 4074 में बुधवार दोपहर एक 33 वर्षीय शादीशुदा युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक गौतम कुमार घर का इकलौता बेटा था, जिसकी शादी महज छह माह पहले हुई थी। उसकी पत्नी फिलहाल मायके में गर्भवती है।पुलिस के अनुसार, गौतम ने दोपहर करीब तीन बजे खाना खाने के बाद अपने कमरे में गमछे से सीलिंग फैन से फांसी लगा ली। उस समय उसके पिता, जो बीएसएल कर्मचारी हैं, ड्यूटी पर थे, जबकि मां घर पर अकेली थीं। मां को कमरे का दरवाजा न खुलने पर शक हुआ। उन्होंने आसपास के लोगों को बुलाया और पुलिस को सूचना दी।सेक्टर-6 थाना पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर दरवाजा तोड़कर शव बरामद किया और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। मां ने बताया कि बेटे के तनाव का कारण उन्हें नहीं पता। परिजनों के अनुसार, व्यवसाय में भारी नुकसान से वह परेशान था। इससे एक साल पहले भी गौतम ने नींद की गोलियां खाकर सुसाइड का प्रयास किया था।थाना प्रभारी ने बताया कि प्रथम हष्टया यह फांसी से आत्महत्या का मामला है। जांच जारी है।

मिथिला सांस्कृतिक परिषद में 2 मार्च को होगी फागुन उत्सव की धूम

बोकारो(बिभा) : बोकारो में मिथिला-मैथिलों की प्रतिष्ठित संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद की ओर से इस वर्ष भी भव्य होली मिलन समारोह का आयोजन किया जा रहा है।

मिथिलांचल के पारंपरिक गीतनाद, गायन-वादन आदि कार्यक्रमों के साथ आगामी 2 मार्च (सोमवार) को परिषद द्वारा संचालित मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल के प्रांगण में संध्या 6:30 बजे से फगुआ महोत्सव आयोजित किया जाएगा। मंगलवार देर शाम मिथिला एकेडमी के विद्यापति सभागार में हुई परिषद कार्यकारिणी की बैठक में सर्वसम्मति से इस आशय का निर्णय लिया गया। परिषद के निदेशक मंडल संयोजक राजेंद्र कुमार की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में होली मिलन कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर पांचसदस्यीय एक समिति भी बनाई गई, जिसमें उपाध्यक्ष समरेंद्र झा के नेतृत्व में वित्त सचिव मिहिर मोहन ठाकुर, एसके झा, अविनाश झा अवि, तरुण झा और विजय कुमार मिश्र अंजू शामिल किए गए। बैठक में उक्त लोगों के अलावा मुख्य रूप से परिषद निदेशक मंडल के सदस्य कृष्ण चंद्र झा, विजय कुमार झा, महासचिव नीरज चौधरी, विद्यालय के सचिव दिलीप कुमार झा व परिषद के सांस्कृतिक कार्यक्रम निदेशक अरुण पाठक सहित प्रदीप कुमार, प्रकाश, प्रदीप झा, सुशील कुमार झा, अरविंद कुमार मिश्रा, शिवेश पाठक, सुनील मोहन ठाकुर, आनंद नारायण मिश्रा, सुदीप कुमार ठाकुर, रोशन कुमार तरुण आदि उपस्थित रहे।

बिनोद बाबू की विचारधारा आज भी पूरी तरह प्रासंगिक :सुदेश महतो

बिजुलिया में छौ नृत्य व संस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

बिभा संवाददाता

तलगडिया (बोकारो)। बिजुलिया पंचायत अंतर्गत सिंहडीह गांव में झारखंड आंदोलन के महानायक बिनोद बिहारी महतो की स्मृति में दो दिवसीय बिनोद महोत्सव मंगलवार रात को संस्कृतिक कार्यक्रम के तहत छौ नृत्य व संस्कृति क का आयोजन किया गया।. इस आयोजन में भारी संख्या में ग्रामीणों ने श्रद्धा और उत्साह के साथ भाग लिया। महोत्सव के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा एवं पारंपरिक सांस्कृतिक कार्यक्रम ह्यपांतानाचह्न का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आजसू केन्द्रीय अध्यक्ष सह पूर्व मंत्री सुदेश कुमार महतो पहुंचे । जहां आयोजन समिति एवं आजसू कार्यकताओं ने भव्य स्वागत किया. इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में गोमिया के पूर्व विधायक डॉ. लंबोदर महतो शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों एवं उपस्थित जनसमूह द्वारा बिनोद बाबू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुई। सभा को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि सुदेश महतो ने कहा कि बिनोद बाबू की विचारधारा आज भी पूरी तरह प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि उनकी विचारधारा पर केवल चर्चा करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसे आत्मसात कर जीवन में उतारना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने कहा कि सिल्ली के बाद चंदनकियारी उन्हें सबसे प्रिय विधानसभा क्षेत्र है और वे हमेशा बेटे की तरह यहां की सेवा में समर्पित रहे हैं। उन्होंने युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि भटकाव और बिखराव से बचते हुए एकजुटता और सामंजस्य के साथ आगे बढ़ने की आवश्यकता है। युवाओं के उज्ज्वल भविष्य और चंदनकियारी के विकास के लिए वे सदैव तत्पर रहे हैं। उन्होंने सिंहडीह पुल निर्माण का उल्लेख करते हुए कहा कि यह पुल चंदनकियारी को धनबाद से जोड़ते हुए विकास का नया आयाम स्थापित करता है और आगे भी क्षेत्र में विकास कार्य जारी रहेंगे। उन्होंने सभी से एक नए और विकसित चंदनकियारी के निर्माण का संकल्प लेने का आह्वान किया।

इस अवसर पर ग्रामीण व क्षेत्र के लोगों ने सिंहडीह दामोदर पुल से लालबांगला पथ का निर्माण के लिए एक मांगपत्र सोंपा। इस मुख्य अतिथि श्री महतो ने कहा चंदनकियारी और धनबाद को जोडने के लिए मै दामोदर पर पुल का निर्माण किया, पथ का भी निर्माण करने का भरपूर प्रयास करुंगा।

मौके पर शंकर महतो, कन्हाई महतो, दिलीप महतो, बहादुर महतो, मनोज महतो, रूपचांद महतो, महानंद महतो, बिष्णमु महतो, मुखिया बासुदेव रजवार, जिलाध्यक्ष सचिन महतो, आजसू नेता दुर्गाचरण महतो, अश्विनी महतो, प्रदीप महतो, मिथिलेश महतो, लखिंदर महतो, ज्योतिलाल महतो, साधन महतो, सुशैन रजवार, लालमोहन महतो, मुखिया रोहित रजक सहित दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे।

मृत कर्मचारी आश्रित संघ की साप्ताहिक बैठक, सेल प्रबंधन से तत्काल नियोजन की मांग

बोकारो (बिभा): मृत कर्मचारी आश्रित संघ की साप्ताहिक बैठक आज टु-टैक गार्डन में आयोजित हुई। अध्यक्षता सनी देओल ने की तथा संचालन शकील अहमद ने किया।बैठक को संबोधित करते हुए सनी देओल ने कहा कि सेल बोकारो स्टील प्रबंधन को सभी आश्रित परिवारों के हितों को ध्यान में रखते हुए जल्द से जल्द नियोजन की दिशा में कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा कि आगामी होली का त्योहार हर घर में धूमधाम से मनाया जाएगा, लेकिन आश्रित परिवारों में बेरोजगारी व आर्थिक तंगी के कारण यह संभव नहीं हो पाएगा। संघ ने मांग की है कि सभी अप्रेंटिस पास प्रशिक्षित आश्रितों को तत्काल नियोजित कर रोजगार दिया जाए।बैठक में शशिकांत कुमार, आयरन मांझी, संभु कुमार, मुद्दशर नजर, महावीर सिंह, सलाम एहसान, समसुल अंसारी, फुलमनी कुमारी, मिना कुमारी, आशा कुमारी, बबीता कुमारी, मन्ना कुमारी, बासमती कुमारी, रूपा कुमारी सहित सैकड़ों आश्रित उपस्थित थे।

विवादित भूमि पर दखल न दिला सके कोर्टकर्मी-पुलिस, विरोध के बाद लौटना पड़ा चीरा

बिभा संवाददाता

चास (बोकारो): चीरा चास के पांडेयपुल के समीप विवादित भूमि पर दखल दिलाने पहुंचे कोर्टकर्मी व पुलिस बल को ग्रामीणों के विरोध का सामना कर वापस लौटना पड़ा। व्यवहार न्यायालय के फैसले के बावजूद मामला जिला न्यायालय पहुंचा, जहां वेंकटेश नारायण के पक्ष में निर्णय देते हुए दखल के निर्देश दिए गए थे।खाता संख्या 263, प्लॉट संख्या 103, 104 व 105 में 10 डिसमिल भूमि को लेकर वेंकटेश नारायण व प्रमोद सिंह के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा है। निचली अदालत के फैसले के बाद प्रमोद सिंह पक्ष ने जिला जज न्यायालय में अपील की, लेकिन वहां भी वेंकटेश के हक में फैसला आया। निर्देश पर अमल के लिए बुधवार को कोर्टकर्मी व पुलिस भूमि पर पहुंचे, मगर प्रमोद सिंह ने मापी कराने से इंकार कर दिया। उन्होंने दावा किया कि मामला हाईकोर्ट में विचाराधीन है और स्टे ऑर्डर प्राप्त है। कोर्टकर्मी ने स्पष्ट किया कि निचली अदालत को कोई स्टे ऑर्डर नहीं मिला है। उन्होंने कहा, ₹मैं कोर्ट को पूरी रिपोर्ट सौंपूंगा।₹ वेंकटेश नारायण ने आरोप लगाया कि उनके साथ जबरदस्ती की जा रही है। कोर्टकर्मी रिपोर्ट सौंपेंगे, जिसके बाद आगे की कार्रवाई तय होगी।

अखिल भारतीय स्टील मेडिकल ऑफिसर्स कॉन्फ्रेंस में बोकारो इस्पात संयंत्र के चिकित्सकों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

बिभा संवाददाता

बोकारो। विगत दिनों दुर्गापुर में आयोजित 45वें अखिल भारतीय स्टील मेडिकल ऑफिसर्स कॉन्फ्रेंस (AISMOC) में बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) के चिकित्सकों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए अनेक पुरस्कार अपने नाम किए. इस प्रतिष्ठित सम्मेलन में सेल (SAIL) की सभी इकाइयों सहित टाटा स्टील एवं देश के अन्य प्रमुख इस्पात संयंत्रों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया था. बीएसएल के कुल 9 चिकित्सकों ने अधिशासी निदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा) डॉ. बी. बी. करुणामय के मार्गदर्शन तथा एआईएमएमओसी कमेटी के अध्यक्ष मुख्य महाप्रबंधक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा) डॉ. आर. के. गौतम के नेतृत्व में अपनी प्रस्तुतियाँ दीं.

विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए डॉ. तृप्ति चंद्रा ने टोटल क्वालिटी मैनेजमेंट श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, डॉ. रजनीश कुमार ने ओएचएस श्रेणी में औद्योगिक श्रमिकों पर कोलटार के प्रभावों पर अपनी प्रस्तुति के लिए 'बेस्ट स्पीकर' का खिताब जीता. लॉन्ग पेपर श्रेणी में डॉ. दीप्ति प्रभा एक्का ने रेटिनल नर्व फाइबर लेयर पर तंबाकू के प्रभाव विषय पर द्वितीय स्थान हासिल किया. इसके अतिरिक्त, डॉ. शमा परवीन एवं डॉ. आकाश कांत ने क्रमशः पीजी शॉर्ट पेपर और एमबीबीएस पेपर श्रेणी में तृतीय स्थान प्राप्त किया, जबकि मेडिक्विज प्रतियोगिता में डॉ. संतोष चौबे और डॉ. मोहित कुमार की जोड़ी भी तृतीय स्थान पर रही. इस सफलता में मुख्य महाप्रबंधक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा) डॉ. आनंद कुमार, डॉ. अनिंदो मंडल तथा डॉ. इंद्रनील चौधरी का महत्वपूर्ण तकनीकी मार्गदर्शन रहा.

उपलब्धि की इसी कड़ी में, एआईएसएमओसी पुरस्कार विजेताओं ने दिनांक 25.02.2026 को बीएसएल के निदेशक प्रभारी श्री प्रिय रंजन से मुलाकात कर अपने अनुभव साझा किए. इस अवसर पर अधिशासी निदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा) डॉ. बी. बी. करुणामय की उपस्थिति में निदेशक प्रभारी ने सभी विजयी प्रतिभागियों को बधाई दी. उन्होंने चिकित्सकों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें आगामी सम्मेलनों में और भी बेहतर प्रदर्शन करने तथा चिकित्सा क्षेत्र में निरंतर नवाचार के लिए प्रेरित किया.

यह उपलब्धि स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में बीएसएल की प्रतिबद्धता और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा पद्धतियों को अपनाने के संकल्प को दर्शाती है. बीएसएल प्रबंधन अपने चिकित्सा अधिकारियों की शैक्षिक एवं पेशेवर प्रगति के लिए निरंतर प्रयासरत है, ताकि संयंत्र कर्मियों और क्षेत्र की जनता को सर्वोत्तम स्वास्थ्य सुविधाएँ सुनिश्चित की जा सके.

राष्ट्रीय वैज्ञानिक अभिरुचि एवं प्रवृत्ति मूल्यांकन परीक्षा में डीपीएस बोकारो के चार विद्यार्थी बने स्टेट टॉपर

बिभा संवाददाता

बोकारो। दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो के विद्यार्थियों ने एक बार पुनः अपनी मेधाविता एवं वैज्ञानिक प्रतिभा का लोहा मनवाया है। नॉलेज एंड अवेयरनेस मैपिंग प्लेटफॉर्म (केएएमपी) की ओर से आयोजित राष्ट्रीय वैज्ञानिक अभिरुचि एवं प्रवृत्ति मूल्यांकन परीक्षा (एनएएसटीए) में लगातार चौथे साल डीपीएस बोकारो का दबदबा झारखंड में बरकरार रहा। केवल राज्य ही नहीं, राष्ट्रीय स्तर पर मूल्यांकित टॉपरों में इस विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने औसतन सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज किया और यह उपलब्धि अर्जित करने वाला डीपीएस बोकारो झारखंड का एकमात्र विद्यालय बना। देशभर के सीबीएसई अचीवर्स में कुल 15 स्टेट टॉपर चुने गए, जिनमें चार डीपीएस बोकारो के विद्यार्थी रहे। वहीं, आठ डिस्ट्रिक्ट अचीवर्स में आधे इसी स्कूल के बच्चे रहे। इनके अलावा पांच विद्यार्थी क्लास अचीवर्स की फेहरिस्त में शामिल रहे। इस प्रकार, कुल 13 विद्यार्थियों ने शानदार कामयाबी दर्ज की। बुधवार को विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने इस बेहतरीन परिणाम पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

'ए प्लस' ग्रेडिंग के साथ मिले उत्कृष्टता प्रमाण-पत्र

नेशनल असेसमेंट फॉर साइंटिफिक टेम्परामेंट एंड एप्टीट्यूड (एनएएसटीए) - 2025 के कक्षावार स्टेट टॉपरों में विद्यालय की आठवीं कक्षा के छात्र प्रत्यूष कुमार, सातवीं के सात्विक रूपम द्विवेदी, छठी कक्षा के अनिकेत सिंह और पांचवीं के विद्यार्थी दीप्तांशु कुमार के नाम शामिल हैं। इन सभी को ए प्लस ग्रेडिंग के साथ सर्टिफिकेट ऑफ स्टेट एक्सीलेंस प्रदान किए गए हैं। वहीं, डिस्ट्रिक्ट टॉपर्स में शामिल कक्षा 6 के अक्षत स्पर्श, आठवीं के आलोक कुशवाहा, पांचवीं के दिव्यांशी राज और कक्षा 7 के सजग सूर्यांश पांडेय को उत्कृष्टता प्रमाण पत्र के साथ-साथ ए प्लस की ग्रेडिंग भी दी गई है। इसके अलावा, अपनी कक्षाओं में ओम प्रकाश पात्रा, प्रत्यूष ठाकुर, अभिराज सिंह, ईशान स्नेही और अभिरूप अव्वल रहे। स्टेट टॉपरों को निकट भविष्य में नई दिल्ली बुलाकर सम्मानित किया जाएगा। विगत 05 दिसंबर 2025 को आयोजित उक्त परीक्षा में देशभर से विभिन्न स्कूलों के कक्षा 3 से 12 तक के लाखों विद्यार्थियों ने भाग लिया था। इसका परिणाम कुछ दिन पूर्व ही जारी किया गया।

भारत को वैश्विक नेतृत्वकर्ता बनाना है उद्देश्य : डॉ. गंगवार

एनएएसटीए में लगातार चौथे साल शानदार प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार ने नेशनल व स्टेट टॉपरों के साथ-साथ सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि डीपीएस बोकारो अपने छात्र-छात्राओं के शैक्षणिक, वैज्ञानिक एवं सर्वांगीण विकास को लेकर कटिबद्ध है। इसी का परिणाम है कि विज्ञान एवं तकनीक से संबंधित विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय परीक्षाओं में यहां के विद्यार्थियों ने न केवल अपने स्कूल, बल्कि अपने शहर और राज्य का नाम भी गौरवान्वित किया है। उन्होंने बताया कि केएएमपी-एनएएसटीए का उद्देश्य विद्यार्थियों के वैज्ञानिक एवं तकनीकी स्वभाव की पहचान करते हुए एवं उन्हें संरक्षित कर भारत को विज्ञान, तकनीक एवं मानवता के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्वकर्ता बनाना है। पिछले लगातार चार वर्षों से डीपीएस बोकारो के विद्यार्थी एनएएसटीए में राज्य में अव्वल स्थान प्राप्त करते आ रहे हैं।

वैज्ञानिक प्रतिभा प्रोत्साहित करती है केएएमपी-एनएएसटीए

उल्लेखनीय है कि केएएमपी-एनएएसटीए वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग, भारत सरकार के अंतर्गत सीएसआईआर (काउंसिल फॉर साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च) तथा एनआईएसपीआर (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस कम्युनिकेशन पॉलिसी रिसर्च) की एक महत्वपूर्ण पहल है। एनएएसटीए का उद्देश्य छात्रों में वैज्ञानिक प्रवृत्ति को पहचानना और उसे प्रोत्साहित करना है, जो कि केएएमपी के अर्थपूर्ण शिक्षा और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देने से संबंधित मिशन का हिस्सा है। यह छात्र-छात्राओं के वैज्ञानिक गुणों का मूल्यांकन करता है, जिसमें पहचान, अवलोकन, वर्गीकरण, समस्या समाधान, सटीकता, पूर्वानुमान, आलोचनात्मक सोच और व्याख्या जैसे आठ प्रमुख वैज्ञानिक गुण शामिल हैं।

सीबीएसई : 10वीं के 9369 विद्यार्थियों ने दी विज्ञान की परीक्षा, आसान प्रश्न देख खिल उठे चेहरे

बोकारो। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की चल रहीं परीक्षाओं के क्रम में बुधवार को 10वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए विज्ञान विषय की परीक्षा आयोजित की गई। सीबीएसई के सिटी कोऑर्डिनेटर एवं डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार के अनुसार, बोकारो जिले के सभी 23 परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा पूर्णतया शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं कदाचारमुक्त रही। सभी केंद्रों को मिलाकर कुल 9369 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। कुल पंजीकृत 9438 परीक्षार्थियों में से 69 अनुपस्थित रहे। परीक्षा के बाद सेंटर से बाहर निकले अधिकतर छात्र-छात्राओं ने प्रश्नपत्र को लेकर काफी प्रसन्नता व्यक्त की। ज्यादातर विद्यार्थियों ने प्रश्नपत्र को आसान बताया। विषयों के विशेषज्ञों ने भी कहा कि क्वेश्चन काफी संतुलित थे। विद्यार्थी संतुष्ट रहे। उन्हें साइंस में अच्छे अंक आने से पूरे आसार हैं।

झारखंड विस सत्र: सदन में उठा धनबाद एयरपोर्ट का मुद्दा

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के छठे दिन बुधवार को निरसा विधायक अरूप चटर्जी ने विधानसभा में धनबाद में एयरपोर्ट बनाने का मुद्दा उठाया। विधायक ने कहा कि धनबाद के लोग बार-बार धनबाद में एयरपोर्ट बनाने की मांग करते हैं। अरूप चटर्जी के सवाल पर विधायक मथुरा महतो ने भी साथ दिया और एयरपोर्ट की मांग रखी।

विधायक ने सदन में कहा कि धनबाद में एयरपोर्ट बनाने से सवाल का जवाब सरकार की ओर से आ चुका है, जिसमें कहा गया है कि जमीन की कमी और नजदीक में 50 किलोमीटर की दूरी पर बोकारो एयरपोर्ट का काम प्रगति पर है, इससे धनबाद में पर्याप्त जमीन के अभाव में एयरपोर्ट नहीं बनाया जा सकता है। इसके जवाब में प्रभारी मंत्री दीपक बरुआ ने कहा कि धनबाद में बरवाअड्डा हवाई पट्टी है, जो 37 ए में है। कैटेगरी 1 के लिए 113 एकड़ जमीन की आवश्यकता होती है। जहां एयरपोर्ट है, वहां सघन आबादी का इलाका है। इसलिए इसका विस्तार वहां संभव नहीं है। मंत्री ने बताया कि बोकारो में एयरपोर्ट निर्माण प्रक्रिया जारी है।

सदन में अरूप चटर्जी ने कहा कि धनबाद में जमीन की कमी नहीं है और सरकार की अगर मंशा एयरपोर्ट बनाने की है तो जमीन उपलब्ध हो जाएगा। एफसीआई के पास 4000 एकड़ जमीन है, तोपचांची में 800 एकड़ जमीन है। विधायक ने कहा कि एयरपोर्ट का यदि वहां निर्माण होगा तो इससे जैन और बौद्ध धर्म के लोगों का भी आना-जाना लगा रहेगा और इलाके में व्यापार की भी बढ़ोतरी होगी। झारखंड सरकार से केंद्र ने पूछा था कि धनबाद में क्या एयरपोर्ट होना चाहिए तो सरकार ने अपनी असमर्थता जाहिर की थी।

सरयू राय के सवाल पर मंत्री का जवाब

सदन में विधायक सरयू राय ने मानगो नगर निगम से जुड़ी छह योजनाओं की प्रशासनिक स्वीकृति में कथित देरी को लेकर मामला उठाया। उन्होंने कहा कि नगर विकास विभाग के सचिव को इन योजनाओं की प्रशासनिक स्वीकृति के लिए प्रस्ताव भेजा गया था। उन्होंने पूछा कि 17 फरवरी को जिला योजना चयन समिति की बैठक में चयनित इन योजनाओं को मुख्य अभियंता, तकनीकी कोषांग की ओर से तकनीकी स्वीकृति मिली है या नहीं। यह भी सवाल उठाया कि जब इन योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए मानगो नगर निगम के पास नागरिक सुविधा मद में पर्याप्त राशि उपलब्ध है और राज्य सरकार पर कोई अतिरिक्त वित्तीय भार नहीं पड़ना है, तो फिर प्रशासनिक स्वीकृति में देरी क्यों हो रही है।

इस पर मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने जवाब दिया कि योजनाओं की स्वीकृति पूर्व में दे दी गई है और विभाग की ओर से इस संबंध में औपचारिक पत्र भी जारी कर दिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्वीकृति की प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है।

अवैध खनन से मौत का मामला

झरिया विधानसभा क्षेत्र में अवैध खनन के दौरान एक दर्दनाक घटना सामने आई है। इस घटना को लेकर विधानसभा में आवाज उठाई गई। विधायक रागिनी सिंह ने सदन में अर्जेंट सूचना के माध्यम से सरकार का ध्यान इस मामले की ओर दिलाया।

विधायक ने बताया कि 23 तारीख को झरिया क्षेत्र में अवैध खनन की गतिविधियों के बीच एक मासूम बच्चा सो रहा था। इसी दौरान उसे रौंद दिया गया, जिससे उसकी मौत हो गई। उन्होंने कहा कि यह घटना बेहद दुखद और दिल दहलाने वाली है।

रागिनी सिंह ने यह भी कहा कि यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले अक्टूबर में इसी तरह का हादसा हुआ था। अब देव फार्मा के पास दोबारा ऐसी घटना होने से लोगों में डर और गुस्सा है। उन्होंने कहा कि झरिया में अवैध खनन के कारण लगातार हादसे हो रहे हैं। सदन के माध्यम से उन्होंने सरकार से पूछा कि इन घटनाओं पर प्रशासन क्या कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने अवैध खनन पर रोक लगाने और जिम्मेदार लोगों पर सख्त कार्रवाई की मांग की।

मतगणना की तैयारियों को लेकर संयुक्त ब्रीफिंग आयोजित

बिभा संवाददाता

रांची : जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्तमंजूनाथ भजन्त्री के निर्देश पर उप विकास आयुक्त सौरभ कुमार भुवनिया की अध्यक्षता में बुधवार को ट्रांसपोर्ट नगर रिंग रोड स्थित बज्रगृह स्थल पर एक महत्वपूर्ण संयुक्त ब्रीफिंग बैठक आयोजित की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य दिनांक 27 फरवरी 2026 को राँची नगर निगम एवं बुंडू नगर पंचायत हेतु मतगणना कार्य को सुव्यवस्थित, पारदर्शी, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना है।

ब्रीफिंग के दौरान मतगणना में प्रतिनियुक्त होने वाले पुलिस पदाधिकारियों एवं दंडाधिकारियों को मतगणना प्रक्रिया से संबंधित विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए। इनमें सुरक्षा व्यवस्था, मतगणना हॉल में अनुशासन बनाए रखना, अनधिकृत व्यक्तियों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध, बैलट बॉक्सों की सुरक्षित हैंडलिंग, गणना टेबलों पर निगरानी, आपातकालीन स्थिति में त्वरित कार्रवाई तथा राज्य निर्वाचन आयोग के सभी दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने जैसे महत्वपूर्ण बिंदु शामिल थे।

श्री सौरभ भुवनिया ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि नगरपालिका (आम) निर्वाचन-2026 के मतगणना चरण को पूर्ण पारदर्शिता एवं शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से अपील की कि वे अपनी जिम्मेदारियों का पूर्ण निष्ठा एवं सजगता के साथ निर्वहन करें।

इस महत्वपूर्ण बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी सदर कुमार रजत, अनुमंडल पदाधिकारी बुंडू किस्टो कुमार बेसरा, पंचायती राज पदाधिकारी राजेश कुमार साहू, जिला खेल पदाधिकारी, राँची झ शिवेंद्र कुमार सिंह एवं मतगणना से जुड़े अन्य सभी संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

ट्रांसपोर्ट नगर स्थित बज्रगृह मतगणना स्थल पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ जैसे सुरक्षा घेरा, प्रकाश, पेयजल, बैठने की व्यवस्था एवं अन्य लॉजिस्टिक तैयारियाँ पूरी कर ली गई है । जिला प्रशासन द्वारा मतगणना को सफल बनाने हेतु निरंतर समन्वय एवं निरीक्षण किया जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

एसीबी ने बड़गाईं अंचल के वर्तमान और पूर्व सीओ सहित 10 को भेजा नोटिस

रांची(बिभा)। राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) की जमीन पर अवैध कब्जा और फर्जी खरीद-बिक्री के मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बड़ी कार्रवाई की है। अधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि एसीबी ने बड़गाईं अंचल कार्यालय के वर्तमान और तत्कालीन अंचल अधिकारी (सीओ), अंचल कर्मियों, स्थानीय अमीन, राजस्व कर्मचारियों और कथित जमीन दलालों सहित कुल 10 लोगों को नोटिस जारी कर पूछताछ के लिए तलब किया है। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले झारखंड उच्च न्यायालय के आदेश के बाद रिम्स जमीन बिक्री मामले की जांच एसीबी को सौंपी गई थी। इसी क्रम में जांच तेज करते हुए यह कार्रवाई की गई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि वर्ष 1993 के बाद अधिग्रहित जमीन पर अवैध कब्जा और गलत तरीके से रजिस्ट्री किए जाने के प्रमाण मिले हैं। रिकॉर्ड उपलब्ध होने के बावजूद दाखिल-खारिज और निबंधन की प्रक्रिया में गंभीर लापरवाही और संभावित मिलीभगत की बात भी जांच में उजागर हुई है। एसीबी सूत्रों के अनुसार, अब तक मिले दस्तावेजों और दर्ज बयानों के आधार पर संबंधित लोगों की भूमिका चिन्हित की जा रही है। आरोप है कि संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों की मिलीभगत से रिम्स की अधिग्रहित जमीन का म्यूटेशन और रजिस्ट्री निजी व्यक्तियों के नाम कर दी गई। जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अभिनंदन ट्रस्ट झारखंड में लोगों के विकास के लिए अग्रसर

रांची(बिभा) : अभिनंदन ट्रस्ट एक सामाजिक संगठन है जो झारखंड (रांची) सहित पूरे भारत में सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए काम कर रहा है, खासकर कन्या विवाह उपहार योजना, आवास योजना, वृद्ध सेवा, हेल्थ चेक-अप और रोजगार सृजन जैसी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से, लोगों को सशक्त बनाना और समाज में सकारात्मक बदलाव लाना इनका लक्ष्य है। यह बातें प्रेस कॉन्फ्रेंस में अभिनंदन ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉक्टर विवेकानंद कुमार ने कहीं। उन्होंने कहा की रांची में इनका एक स्टेट ऑफिस भी खुला है, जो झारखंड, ओडिशा और छत्तीसगढ़ को संभालेगा और विकास कार्यों पर केंद्रित है। अभिनंदन ट्रस्ट 12 सूत्री योजना लेकर देश और झारखंड में विकास का लगातार प्रयास कर रहा है। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बॉलीवुड एक्टर्स शाहबाज खान ने बताया कि अभिनंदन ट्रस्ट समाज के लिए बेहतर काम कर रही है। अभिनंदन ट्रस्ट ने जो जिम्मेवारी समाज के लिए उठाया है यह काबिले तारीफ है। मैं उनके कार्यों से काफी प्रभावित हूं। शाहबाज खान ने कहा कि रांची एक खूबसूरत शहर है यहां का मौसम काफी खुशनुमा है। रांची आना मेरा सपना था जो अभिनंदन ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ विवेकानंद ने मुझे यहां बुलाकर पूरा कर दिया। अभिनंदन ट्रस्ट द्वारा शुरू किए जाने वाला इलेक्ट्रिक वाहन योजना और हर्बल योजना दोनों का लाभ समाज के लोगों को मिलेगा। प्रेस वार्ता में डा विवेकानंद, जितेंद्र सिंह, डॉक्टर एसके वर्मा मौजूद थे।

ओएमएसएस के तहत टूटे चावल की नीलामी में अब किसी भी राज्य का बोलीदाता हिस्सा ले सकते हैं

रांची(बिभा) : भारतीय खाय निगम (एफसीआई) द्वारा ओपन मार्केट सेल स्कीम [ओएमएसएस (डी)] के अंतर्गत पंजाब, हरियाणा और आंध्र प्रदेश में हो रही टूटे चावल की नीलामी में अब किसी भी राज्य का बोलीदाता इस में हिस्सा ले सकता है। पंजीकृत खरीदार मेसर्स एम जंक्शन सर्विसेज लि. द्वारा प्रदान किए गए लॉगिन आईडी और पासवर्ड का उपयोग कर ई-नीलामी में भाग ले सकते हैं। रुचि रखने वाले बोलीदाता मेसर्स एम जंक्शन सर्विसेज लि. के हेल्पडेस्क नंबर 1800-102-7136 पर संपर्क कर सकते हैं या http://www.valuejunction.in/fci वेबसाइट पर जाकर पंजीकरण कर ई-नीलामी में भाग ले सकते हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के पोते के आकस्मिक निधन पर प्रदेश भाजपा ने जताया शोक

रांची(बिभा)। प्रदेश भाजपा ने राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के पोते वीर सोरेन के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। प्रदेश अध्यक्ष और सांसद आदित्य साहू ने कहा कि यह घटना हृदय विदारक है और परिवार के लिए वज्रपात के जैसा है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। साहू ने कहा कि ईश्वर इस दुख की बेला में सभी परिजनों, बंधु बांधवों को धैर्य और साहस प्रदान करें। वहीं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने भी घटना गहरी संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि यह असह्य पीड़ा है,परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शान्ति प्रदान करें और परिवार को दुख सहने की ताकत दें। शोक व्यक्त करते हुए प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, सहित प्रदेश के नेताओं ने आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

विद्यार्थी ज्ञान और कौशल का उपयोग राष्ट्र एवं समाज के कल्याण में करें : राज्यपाल

बिभा संवाददाता

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों के कठिन परिश्रम, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है।

उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह केवल शैक्षणिक यात्रा का समापन नहीं बल्कि एक नई जीवन-यात्रा का शुभारंभ है। शिक्षा का उद्देश्य मात्र डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण, नैतिक मूल्यों का विकास और समाज के प्रति उत्तरदायित्व की भावना को सशक्त करना है। राज्यपाल बुधवार को रांची के राय विश्वविद्यालय के छठे दीक्षांत समारोह के अवसर पर उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान कि वे अपने ज्ञान एवं कौशल का उपयोग राष्ट्र एवं समाज के कल्याण में करें। राज्यपाल ने कहा कि आज हमारा देश नए आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास का मंत्र देश को नई दिशा दे रहा है। विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और डिजिटल इंडिया जैसे नवाचार-आधारित अभियानों ने युवाओं को रोजगार खोजने वाला नहीं, बल्कि रोजगार सृजक बनने की प्रेरणा दी है। राज्यपाल ने कहा कि वर्तमान समय में विश्व तीव्र परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, जहाँ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डिजिटल तकनीक, हरित ऊर्जा और नवाचार जैसे क्षेत्र नए अवसर प्रदान कर रहे हैं।

उन्होंने नई दिल्ली में आयोजित वैश्विक एआई सम्मेलन का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत तकनीकी नेतृत्व की दिशा में सशक्त रूप से आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में आपकी बेहतर एवं अनुकूल क्षमता, निरंतर सीखने की प्रवृत्ति और रचनात्मक सोच आपकी सबसे बड़ी शक्ति होगी।

राज्यपाल ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे केवल पेशेवर सफलता तक सीमित न रहें, बल्कि ईमानदारी, करुणा, समर्पण और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे मूल्यों को अपने जीवन में आत्मसात करें। उन्होंने कहा कि प्रतिष्ठा पद से नहीं, बल्कि कर्म और चरित्र से प्राप्त होती है।

राज्यपाल ने कहा कि झारखंड केवल प्राकृतिक संसाधनों की भूमि नहीं है, बल्कि यह संघर्ष, संस्कृति और संभावनाओं की धरती है। यदि राज्य के युवा अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग समाज एवं राज्य के विकास में करेंगे, तो झारखंड देश के अग्रणी राज्यों में स्थान प्राप्त कर सकता है। शिक्षा का वास्तविक मूल्य तभी है जब वह समाज के अंतिम व्यक्ति तक सकारात्मक परिवर्तन पहुंचा सके।

राज्यपाल ने कहा कि राज्य की उच्च शिक्षा को बेहतर एवं गुणात्मक बनाने के लिए वे निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने इच्छा व्यक्त की कि राज्य के विश्वविद्यालयों की गणना राष्ट्रीय स्तर के उत्कृष्ट विश्वविद्यालयों में हों। निजी विश्वविद्यालयों की भूमिका भी इसमें अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने गुणवत्ता, अनुसंधान, नवाचार और नैतिक मूल्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर बल दिया और कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा उसके विद्यार्थियों की उपलब्धियों और समाज में उनके योगदान से निर्मित होती है।

खनिज संसाधनों की प्रोसेसिंग से ही विकास संभव : जयराम

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा में बजट पर चर्चा के दौरान बुधवार को विधायक जयराम महतो ने कहा कि खनिज संपदा से भरपूर होने के बावजूद झारखंड में धरातल पर अपेक्षित विकास कार्य नजर नहीं आता है। उन्होंने कहा कि राज्य की खनिज संपदा से अन्य राज्यों का राजस्व बढ़ रहा है, जबकि झारखंड लौह अयस्क, अभ्रक सहित अन्य खनिजों का केवल कच्चा उत्पादन कर बाहर भेज देता है।

उन्होंने कहा कि यदि राज्य में ही रॉ मैटेरियल की प्रोसेसिंग की व्यवस्था होती तो राजस्व में अधिक वृद्धि होती और रोजगार के व्यापक अवसर भी सृजित होते।

उन्होंने कहा कि उत्पाद बाहर जाने से राजस्व की क्षति हो रही है और स्थानीय बेरोजगारी बढ़ रही है। यहां प्रोसेसिंग प्लांट स्थापित कर लौह अयस्क से स्टील सहित अन्य उत्पाद बनाए जा सकते हैं। उन्होंने ग्रामीण विकास विभाग के बजट में सकारात्मक प्रावधानों की सराहना की, लेकिन कहा कि अन्य क्षेत्रों पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है।

नेतरहाट की तर्ज पर रांची में आवासीय विद्यालय की घोषणा अब तक धरातल पर नहीं उतरने पर उन्होंने निराशा जताई।

उन्होंने कहा कि बजट केवल आंकड़ों का दस्तावेज नहीं, बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था का विजन होना चाहिए। कृषि को उद्योग से जोड़ना, प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित करना और युवाओं को तकनीकी रूप से दक्ष बनाना समय की मांग है। झारखंड को मैन्युफैक्चरिंग पावर हाउस बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे।

सेंट्रल यूनिवर्सिटी में दूसरे दिन भी सीबीआई की दबिश, खंगाली जा रही फाइलें

रांची। रांची स्थित सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड में कथित वित्तीय अनियमितताओं, नियुक्तियों में गड़बड़ी और टेंडर प्रक्रिया में अनियमितता के मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की कार्रवाई लगातार दूसरे दिन बुधवार को भी जारी रही। सीबीआई की टीम एक बार फिर चेरी मनातू स्थित विश्वविद्यालय परिसर पहुंची और विभिन्न विभागों की अहम फाइलों की गहन जांच की। सूत्रों के अनुसार, जांच एजेंसी ने खरीदारी से जुड़े दस्तावेज, निर्माण कार्यों के टेंडर रिकॉर्ड और नियुक्ति प्रक्रिया से संबंधित कागजातों को खंगाला। मंगलवार को हुई छानबीन के दौरान 100 से अधिक फाइलें जब्त की गई थीं, जिनकी अब विस्तार से पड़ताल की जा रही है। बताया जा रहा है कि जांच के दौरान कई दस्तावेज एजेंसी के हाथ लगे हैं, जिनसे मामले में नई कड़ियां जुड़ सकती हैं। सीबीआई की टीम विश्वविद्यालय से जुड़े अधिकारियों और कर्मियों से भी लगातार पूछताछ कर रही है।

सीए अनीश जैन दी इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया के बने चेयरमैन

बिभा संवाददाता

रांची : दी इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया, रांची शाखा के पदाधिकारियों का वर्ष 2026-27 के लिए चुनाव संपन्न हुआ, जिसमे सीए अनीश जैन को रांची शाखा का चेयरमैन, सीए विवेक खोवाल को उपाध्यक्ष, सीए दिलीप कुमार को सचिव, सीए हरेन्दर भारती को कोषाध्यक्ष सह अध्यक्ष -सीए स्टूडेंट्स एसोसिएशन, सीए भुवनेश कुमार ठाकुर को सी पी इ कमिटी का अध्यक्ष निर्विरोध चुने गए `सीए निशांत मोदी कार्यकारिणी सदस्य है ! यह चुनाव आज इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की राँची शाखा की कार्यकारिणी सदस्यों की मीटिंग में रांची शाखा के निवर्तमान चेयरमैन सीए अभिषेक केडिया की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

34 वर्षीय सीए अनीश जैन दी इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की एक महत्वपूर्ण रांची शाखा के चेयरमैन के रूप में इस महत्वपूर्ण पद पर आसीन होने वाले 33वें सदस्य हैं। इससे पूर्व वे रांची शाखा के उपाध्यक्ष के रूप में अपनी महत्वपूर्ण सेवायें दे चुके है और रांची शाखा के द्वारा आयोजित विभिन्न महत्वपूर्ण सेमिनार/ कांफ्रेंस और सामाजिक कार्यों में अपना उल्लेखनीय योगदान दिया है। सीए अनीश जैन ने 2014 में चार्टर्ड एकाउंटेंट्स उत्तीर्ण कर रांची में अपना प्रैक्टिसिंग फर्म स्थापित किया है।

इंस्टिट्यूट के रांची शाखा के बहुत से चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ने सीए अनीश जैन और सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई दी है, और साथ ही भरोसा जताया है कि उनके कार्यकाल में इंस्टिट्यूट कि रांची शाखा नई उचाइयों पर पहुंचेगा। इस अवसर पर नवनियुक्त अध्यक्ष सीए अनीश जैन ने इस प्रतिष्ठित पद के लिए समर्थन देने के लिए सभी कार्यकारिणी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किये ।

स्वास्थ्य योजनाओं की समीक्षा, सहियाओं को एकमुश्त 24 हजार के भुगतान का निर्देश

26 फरवरी तक सभी लंबित बिल ट्रेजरी भेजें: अपर मुख्य सचिव

बिभा संवाददाता

रांची : स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री अजय कुमार सिंह ने बुधवार को अपने कार्यालय कक्ष से राज्य के सभी सिविल सर्जनों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस कर विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में एनएचएम के अभियान निदेशक श्री शशि प्रकाश झा, डीआईसी डॉ. सिद्धार्थ सान्याल, अपर सचिव श्री विद्यानंद शर्मा पंकज, संयुक्त सचिव श्री ललित मोहन शुक्ल के साथ विभाग के अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

बैठक के दौरान एनएचएम के अंतर्गत एसएनए स्पर्श की समीक्षा की गई। साथ ही पीएम-अभिम, 15वां वित्त आयोग एवं मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी उपचार योजना की विस्तार से समीक्षा की गई। एनएचएम के अभियान निदेशक ने सिविल सर्जनों से पूछा कि एसएनए स्पर्श के अंतर्गत कितने बिल ट्रेजरी में भेजे गए, कितने पारित हुए तथा शेष बिल कब तक भेजे जाएंगे। इस पर अपर मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि सभी लंबित बिल 26 फरवरी तक अनिवार्य रूप से ट्रेजरी में भेज दिए जाएं। आवश्यकता पड़ने पर कैंप लगाकर कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया गया।

अपर मुख्य सचिव ने सहियाओं को 24,000 की दर से एकमुश्त राशि भेजे जाने की जानकारी देते हुए सभी जिलों को निर्देश दिया कि तत्काल भुगतान सुनिश्चित किया जाए। साथ ही यह भी निर्देश दिया गया कि अब सभी सिविल सर्जन विभाग के डीआईसी से ही अवकाश स्वीकृत कराएंगे, ताकि विभाग को सिविल सर्जन के अवकाश पर जाने की जानकारी रहे।

बैठक में आवंटन एवं व्यय की स्थिति पर विशेष जोर देते हुए कहा गया कि जितनी राशि आवंटित हुई है, उसके अनुरूप व्यय एवं ट्रेजरी में लंबित राशि का समुचित मिलान हो। हेल्थ सब सेंटरों के कार्यों तथा पुराने स्वास्थ्य केंद्रों को आयुष्मान आरोग्य मंदिर में परिवर्तित करने हेतु दिए गए फंड की भी समीक्षा की गई। 14 प्रकार की जांच के लिए मशीन एवं उपभोग्य सामग्रियों की खरीद की स्थिति की जानकारी ली गई। अपर सचिव श्री विद्यानंद शर्मा पंकज ने पीएम-अभिम, 15वें वित्त आयोग एवं मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी उपचार योजना के अंतर्गत उपलब्ध राशि, व्यय एवं शेष राशि की समीक्षा करते हुए लंबित विपत्रों के शीघ्र भुगतान का निर्देश दिया। अपर मुख्य सचिव ने सभी सिविल सर्जनों को उपायुक्त के साथ बैठक कर व्यय की समीक्षा करने तथा लंबित मुद्दों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक के अंत में मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी उपचार योजना के तहत मरीजों को दिए जा रहे उपचार की स्थिति पर भी चर्चा की गई।

चाकूबाजी मामले में एक हिरासत में

बिभा संवाददाता

रांची। राजधानी के लोअर बाजार थाना इलाके में बीती रात हुए चाकूबाजी मामले में पुलिस एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस ने जिस व्यक्ति को हिरासत में लिया है, उसका नाम साहिल बताया जा रहा है। दुकान लगाने को लेकर दो गुटों में विवाद के दौरान चाकूबाजी की घटना हुई है।

बताया जाता है कि मंगलवार की शाम में ईद की दुकान लगाने को लेकर दो गुटों में विवाद हुआ था। हालांकि उस समय स्थानीय लोगों ने समझा-बुझाकर मामला शांत करा दिया था। इसके बाद देर रात दोनों गुटों में फिर से विवाद हुआ। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों गुटों में चाकूबाजी हो गई।

चाकूबाजी की इस घटना में इस घटना में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं दो लोगों को हल्की चोटें आईं हैं। घायल युवकों का नाम मोहम्मद फैबीन, मोहम्मद रियान और मोहम्मद इरफान है। सभी कर्बला इलाके के रहने वाले हैं। चाकूबाजी का आरोप मोहम्मद अयान और उसके साथियों पर लगा है।

इस संबंध में सिटी डीएसपी केवी रमण ने बुधवार को बताया कि रात में चाकूबाजी की घटना होने की सूचना पर घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जांच की। उन्होंने बताया कि घायल युवक खतरे से बाहर है और मामले की जांच की जा रही है। इस मामले में एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। इसी आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

झारखण्ड राज्य विद्युत नियामक आयोग

प्रथम तल्ला, झारखण्ड राज्य हाउसिंग बोर्ड (पुराना मुख्यालय), हरमू हाउसिंग कॉलोनी, राँची- 834002

सार्वजनिक सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि झारखण्ड बिजली वितरण निगम लिमिटेड ने वर्ष 2024–25 का True-up, वर्ष 2025–26 का Annual Performance Review (APR), वर्ष 2026–27 से वर्ष 2030–31 का ARR (MYT), Business Plan तथा वर्ष 2026–27 का विद्युत वितरण दर निर्धारण करने हेतु आयोग के समक्ष आवेदन दिया है।

विद्युत अधिनियम 2003 के प्रावधानों के अनुसार विद्युत वितरण दर निर्धारण करने के पूर्व उल्लेखित आवेदन पर झारखण्ड राज्य विद्युत नियामक आयोग, राँची के द्वारा जन–सुनवाई निम्नलिखित तिथियों को उनके सामने दर्शाये गए समय एवं स्थानों पर होना सुनिश्चित किया गया है:–

कम्पनी का नाम	जन-सुनवाई की तिथि एवं समय	जन-सुनवाई का स्थान
झारखण्ड बिजली वितरण निगम लिमिटेड (जे.बि.वि.एन.एल.)	27.02.2026 (शुक्रवार) को 03:00 बजे अपराह्न से	सामुदायिक भवन, कोयला नगर, बी.सी.सी.एल., धनबाद
	28.02.2026 (शनिवार) को 03:30 बजे अपराह्न से	आई.एम.ए. हॉल, करमटोली चौक, बरियातू रोड, राँची (प्रेस क्लब के नजदीक)

अतः सभी इच्छुक व्यक्ति/संस्था, उपभोक्ता समूह एवं विज्ञप्तिधारियों को सूचित किया जाता है कि जन–सुनवाई में उपस्थित होकर अपने सुझाव, आपत्तियाँ एवं मंतव्य आयोग के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं।

आदेशानुसार
ह./- सचिव

पैक्स सिलिका में भारत का होना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि

ललित गर्ग

दुर्लभ खनिजों और सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला पर चीन का लगभग 90 प्रतिशत वर्चस्व पिछले कुछ वर्षों से वैश्विक चिंता का विषय बना हुआ है। कंप्यूटर चिप से लेकर रक्षा प्रणालियों और अंतरिक्ष तकनीक तक, हर क्षेत्र इन संसाधनों पर निर्भर है। इस पृष्ठभूमि में पैक्स सिलिका जैसे मंच की परिकल्पना एक संतुलित, विश्वसनीय और बहु-ध्रुवीय तकनीकी ढांचे के रूप में की गई है। भारत का इस समूह में शामिल होना केवल प्रतीकात्मक कदम नहीं, बल्कि रणनीतिक और अनिवार्य निर्णय है।

इक्कीसवीं सदी का यह दौर कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर और तकनीकी आपूर्ति शृंकखलाओं की वैश्विक प्रतिस्पर्धा का दौर बन चुका है। ऐसे समय में भारत द्वारा एआई शिखर सम्मेलन का सफल आयोजन और उसके तुरंत बाद अमेरिका के नेतृत्व वाले समूह पैक्स सिलिका से औपचारिक रूप से जुड़ना केवल एक कूटनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि एक दूरदर्शी और रणनीतिक कदम है। यह उस नए भारत की घोषणा है जो तकनीकी शक्ति, नैतिक दृष्टि और वैश्विक संतुलन-तीनों को साथ लेकर चलने का सामर्थ्य अर्जित कर रहा है। एआई समिट के माध्यम से भारत ने स्पष्ट संकेत दिया है कि वह अब केवल तकनीक का उपभोक्ता राष्ट्र नहीं, बल्कि निमार्ता और मार्गदर्शक की भूमिका निभाने के लिए तैयार है। दुनिया की तीसरी बड़ी एआई शक्ति बनने की दिशा में यह एक ठोस चरणन्यास है।

दुर्लभ खनिजों और सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला पर चीन का लगभग 90 प्रतिशत वर्चस्व पिछले कुछ वर्षों से वैश्विक चिंता का विषय बना हुआ है। कंप्यूटर चिप से लेकर रक्षा प्रणालियों और अंतरिक्ष तकनीक तक, हर क्षेत्र इन संसाधनों पर निर्भर है। इस पृष्ठभूमि में पैक्स सिलिका जैसे मंच की परिकल्पना एक संतुलित, विश्वसनीय और बहु-ध्रुवीय तकनीकी ढांचे के रूप में की गई है। भारत का इस समूह में शामिल होना केवल प्रतीकात्मक कदम नहीं, बल्कि रणनीतिक और अनिवार्य निर्णय है। भारत की इंजीनियरिंग क्षमता, विशाल युवा प्रतिभा और उभरता हुआ सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम इस गठबंधन को नई मजबूती प्रदान करेगा। यह पहल किसी के विरुद्ध आक्रामकता नहीं, बल्कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में संतुलन और विविधता स्थापित करने का प्रयास है। जब शक्ति का केंद्रीकरण टूटता है और साझेदारी का विस्तार होता है, तभी विश्व व्यवस्था स्थिर और संतुलित बनती है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में भारत ने तकनीक को शासन और विकास के केंद्र में स्थापित किया है। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया और सेमीकंडक्टर मिशन जैसी पहलों ने एक मजबूत आधार तैयार किया है। भारत का डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर आज दुनिया के लिए एक मॉडल बन चुका है। आधार, यूपीआई और डिजिटल सेवाओं ने करोड़ों लोगों को आर्थिक मुख्यधारा से जोड़ा है। इसी आधार पर एआई और चिप निर्माण के क्षेत्र में महत्वाकांक्षी कदम उठाए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री की सक्रियता और वैश्विक मंचों पर भारत की प्रभावी उपस्थिति ने देश को एक विश्वसनीय तकनीकी साझेदार के रूप में स्थापित किया है। उनका दृष्टिकोण केवल आर्थिक लाभ तक सीमित नहीं है, बल्कि तकनीकी आत्मनिर्भरता को वैश्विक सहयोग के साथ जोड़ने का है।

भारत में चिप डिजाइन, निर्माण और एआई अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए बड़े निवेश आकर्षित किए जा रहे हैं। वैश्विक कंपनियाँ भारत को स्थिर लोकतंत्र, कुशल मानव संसाधन और दीर्घकालिक नीति स्थिरता वाले देश के रूप में देख रही हैं। पैक्स सिलिका जैसे अंतरराष्ट्रीय ढांचे का हिस्सा बनने से भारत को तकनीकी सहयोग, संयुक्त अनुसंधान, पूंजी निवेश और आपूर्ति श्रृंखला विविधीकरण में व्यापक लाभ मिलेगा। इससे न केवल चीन पर निर्भरता कम होगी, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता भी सुदृढ़ होगी। यह भागीदारी भारत को अमेरिका, जापान, दक्षिण कोरिया और यूरोपीय देशों जैसी प्रमुख तकनीकी शक्तियों के साथ और अधिक निकटता से जोड़ेगी, जिससे वैश्विक तकनीकी परिदृश्य में भारत की प्रतिष्ठा निरंतर बढ़ेगी। भारत की विशेषता केवल तकनीकी क्षमता नहीं, बल्कि उसकी सांस्कृतिक और नैतिक दृष्टि भी है। 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना से प्रेरित भारत एआई को मानव-केंद्रित विकास का माध्यम बनाना चाहता है। स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में एआई के उपयोग से व्यापक जनकल्याण सुनिश्चित किया जा सकता है। यदि तकनीक कुछ शक्तियों के हाथों में सिमट जाए तो असंतुलन बढ़ता है, किंतु जब लोकतांत्रिक और समावेशी राष्ट्र इसका नेतृत्व करते हैं तो यह वैश्विक कल्याण का साधन बन सकती है। भारत का प्रयास है कि एआई के नैतिक मानदंड सार्वभौमिक हों और तकनीक का उपयोग हथियार के रूप में नहीं, बल्कि मानव प्रगति के साधन के रूप में हो।

भारत की दृष्टि में कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल तकनीकी प्रगति का उपकरण नहीं, बल्कि मानवीय चेतना के विस्तार का माध्यम है। जिस देश ने विश्व को 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का मंत्र दिया, जिसने करुणा, अहिंसा और सह-अस्तित्व की परंपरा को जीवन-मूल्य के रूप में प्रतिष्ठित किया, वह एआई को भी केवल बाजार और प्रभुत्व की प्रतिस्पर्धा में नहीं, बल्कि मानव कल्याण और वैश्विक संतुलन के संदर्भ में देखता है। भारत की सभ्यता-चेतना, जो महात्मा गांधी की अहिंसा और गौतम बुद्ध की करुणा से अनुप्राणित है, तकनीकी विकास को नैतिक अनुशासन से जोड़ने की प्रेरणा देती है। यहाँ विकास का अर्थ केवल गति नहीं, बल्कि दिशा भी है; केवल क्षमता नहीं, बल्कि संवेदना भी है। यदि कृत्रिम बुद्धिमत्ता को जीवन की समग्रता-प्रकृति, समाज और मानव गरिमा के साथ जोड़ा जाए, तो भारत विश्व संरचना में ऐसा संतुलित मॉडल प्रस्तुत कर सकता है जो तकनीक को विनाश का कारण बनने से रोककर उसे सृजन, समावेशन और मानव उत्कर्ष का सशक्त साधन बना दे।

आज दुनिया दो ध्रुवों के बीच खड़ी दिखाई देती है-एक ओर केंद्रीकृत तकनीकी वर्चस्व, दूसरी ओर साझेदारी और संतुलन का मॉडल। भारत का उभार इस द्वंद्व को संतुलन में बदलने की क्षमता रखता है। भारत न टकराव की राह पर है, न निष्क्रियता कीय वह सक्रिय संतुलन की नीति अपना रहा है। यह संतुलन ही भविष्य की शांतिपूर्ण विश्व व्यवस्था का आधार बन सकता है। पैक्स सिलिका के माध्यम से भारत और उसके सहयोगी एक ऐसी नई दिशा दे सकते हैं जहाँ तकनीकी नवाचार का लाभ वैश्विक दक्षिण तक पहुँचे, आपूर्ति श्रृंखला पारदर्शी हो और वैश्विक शक्ति-संतुलन स्थिर रहे। निस्संदेह, यह समय भारत के लिए ऐतिहासिक है। एआई और सेमीकंडक्टर के इस युग में भारत का यह कदम उसकी आर्थिक और तकनीकी शक्ति को नई ऊँचाइयों पर ले जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उभरती यह तकनीकी और एआई क्रांति न केवल भारत को सशक्त बना रही है, बल्कि विश्व को भी संतुलन और सहयोग की नई राह दिखा रही है। आने वाले वर्षों में यह साझेदारी नई सृष्टि का आधार बन सकती है-एक ऐसी सृष्टि जहाँ तकनीक प्रतिस्पर्धा का नहीं, बल्कि समन्वय और शांति का माध्यम बने। भारत इस दिशा में दृढ़ता से अग्रसर है और विश्व नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए स्वयं को सक्षम बना रहा है।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

आतंक की परिभाषा तो बताओ

भारत आतंकवाद से छिला, जख्मी और असमय मौतों का देश है, लिहाजा आतंकवाद रोधी राष्ट्रीय नीति का स्वागत है। हम 1980 के दशक से बहुस्तरीय, बहुचेहरी आतंकवाद झेलते आए हैं। उसमें पाकपरस्त इस्लामी, जेहादी आतंकवाद है और पूर्वोत्तर के उग्रवाद भी हैं। खालिस्तानी आतंकवाद का सफाया हो चुका है। उसके बचे-खुचे खाडकू पाकिस्तान, कनाडा, अमरीका, जर्मनी आदि देशों में हैं और वे भारत-विरोधी प्रदर्शन करते रहते हैं। देश में नक्सली आतंकवाद ने भी असंख्य लाशें बिछाई हैं, लेकिन आज उसका अस्तित्व भी समाप्ति के कगार पर है। आतंकवाद ने 40-50 हजार जिंदगियां छीनी हैं। दूसरा आंकड़ा 70-80 हजार का है। जो भी हो, ये आंकड़े बेहद भयानक और खौफजदा हैं। यह हमारी सेना, अर्द्धसैन्य बलों और स्थानीय पुलिस की रणनीति का ही कमाल है कि आज भारत में इस्लामी अलगाववाद के अवशेष भी नहीं हैं। जो आतंकी हमले हाल ही में किए गए हैं, वे पाकिस्तानी आतंकियों ने किए हैं। अब जिन साजिशों के सुराग मिल रहे हैं और संदिग्ध आतंकियों की धरपकड़ की जा रही है, वे भी पाकिस्तान के लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मुहम्मद सरीखे आतंकी संगठनों के कथित 'जेहादी' हैं। आज पंजाब और पूर्वोत्तर में आतंकवाद नहीं है, कुछ स्थानीय जातीय हिंसक विवाद जरूर हैं, लेकिन आतंकवाद के हत्यारे खतरे जरूर मंडरा रहे हैं, लिहाजा प्रधानमंत्री मोदी प्रत्येक वैश्विक मंच पर आतंकवाद का जिक्र करते हैं और देशों के साथ समझौते करते हैं कि आतंकवाद एक साझा लड़ाई है। मानवता के लिए साझा खतरा है, आओ मिल कर आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ें। बहरहाल इस संदर्भ में भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने देश की सर्वप्रथम आतंकवाद-रोधी राष्ट्रीय नीति की घोषणा की है। नाम दिया गया है-'प्रहार।' अर्थात् प्रिवेंशन, रिस्पांस एंड हेल्थिंग अप्रोच टू एंटी टेररिज्म। पहली बार डिजिटल खतरे को भी ह्यआतंकवादह्ल माना गया है। इन खतरों में भारत को निशाना बनाते हुए किए गए साइबर हमले, आपराधिक हैकिंग, डार्क वेब, क्रिप्टो वॉलेट आदि नई तकनीकों के जरिए किए जाने वाले आतंकी वित्तपोषण भी शामिल हैं। इनसे निपटने की रणनीति बनाई जा रही है। 'प्रहार' में साफ किया गया है कि भारत आतंकवाद को किसी विशेष संप्रदाय, जातीयता, राष्ट्रीयता अथवा सभ्यता से नहीं जोड़ता। इसका बुनियादी मकसद आतंकवाद के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति को अधिक प्रभावी ढंग से लागू करना है।

कश्मीर से कोलकाता तमिलनाडु तक आतंक के तार

मनोज कुमार अग्रवाल

हाल ही में देश में एक बार फिर बड़ी आतंकी साजिश बेनकाब हुई है. पाकिस्तान आइएसआइ और बांग्लादेश के आतंकी संगठनों की शह पर बड़ी आतंकी साजिश रचने वाले 8 संदिग्धों को कल गिरफ्तार किया गया . उनकी गिरफ्तारी को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। बीते दस दिनों में दिल्ली और कोलकाता के कई इलाकों में 'फ्री कश्मीर' और 'कश्मीर में जनसंहार बंद करो' जैसे पोस्टर लगाने की घटना के बाद शुरू हुई जांच अब एक अंतरराष्ट्रीय आतंकी नेटवर्क तक पहुंच गई है. इस पूरे ऑपरेशन में अब तक कुल 8 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है 6 तमिलनाडु से और 2 पश्चिम बंगाल से हैं। जांच एजेंसियों के अनुसार, पोस्टर लगाने की घटना के बाद संदिग्ध तुरंत दिल्ली और कोलकाता से निकलकर अपने-अपने ठिकानों पर लौट गए थे. इस मामले में सबसे पहले मालदा से दो आरोपियों की गिरफ्तारी हुई, जिनसे पूछताछ और मोबाइल डेटा एनालिसिस के आधार पर तमिलनाडु में सक्रिय मॉड्यूल का पता चला. इसके बाद तिरुप्पुर जिले के उथुकुली (2), पल्लडम (3) और तिरुमुरुगनपूंडी (1) स्थित गारमेंट यूनिट्स पर छापेमारी करते हुए छह और आरोपियों को पकड़ा गया.तमिलनाडु से गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान मिजानुर रहमान, मोहम्मद शबत, उमर, मोहम्मद लितान, मोहम्मद शाहिद और मोहम्मद उज्जल के रूप में हुई है. इनमें से अधिकांश के बारे में पता चला है कि वे बांग्लादेशी नागरिक हैं और भारत में फर्जी आधार कार्ड व नकली पहचान के जरिए रह रहे थे. सभी को पूछताछ के लिए दिल्ली लाया जा रहा है.

जांच में सामने आया है कि इनका सीधा या परोक्ष संबंध पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI और बांग्लादेश के आतंकी संगठनों से था. कुछ संदिग्ध हाल ही में बांग्लादेश भी गए थे, जहां वे सक्रिय आतंकी नेटवर्क के संपर्क में आए.

सुरक्षा एजेंसियों ने कोलकाता में आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा की गहरी पैठ और एक सुनियोजित साजिश का सनसनीखेज खुलासा किया है। खुफिया सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार संदिग्ध आतंकी उमर फारूक ने कोलकाता महानगर को ही अपना मुख्य परिचालन केंद्र बना लिया था और वह लश्कर के एक सक्रिय हैंडलर के तौर पर काम कर रहा था। जांच में यह तथ्य सामने आया है कि उमर का संपर्क मार्च 2025 में कश्मीर निवासीसब्बिर अहमद लोन से हुआ था, जिसके बाद कोलकाता को दहलाने की खतरनाक साजिश की पटकथा लिखी गई। इस नेटवर्क ने सुरक्षा एजेंसियों को चकमा देने के लिए न केवल हिंदू नामों का सहारा लिया, बल्कि शहर के अति-संवेदनशील धार्मिक स्थलों की रेकी कर उनके वीडियो सीमा पार अपने आकाओं को भेजे।खुफिया एजेंसियों के दावे के मुताबिक, हैंडलर सब्बिर के सीधे निर्देश पर उमर ने कोलकाता में एक किराए का मकान लिया था. जिसे साजिश को अंजाम देने के लिए सेफ हाउस के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा था। जांच में सबसे चौंकाने वाला खुलासा यह हुआ है कि आतंकियों के निशाने पर चांदनी चौक इलाके के पास स्थित एक प्रमुख मंदिर था। उमर और उसके साथियों ने अपनी पहचान छिपाकर इस मंदिर की येह ली और उसका विस्तृत वीडियो बनाकर कश्मीर मेंबैठे अपने हैंडलर को भेजा। माजिश का दायरा केवल रेकी तक सीमित नहीं था सुरक्षा बलों को पुख्ता इनपुट मिले हैं कि यह मॉड्यूल शहर में विस्फोटक और आधुनिक हथियार जुटाने की प्रक्रिया भी शुरू कर चुका था। दिसंबर 2024 से ही कोलकाता के विभिन्न हिस्सों में रेकी की जा रही थी और माहौल को अस्थिर करने के लिए देश विरोधी पोस्टर लगाने की भी योजना बनाई गई थी। उमर और उसके गिरोह नैखेची-समझी रणनीति के तहत हिंदू नामों का उपयोग किया ताकि स्थानीय लोगों और पुलिस की

रडार से बचा जा सके। खुफियाअधिकारियों का मानना है कि यदि समय रहते इस मॉड्यूल का पदार्फाश नहीं होता, तो कोलकाता किसी बड़ी आतंकी त्रासदी का गवाह बन सकता था। फिलहाल, सुरक्षा एजेंसियां उम्र से मिली जानकारी के आधार पर इस नेटवर्क की अन्य कड़ियों को

जोड़ने में जुटी है और यह पता लगाया जा रहा है कि महानगर में उन्हें स्थानीय स्तर पर औरकिन लोगों से रसद व अन्य सहायता मिल रही थी।एसटीएफ ने दूसरे के आधार कार्ड पर भारतीय सिम सक्रिय कर उनका ओटीपी पाकिस्तान भेजने बाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। मुर्शिदाबाद के बहारमपुर से पकड़े गए आरोपी का नाम सुमन शेख है। वह पुणे में काम के दौरान पाकिस्तानी हैंडलरों के संपर्क में आया था। जांच में खुलासा हुधा है कि सुमन फर्जी आधार कार्ड के जरिए प्री-एक्टिवेटेड सिम खरीदता और उनके नंबर व व्हाट्सऐप ओटीपी सीमा पार भेज देता था। इसके बदले उसे क्रिप्टोकरेंसी में भुगतान किया जाता था। इन सिम काईस का इस्तेमाल जासूसी या साइबर ठगी के लिए होने की आशंका है। पुलिस सूत्रों के मुताविक, इस नेटवर्क के पीछे पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई का हाथ हो सकता है। आपको पता रहे कि मालदा जिले के मानिकचक थाना अंतर्गत गोपालपुर ग्राम पंचायत के अशिनटोला गांव में उस समय हड़कंप मच गया जब सुरक्षा एजेंसियों ने लश्कर-ए-तैयबा जैसे प्रतिबंधित आतंकी संगठन से जुड़े होने के संदेह में उमर फारूक नामक युवक को गिरफ्तार किया। साठवीं कक्षा तक पढ़े इस युवक की गिरफ्तारी ने न केवल इलाके में सनसनी फैला दी है, बल्कि राज्य में सक्रिय आतंकी मॉड्यूल्स की मौजूदगी को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि, इस पूरे मामले में सबसे अधिक चौंकाने वाली बात उमर फारूक के परिवार के सदस्यों द्वारा दिए गए बयानों में मौजूद भारी विरोधाभास है । उमर फारूक की मां ने अपने बयान में एक और बेटे की नासमझी का तर्क दिया है तो दूसरी और अनजाने में ही सही पर एक गंभीर संलिप्तता की ओर इशारा किया है। उनका कहना है कि उमर पूरी तरह अशिक्षित है और उसे किसी भी संगठन की विचारधारा की समझ नहीं है। मां के अनुसार, संभव है कि पैसों के लालच में आकर उसने कुछ पोस्टर लगाए हों, लेकिन उसे यह बिल्कुल भी पता नहीं था कि वे पोस्टर किसी उग्रवादी संगठन के हैं। उन्होंने दावा किया कि उनका बेटा किसी भी प्रकार की राष्ट्रविरोधी गतिविधि में जानबूझकर शामिल नहीं हो सकता। यहीं दूसरी ओर, उमर की पत्नी ने अपनी सास के दावे को पूरी तरह से खारिज करते हुए अपने पति को बेकसूर और साजिश का शिकार बताया है। पत्नि का कहना है कि उम्र सालों से कोलकाता में मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहा था और उन्होंने कभी भी उसके व्यवहार में कोई संदिग्ध बदलाव या किसी अज्ञात व्यक्ति से उसके संपर्क को नहीं देखा। एजेंसियां फिलहाल उबर के इन अलग-अलग दावों और पारिवारिक विरोधाभासों की बारीकी से जांच कर रही हैं। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि क्या यह कोलकाता में मजदूरी की आड़ में किसी आतंकी मॉड्यूल के लिए स्लीपर सेल के रूप में काम कर रहा था। अधिकारियों का मानना है कि परिवार के बयानों में यह अंतर किसी बड़ी सच्चाई को छिपाने की कोशिश भी हो सकता है। फिलहाल पूछताछ और तकनीकी साक्ष्यों के जरिए यह स्पष्ट करने का प्रयास किया जा रहा है कि उमर की वास्तविक भूमिका क्या थी और वह किन लोगोंके निर्देश पर काम कर रहा था।

दरअसल इन पोस्टर्स का उद्देश्य सोशल नैरेटिव को प्रभावित करना और भारत में अस्थिरता पैदा करना था.जांच एजेंसियां अभी यह पता लगाने में जुटी हैं कि क्या इन आरोपियों का भारत के किसी स्थानीय मॉड्यूल या अन्य संगठनों से भी संपर्क था. शुरूआती इनपुट बताते हैं कि इस नेटवर्क में कुछ और लोग भी शामिल हो सकते हैं, जिनकी तलाश जारी है. फिलहाल 8 संदिग्धों की गिरफ्तारी के साथ सुरक्षा एजेंसियां इसे भारत में सक्रिय एक बड़ी संगठित आतंकी साजिश का महत्वपूर्ण भंडाफोड़ मान रही हैं.वहीं सुरक्षा एजेंसियों को तमिलनाडु और कोलकाता में आतंकी के तार मिलने से हैरत है।

चिंतन-मनन

शरीर तो मंदिर है

आस्तिकता और कर्त्तव्यपरायणता की सद्वृत्ति का प्रभाव सबसे पहले सबसे समीपवर्ती स्वजन पर पड़ना चाहिए। हमारा सबसे निकटवर्ती सम्बन्धी हमारा शरीर हैं। उसके साथ सद्व्यवहार करना, उसे स्वस्थ और सुरक्षित रखना अत्यावश्यक है। शरीर को नर कहकर उसकी उपेक्षा करना अथवा उसे सजाने-संवारने में सारी शक्ति खर्च कर देना, दोनों ही ढंग अकल्याणकारी हैं। शरीर हमारा सदा सहायक सेवक है। वह चौबीसों घंटे सोते-जागते हमारे लिए काम करता रहता है। वह अपनी सामर्थ्य भर आज्ञा पालन के लिए तत्पर रहता है। उसकी पांच ज्ञानेन्द्रियां न केवल ज्ञान वृद्धि का दायित्व उठाती हैं, वरन अपने-अपने ढंग से अनेक रसास्वादन भी कराती रहती हैं। इन विशेषताओं के कारण आत्मा उसकी सेवा-साधना पर मुग्ध हो जाती है और अपना सुख ही नहीं, अस्तित्व तक भूल उसी में रम जाती है। यह घनिष्ठता इतनी सघन हो जाती है कि व्यक्ति आत्मा की सत्ता और आवश्यकता तक भूल जाता है और शरीर को अपना ही आपा मानने लगता है। ऐसे वफादार सेवक को समर्थ, निरोग एवं दीर्घजीवी बनाए रखना प्रत्येक विचारशील का कर्त्तव्य है। चाहते तो सभी ऐसा ही हैं, पर जो रहन-सहन, आहार-विहार अपनाते हैं, वह विधा ऐसी उल्टी पड़ जाती है कि उसके कारण अपने प्रिय पात्र को अपार हानि उठानी पड़ती है और रोता-कलपता, दुर्बलता से ग्रसित होकर व्यक्ति असमय दम तोड़ देता है। स्वस्थ-समर्थ रहना कठिन नहीं है। प्रकृति के संकेतों का अनुसरण करने भर से यह प्रयोजन सिद्ध हो सकता है। प्रकृति के संदेश-संकेतों को जब सृष्टि के सभी जीवधारी मोटी बुद्धि होने पर भी समझ लेते हैं तो कोई कारण नहीं कि मनुष्य जैसा बुद्धिजीवी उन्हें न अपना सके। प्रकृति के स्वास्थ्य रक्षा के नियमों के लिए गुरुगम्य ज्ञान की आवश्यकता नहीं। वे सहज समझे और निबाहे जा सकते हैं। उचित-अनुचित का निर्णय करने वाले यंत्र इसी शरीर में लगे हैं, जो तत्काल बात देते हैं कि क्या करना चाहिए, क्या नहीं। आहार-विहार का ध्यान रखने से स्वास्थ्य रक्षा की समस्या हल हो जाती है। आहार प्रमुख पक्ष है, जिसे स्वास्थ्य अनुशासन का पूर्वार्ध कहा जा कसता है। उत्तरार्ध में विहार आता है, जिसका तात्पर्य है नित्य कर्म, शौच, स्नान, शयन, परिश्रम, संतोष आदि। शरीर रूपी मन्दिर को मनमानी बुरी आदतों के कारण रुग्ण बनाना प्रकृति की दृष्टि में बड़ा अपराध है। उसके फलस्वरूप पीड़ा बेचैनी, अशक्ति, अल्पायु, आर्थिक हानि और तिरस्कार जैसे दंड भोगने पड़ते हैं।

झारखंड में फगुआ : रंग, राग और थोड़ी-सी शरारत का महापर्व

लेखक

डॉ. कमलेश कुमार
वरिष्ठ पत्रकार

(हास्य-व्यंग्य)

झारखंड में फगुआ आते ही मौसम भी समझ जाता है कि अब गंभीर रहने का कोई फायदा नहीं। पेड़ पलाश के फूलों से लाल हो जाते हैं, लोग अबीर से, और नेता लोग अचानक जनता के रंग में रंगे दिखने लगते हैं। गाँव से लेकर शहर तक हर तरफ ऐसा माहौल बनता है मानो पूरे साल की नाराजगी को रंग और पानी में घोलकर बहा देने का सरकारी आदेश जारी हो गया हो।

फगुआ का ऐतिहासिक महत्व तो विद्वान लोग विस्तार से बताते हैं, पर गाँव के बुजुर्ग का सीधा सिद्धांत है, जहाँ मांदर बजे, वहीं इतिहास शुरू। जैसे ही ढोल की थाप पड़ती है, शांत स्वभाव वाले लोग भी ऐसे नाचते हैं जैसे अंदर का कलाकार साल भर से छुट्टी माँग रहा था।

झारखंड में फगुआ का असली सामाजिक महत्व यह है कि इस दिन दुश्मन भी दोस्त बन जाता है, कम से कम तब तक, जब तक रंग सूख न जाए। जो पड़ोसी साल भर नमस्ते का जवाब सिर हिलाकर देते थे, वही फगुआ में गले मिलते हैं और इतना रंग लगा देते हैं कि पहचान पत्र दिखाना पड़े। सामाजिक समरसता का इससे बड़ा उदाहरण क्या होगा!

फगुआ टोली झारखंड की खास पहचान है। टोली निकली नहीं कि समझ लीजिए, घर का दरवाजा, आँगन और बचा-खुचा सम्मान, सब रंगीन होने वाला है। टोली के गवैये ऐसे जोश में फगुआ गीत गाते हैं कि सुर कभी-कभी खुद छुट्टी पर चला जाता है, पर उत्साह डटा रहता है। श्रोता भी समझदार होते हैं, ताली सुर पर नहीं, भावना पर बजती है।

सांस्कृतिक दृष्टि से यह पर्व बड़ा समृद्ध है। लोकगीतों में प्रेम भी है, चुटकी भी है और हल्का-सा सामाजिक व्यंग्य भी। कई गीतों में देवर-भाभी की नोकझोंक, किसान की चिंता, और महँगाई पर तंज सब मिल जाएगा। यह अलग बात है कि गीत में महँगाई को कोसा जाता है और बाद में मिठाई की प्लेट दुबारा भर ली जाती है।

प्राकृतिक रंगों की परंपरा भी बड़ी प्यारी है। बुजुर्ग आज भी कहते हैं कि ह्लफूल पीसो, रंग बनाओ।ह्व नौजवान कहते हैं कि ह्लरेडीमेड है न!ह्व पर जब कैमरा निकलता है तो सबको याद आ जाता है कि ह्लहम तो परंपरागत रंग ही लगाते हैं।ह्व फोटो में संस्कृति, और असल में पैकेट, यही आधुनिक संतुलन है।

शहरों में फगुआ का नया रूप भी दिखता है, डीजे की आवाज इतनी तेज कि रंग लगाने से पहले ही कान रंगीन हो जाएँ। नाचने वाले को गीत समझ आए या न आए, बीट मिलनी चाहिए। उधर गाँव में अभी भी मांदर की थाप पर पैर खुद रास्ता खोज लेते हैं, कोई कोरियोग्राफर नहीं, फिर भी पूरा प्रदर्शन तैयार।

फगुआ का सबसे बड़ा व्यंग्य यही है कि साल भर मोबाइल पर व्यस्त रहने वाले लोग इस दिन सचमुच ह्लसोशलह्व हो जाते हैं। स्टेटस बाद में डालते हैं, पहले सच में मिलते हैं।

अंततः झारखंड का फगुआ हमें यही सिखाता है। थोड़ा हँसो, थोड़ा गाओ, थोड़ा रंग लगाओ, और थोड़ा मन का धूल-मिट्टी भी धो डालो। बाकी झगड़े, बहस और राजनीति के लिए पूरा साल पड़ा है। फगुआ के दिन बस इंसान बनकर देखिए, रंग अपने आप चढ़ जाएगा।

पार्वती घाटी में घूमने की हैं कई बेहतरीन जगहें

पार्वती घाटी के दूर के छोर पर स्थित, तोश को सुंदर घाटी का अंतिम गाँव माना जाता है जो हिप्पी और साहसिक उत्साही लोगों के बीच बहुत लोकप्रिय है। तोश की सड़क लंबी और घुमावदार है। तोश अन्य शहरों के विपरीत है जो मणिकरण या कसोल जैसे पार्वती नदी के साथ स्थित हैं।

भारत अपनी भौगोलिक विविधता के लिए जाना जाता है और यही कारण है कि यहां के हर राज्य में आपको प्रकृति का एक अलग सौंदर्य देखने को मिलेगा। ऐसा ही एक स्थान हिमाचल प्रदेश में भी स्थित है। भुंतर से स्पीति तक फैली, पार्वती घाटी हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में स्थित है। घाटी के पास घूमने के लिए कई आकर्षक स्थान हैं। रुद्र-नाग, सर्प के आकार का झरना, खिरगंगा के देवदार के जंगल जहाँ भगवान शिव का ध्यान किया जाता है, पांडु पुल का चट्टान का निर्माण और पिन-पार्वती दर्रा कुछ लोकप्रिय पर्यटन आकर्षण हैं। पिन वैली नेशनल पार्क एक अन्य पर्यटक आकर्षण है और यह हिम तेंदुए सहित वन्यजीवों की आबादी के लिए जाना जाता है। तो चलिए आज हम आपको पार्वती घाटी के आसपास घूमने की कुछ बेहतरीन जगहों के बारे में बता रहे हैं-

कसोल

हिमाचल प्रदेश में मिनी इज़राइल के रूप में जाना जाता है, कसोल पार्वती घाटी में एक हिल स्टेशन है। यह कुल्लू से 42 किमी पूर्व में 1640 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। कसोल अपनी सुंदर घाटी, पहाड़ों और महान जलवायु के कारण पूरे वर्ष बैकपैकर्स, ट्रेकर्स और प्रकृति के प्रति उत्साही लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है। यहां पर मौजूद कैफे और रेस्तरां स्थानीय व्यंजनों के साथ इजरायल के व्यंजन परोसते हैं। कसोल में पार्वती नदी सफेद पानी राफ्टिंग के लिए आदर्श है। कसोल में पूरे साल सुखद मौसम रहता है। कसोल घूमने का सबसे अच्छा समय मार्च से मई तक है।

तोश

पार्वती घाटी के दूर के छोर पर स्थित, तोश को सुंदर घाटी का अंतिम गाँव माना जाता है जो हिप्पी और साहसिक उत्साही लोगों के बीच बहुत लोकप्रिय है। तोश की सड़क लंबी और घुमावदार है। तोश अन्य शहरों के विपरीत है जो मणिकरण या कसोल जैसे पार्वती नदी के साथ स्थित हैं। हालाँकि कुछ हद तक इसका व्यवसायीकरण हो गया है, फिर भी सड़कें, दुकानें और घर समान हैं। आप दिन में अपने चारों ओर बर्फ से ढके पहाड़ों और ग्लेशियरों को देख सकते हैं और रात में आकाश में फैले मिल्की वे को देख सकते हैं। या आप पास के ट्रेकिंग ट्रेल्स पर घूमने जा सकते हैं।

रसोल

पार्वती घाटी के लोकप्रिय शहर कसोल से लगभग 4 किमी की दूरी पर स्थित, रशोल या रसोल एक गाँव है जो तेजी से लोकप्रियता हासिल कर रहा है। पार्वती नदी की भीड़ से दूर, रसोल पहाड़ों में ऊंचे स्थान पर स्थित है, जो समुद्र तल से लगभग 3,000 मीटर की ऊंचाई पर है।

एडवेंचर्स प्लेसेस पर घूमना लगता है अच्छा तो शादी से पहले एक बार इन जगहों पर जरूर जाएं

भारत एक टूरिस्ट फ्रेंडली देश है। यहां अंतरराष्ट्रीय से लेकर घरेलू पर्यटकों के देखने व घूमने के लिए काफी कुछ है। फिर भले ही आप प्रकृति प्रेमी हों या कुछ वक्त शांत माहौल में खुद के साथ बिताना चाहते हैं। आपको बीचेस पर घूमना पसंद हो या फिर कुछ रोमांचक करना, भारत में आपको हर तरह की एक्टिविटी करने का मौका मिलेगा। आज इस लेख में हम आपको भारत की कुछ एडवेंचर्स जगहों के बारे में बता रहे हैं, जहां पर आप भरपूर मौज-मस्ती करके एक नया एक्सपीरियंस ले सकते हैं। तो चलिए जानते हैं भारत की कुछ एडवेंचर्स प्लेसेस के बारे में-

ऋषिकेश

ऋषिकेश उत्तरी राज्य उत्तराखंड में गंगा नदी के तट पर स्थित है। यह शहर ज्यादातर तीर्थस्थल है और इसे भारत की योग राजधानी के रूप में भी जाना जाता है। हालांकि, रोमांच चाहने वाले पर्यटकों के लिए यहाँ कुछ साहसिक गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं। आप गंगा नदी में राफ्टिंग, रॉक एंड क्लिफ चढ़ाई जैसी गतिविधियां कर सकते हैं, पास के जंगल में एक सर्वाइवल कैंप में भाग ले सकते हैं या बंजी जंपिंग भी कर सकते हैं।

लद्दाख

लद्दाख को कई मठों की भूमि के रूप में जाना जाता है। यह शहर भारत में सबसे अधिक ऊंचाई पर स्थित है। यहां के आसपास की भूमि की स्थलाकृति, ट्रेकिंग और राफ्टिंग के लिए एक आदर्श स्थान है। लद्दाख की प्रसिद्ध चदर ट्रेक, जो एक जमी हुई नदी पर एक ट्रेक है, यहाँ होता है। इसके अलावा, आप खूबसूरत ज़ांस्कर घाटी में राफ्टिंग कर सकते हैं।

गुलमर्ग

गुलमर्ग जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में स्थित है। यहां पर आने के बाद आपको स्विट्जरलैंड के एक विशिष्ट गांव की याद जरूर आएगी। पूरा शहर एक उच्च ऊँचाई पर स्थित है और भारी बर्फबारी का सामना करता है। यहां प्राप्त बर्फबारी होने के कारण, हेलि-स्कीइंग यहां का एक लोकप्रिय रोमांचक खेल है। हेलि-स्कीइंग में स्की पर हेलीकॉप्टर से कूदना और कठोर ठंडी हवाओं का सामना करना शामिल है।

मनाली

मनाली उत्तरी राज्य हिमाचल प्रदेश में स्थित एक टाउनशिप है और एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल भी है। मनाली में आपको कई एडवेंचर्स एक्टिविटी जैसे पार्वती घाटी में ट्रैकिंग आदि करने का मौका मिलेगा। हालांकि, यहां सबसे प्रसिद्ध रोमांचक गतिविधियों में से एक बाइकिंग करना है। मार्ग आपको मनाली में स्थित विभिन्न गाँवों और इसके आसपास के इलाकों में ले जाएंगे। इस दौरान आपको कुछ सुंदर परिदृश्यों से गुज़रना होगा और वास्तव में आप इस जगह का अनुभव कर सकते हैं।

ऋषिकेश उत्तरी राज्य उत्तराखंड में गंगा नदी के तट पर स्थित है। यह शहर ज्यादातर तीर्थस्थल है और इसे भारत की योग राजधानी के रूप में भी जाना जाता है। हालांकि, रोमांच चाहने वाले पर्यटकों के लिए यहाँ कुछ साहसिक गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं।

पुदुचेरी में यह जगह करवाएंगी आपको एक अलग अनुभव

तमिलनाडु राज्य का पुदुचेरी शहर कई मायनों में देश के अन्य शहरों से काफी अलग है। दरअसल, तमिलनाडु के पुदुचेरी में करीबन 300 साल तक फ्रांसीसी अधिकार रहा, जिसका व्यापक प्रभाव इस शहर पर पड़ा। आज भी पुदुचेरी में आपको फ्रांसीसी वास्तुशिल्प और संस्कृति की छटा दिखेगी। इतना ही नहीं, यहां का प्राकृतिक सौंदर्य तो अनुपम है ही, साथ ही इसका अपना एक ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व भी है। घुमक्कड़ी के शौकीन लोगों को एक बार इस शहर का भी दौरा करना चाहिए। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको पुदुचेरी में घूमने लायक कुछ अच्छी जगहों के बारे में बता रहे हैं-

गिंगी किला

पुदुचेरी में घूमने के लिए गिंगी किला सबसे अच्छे स्थानों में से एक है। किले को 1921 में एक राष्ट्रीय स्मारक के रूप में घोषित किया गया है। एक अद्वितीय वास्तुशिल्प उपलब्धि होने के अलावा यह राज्य के कुछ महत्वपूर्ण किलों में से एक है। इतिहास और वास्तुकला प्रेमियों को पुदुचेरी में छुट्टियों में इस जगह पर एक बार जरूर जाना चाहिए।

श्री गोकिलम्बल थिरुक्मेश्वर मंदिर

पुदुचेरी में देखने के लिए अद्वितीय स्थानों में से एक, मंदिर में एक विशाल 15 मीटर लंबा मंदिर रथ है जो आम तौर पर ब्रह्मोत्सवम के दौरान एक जुलूस पर निकाला जाता है, जो मूल रूप से पुदुचेरी का वार्षिक उत्सव है। यह 2 दिनों में पुदुचेरी में घूमने के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक है।

जवाहर टॉय म्यूजियम

पुदुचेरी में देखने के लिए अद्वितीय स्थानों में से एक, जवाहर टॉय म्यूजियम एक डॉल हाउस है, जिसमें विभिन्न भारतीय राज्यों से लाए गए 140 से अधिक डॉल हैं। जवाहर टॉय म्यूजियम मुख्य शहर में, पुराने प्रकाश स्तंभ पर स्थित है, जो गांधी मैदान के पास है। इस संग्रहालय में कुछ दुर्लभ सजावटी गुड़िया और खिलौने हैं। यह केवल बच्चों और स्कूल के छात्रों को ही नहीं, बल्कि हर आंगतुक को एक आनंदमय अनुभव प्रदान करते हैं।

चुन्नमबार बोट हाउस

पुदुचेरी के प्राचीन बैकवाटर पर नाव की सवारी करके आप यकीनन खुद को प्रकृति के करीब पाएंगे। चुन्नमबार बोट हाउस प्रकृति प्रेमियों के लिए यकीनन एक बेहतरीन जगह है, जहां पर आप न केवल नाव की सवारी कर सकते हैं, बल्कि आश्चर्यजनक प्राकृतिक स्थानों का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

सीता कल्चरल सेंटर

पुदुचेरी में सीता कल्चरल सेंटर एक बहुत प्रसिद्ध फ्रेंको-भारतीय सांस्कृतिक केंद्र है और पुदुचेरी में घूमने के लिए कई स्थानों में से एक है। कैंडप्पा मुदलियार स्ट्रीट पर स्थित, यह पुदुचेरी के सबसे बेहतरीन पर्यटक आकर्षणों में से एक है। यहां पर इंडियन कुकिंग, कोलम लर्निंग, आयुर्वेदिक मेडिसिन, योगा, पिलेट्स, और तमिल भाषा से, विभिन्न दिलचस्प मल्टीपल और सिंगल सेशन क्लास हैं।

अरुणाचल प्रदेश की 3 महिलाओं पर नस्लीय टिप्पणी, आरोपी कपल न्यायिक हिरासत में

नई दिल्ली (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश की 3 महिलाओं पर नस्लीय टिप्पणी करने के मामले में दिल्ली पुलिस ने आरोपी रूबी जैन और उसके पति हर्ष सिंह को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपियों को एससी/एसटी कानून के तहत गिरफ्तार किया गया है। हाईकोर्ट ने कपल को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा है। इसके पहले मंगलवार को हर्ष सिंह ने कहा कि हम शर्मिंदा हैं। ये सब कुछ हीट ऑफ द मोमेंट में हो गया। हर्ष ने कहा कि मामले में हम दिल्ली पुलिस का पूरी तरह से सहयोग कर रहे हैं। वहीं, वीडियो वायरल होने के बाद केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि उनका ऑफिस पहले दिन से ही पीड़ितों और दिल्ली पुलिस के लगातार संपर्क में है। उन्होंने कहा कि आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई होगी। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि नॉर्थईस्ट के लोगों के साथ गलत व्यवहार का मामला खुद बहुत गंभीरता से लेते हैं। मामले में गिरफ्तारियां की गई हैं। दिल्ली में नॉर्थईस्ट के लोगों के खिलाफ किसी भी तरह के दुर्व्यवहार को अधिकारी गंभीरता से लेते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मैं खुद फॉलो-अप कर रहा हूं। हम सख्त कानूनी कार्रवाई कर रहे और सबक सिखाएंगे कि नॉर्थईस्ट के लोगों के साथ बुरा बर्ताव नहीं होना चाहिए।

बीजेपी के वरिष्ठ विधायक बसनगौड़ा पाटिल के खिलाफ हेट स्पीच का मामला दर्ज

यादगीर (एजेंसी)। कर्नाटक के यादगीर जिले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल फिर विवादों में हैं। पुलिस ने बताया कि शिवाजी जयंती समारोह के दौरान कथित तौर पर हेट स्पीच (नफरत फैलाने वाला भाषण) देने के आरोप में उनके खिलाफ मामला दर्ज हुआ है। पुलिस ने बताया कि जिले के गुरुमठकल कस्बे में शिवाजी जयंती के मौके पर एक भव्य जुलूस के बाद आयोजित कार्यक्रम में विधायक मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और तभी यह घटना हुई। प्राथमिकी के अनुसार, यतनाल ने अपने भाषण के दौरान कथित तौर पर कई विवादास्पद टिप्पणियां कीं। उन्होंने एक विशेष समुदाय को निशाना बनाकर एक हिंदी कविता उद्धृत की और महात्मा गांधी तथा जवाहरलाल नेहरू के बारे में भी कहा। उन्होंने कथित तौर पर एक विशेष समुदाय को कथित तौर पर निशाना बनाकर ''लव जिहाद'' का भी जिक्र किया और कुछ ऐतिहासिक हस्तियों पर अपमानजनक टिप्पणी की। पुलिस ने बताया कि इस भाषण के बाद समाचार और सोशल मीडिया मंचों पर तीखी प्रतिक्रिया आई, जिसमें कई लोगों ने नेता पर सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने का आरोप लगाया। भाषण की वीडियो रिकॉर्डिंग की जांच और उसकी प्रतिलिपि तैयार करने सहित प्रारंभिक जांच के बाद जिला पुलिस कार्यालय से कानूनी राय मांगी गई।

वंदे भारत की चपेट में आने से पति-पत्नी और बच्ची की मौत

पाकुड़ (एजेंसी)। पाकुड़-रामपुरहाट रेलखंड के बीच नवीनगर स्टेशन के समीप एक हृदयविदारक हादसे में पति-पत्नी और उनके मासूम बच्चे की दर्दनाक मौत हुई है। तीनों की जान वंदे भारत एक्सप्रेस की चपेट में आने से चली गई। जानकारी के अनुसार, देर रात तेज रफ्तार से गुजर रही ट्रेन की चपेट में अचानक तीन लोग आ गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मौके पर ही तीनों ने दम तोड़ दिया। हादसे की सूचना मिलते ही रेलवे पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची गई है। पुलिस ने तीनों शवों को अपने कब्जे में ले लिया है। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों की पहचान राजा पाड़ा के चंदन सरदार (35), उनकी पत्नी रिम्पा (25) और बेटी अर्पिता के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया, हमने शवों को अपने कब्जे में ले लिया है, जिन्हें पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना मंगलवार रात को ईस्टर्न रेलवे के हावड़ा डिवीजन में नगरनबी रेलवे स्टेशन के पास हुई। जब न्यू जलपाईगुड़ी-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस आ रही थी, तब परिवार रेलवे ट्रैक पार कर रहा था।

देश में करीब 90 प्रतिशत हिंदू मछली और मीट खाते... एआईएमआईएम नेता का बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में शिक्षण संस्थानों और धार्मिक स्थलों के पास खुली मीट मछली की दुकानों पर बैन के मामले को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। इस बैन पर एआईएमआईएम के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष शोएब जमई ने कहा, यह मुख्य रूप से साफ-सफाई से जुड़ा मामला है। लेकिन अगर कोई मछली और मीट पर नाराजगी जाहिर करता है, तब मैं बताना चाहूंगा कि देश में लगभग 90 प्रतिशत हिंदू मछली और मीट खाते हैं। उन्होंने कहा, यह एक राजनैतिक एजेंडा है, प्रोटीन कैसे मिलेगा बच्चों को? आप अमेरिका में देखिए, दुनिया भर के तमाम विश्वविद्यालयों में बच्चों को अंडे दिए जाते हैं। कौन कहता है कि गंदगी करते हैं, उसके लिए कानून बनाए। उन्होंने कहा, यह मामला साफ-सफाई का है, साफ-सफाई के लिए हम भारतीय वैसे ही बदनाम है, अगर कोई इस मामले को मांस मछली तक लेकर जाएगा जो देश के 90 फीसदी हिंदू भाई मांस, मछली और अंडा खाते हैं। होली में आप क्यों नहीं बोलते हैं जो लंबी-लंबी लाइन लगती है। खुद के इनके बच्चे जो अमेरिका में पढ़ते हैं, वे क्या खाते हैं, पूछिए इनसे। इस मामले की अखिल भारतीय इमाम संघ के अध्यक्ष मौलाना साजिद रशीदी ने आलोचना की है। उन्होंने कहा कि बिल्कुल यह अच्छी बात है कि धार्मिक स्थल और शिक्षण संस्थानों के आसपास मीट-मछली की दुकानें नहीं होनी चाहिए, लेकिन हमें इसका भी ध्यान रखना चाहिए कि संविधान में खाने के अधिकार का भी प्रावधान है, जिसके तहत भारतीयों को कुछ भी खाने का अधिकार है।

यूपी में पीसीएस अधिकारी ने मांगी स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति, स्वास्थ्य बताया कारण

लखनऊ (एजेंसी)। पीसीएस अधिकारी सुबोध मणि शर्मा ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति मांगी है। उन्होंने इसके लिए स्वास्थ्य और पारिवारिक कारणों का हवाला दिया है। वे इस समय प्रतापगढ़ रानीगंज तहसील में उपजिलाधिकारी के पद पर तैनात हैं। उन्हें साल 2024 में तहसीलदार से उपजिलाधिकारी के पद पर पदोन्नति मिली थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नियुक्ति विभाग को वीआरएस के लिए भेजे प्रार्थना पत्र में सुबोधमणि शर्मा ने स्वास्थ्य और पारिवारिक कारणों का हवाला देते हुए अब नौकरी नहीं कर पाने की बात लिखी है। उन्होंने आवेदन पर विचार करते हुए जल्द वीआरएस देने की मांग की है। नियुक्ति विभाग उनके प्रार्थना पत्र पर विचार कर रहा है। माना जा रहा है कि जल्द ही उनके वीआरएस स्वीकृत हो जाएगा।

राज्यसभा चुनाव में इस बार सहयोगियों के सहारे कांग्रेस... मिलकर बना रही समीकरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के 10 राज्यों की 37 राज्यसभा सीटों के लिए 16 मार्च को चुनाव होने वाले है। कांग्रेस ने कई राज्यों में सहयोगी दलों के साथ तालमेल बनाकर अपनी रणनीति बना ली है। तमिलनाडु में डीएमके के समर्थन से पवन खेड़ा का नाम आगे बढ़ाया गया है, जबकि बिहार और तेलंगाना में एक सीट पर मुकाबला दिलचस्प हो गया है।

इन चुनावों में महाराष्ट्र की 7, तमिलनाडु की 6, पश्चिम बंगाल और बिहार की 5-5, ओडिशा की 4, असम की 3, हरियाणा, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना की 2-2 तथा हिमाचल की 1 सीट पर मतदान होना है। विधानसभा की मौजूदा संख्या के आधार पर अलग-अलग राज्यों में अलग समीकरण बनाते दिख रहे हैं।

सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस ने डीएमके के साथ एक सीट पर अपने उम्मीदवार के तौर पर पवन खेड़ा का नाम आगे कर दिया है। कांग्रेस संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन की मुलाकात में इस पर सहमति बन गई है। मौजूदा विधानसभा संख्या के आधार पर डीएमके चार सीटें जीत सकती है और

एआईएडीएमके एक सीट हासिल कर सकती है, जबकि एक सीट पर मुकाबला संभव है।

बिहार की पांच सीटों में एनडीए के पास 202 विधायक हैं, जिससे एनडीए चार सीटों पर जीत दर्ज कर सकता है। पांचवीं सीट के लिए अतिरिक्त समर्थन की जरूरत होगी। महागठबंधन के पास कुल 35 विधायक हैं और महागठबंधन को अन्य दलों का समर्थन जुटाना होगा। एआईएमआईएम के 5 विधायक और बसपा के 1 विधायक की भूमिका अहम हो जाती है।

वहीं तेलंगाना में दो सीटों पर चुनाव होना है। एक सीट जीतने के लिए 41 विधायकों का समर्थन चाहिए है। कांग्रेस के पास 66 विधायक है और सीपीआई का एक विधायक समर्थन में है। बीआरएस के पास आधिकारिक तौर पर 37 विधायक है, जबकि भाजपा के 8 और एआईएमआईएम के 7 विधायक हैं। बीआरएस द्वारा उम्मीदवार उतारने से मुकाबला त्रिकोणीय हुआ है। कांग्रेस की ओर से अभिषेक मनु सिंघवी का नाम फिर से चर्चा में आ गया है।

हिमाचल प्रदेश की सीट के लिए कांग्रेस ने अभी उम्मीदवार घोषित नहीं किया है। पार्टी संभावित नामों पर में आनंद शर्मा, प्रतिभा सिंह के नाम शामिल हैं। पिछली बार क्रॉस वोटिंग के कारण कांग्रेस उम्मीदवार को हार का सामना करना पड़ा था।

वहीं पश्चिम बंगाल की पांच सीटों में तृणमूल कांग्रेस चार सीटों पर दावा है, जबकि एक सीट पर मुकाबला संभव है। यह सीट फिलहाल वाम दल के पास है लेकिन इस बार विधानसभा चुनाव में वाम दलों की बुरी हार के बाद भाजपा इस पर बढ़त बना सकती है। ओडिशा की 4 सीटों में से बीजेपी 3 सीटों पर दावा कर रही है, जबकि बीजेडी एक सीट पर चुनाव लड़ेगी। असम की 3 सीटों में बीजेपी 2 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जबकि एक सीट पर कांग्रेस और एआईयूडीएफ साथ मिलकर उम्मीदवार उतार सकते हैं। हरियाणा की 2 सीटों और छत्तीसगढ़ की दो सीटों पर भी कांग्रेस और बीजेपी के बीच मुकाबला तय माना जा रहा है।

भगवान वेंकटेश के लड्डू प्रसाद की जांच करेगी इलेक्ट्रॉनिक जीभ और इलेक्ट्रॉनिक नाक

-तिरुपति में बन रही अत्याधुनिक खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला

अमरावती (एजेंसी)। देश के प्रसिद्ध तिरुपति बालाजी मंदिर में लड्डू प्रसाद में मिलावट का मामला सामने के बाद ऐसा भविष्य में नहीं हो इसके लिए तैयारी की जा रही है। इसी कड़ी में वेंकटेश्वर मंदिर में प्रसाद की सामग्री जांच के लिए अत्याधुनिक खाद्य प्रयोगशाला स्थापित हो रही है। इसके बारे में जानकारी देकर आंध्र प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री वाई सत्य कुमार यादव ने कहा कि तिरुपति जिले के तिरुमाला में बन रही अत्याधुनिक खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला अगले महीने से काम करना शुरू करेगी। खाद्य मंत्री ने परियोजना की प्रगति की समीक्षा बैठक के दौरान यह बयान दिया। आंध्र सरकार और भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के बीच अक्टूबर 2024 में हस्ताक्षरित समझौते के बाद प्रयोगशाला का निर्माण किया जा रहा है। इस परियोजना के लिए करीब 25 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए थे। आंध्र सरकार में मंत्री यादव ने बताया कि इस प्रयोगशाला में विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थों की जांच के लिए अत्याधुनिक उपकरण लगाए जा रहे हैं, लेकिन मुख्य उपकरण इलेक्ट्रॉनिक जीभ और इलेक्ट्रॉनिक नाक होगी। जिन्हें फ्रांस से 35 लाख रुपये की लागत से आयात किया गया है। मंत्री यादव ने बताया कि यह उपकरण घी की शुद्धता, स्वाद, गंध और बनावट में होने वाले सूक्ष्म बदलावों का भी पता लगा सकते है। यह प्रसिद्ध लड्डू और अन्य प्रसाद बनाने में इस्तेमाल होने वाले घी की गुणवत्ता को उच्चतम स्तर पर बनाए रखने के प्रयासों का हिस्सा है। प्रयोगशाला में कच्चे माल की ताजगी का पता लगाने वाले सेंसर और माइक्रोबायोलॉजी परीक्षकों सहित दर्जनों अन्य उपकरण भी स्थापित किए जा रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रयोगशाला में परीक्षण से यह सुनिश्चित होगा कि भक्तों को परोसे जाने वाले लड्डू और प्रसाद उच्चतम गुणवत्ता के हों। लगभग 90 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है और अगले महीने से परिचालन शुरू हो सकता है।

एसआईआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 10वीं या माध्यमिक परीक्षा का एडमिट कार्ड पहचान के रुप में मान्य नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सुनवाई करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के दौरान 10वीं या माध्यमिक परीक्षा का एडमिट कार्ड सिर्फ पहचान के रूप में मान्य नहीं होगा। इन्हें सिर्फ सहायक (पूरक) दस्तावेज माना जाएगा। एडमिट कार्ड तभी मान्य होगा जब उसके साथ मार्कशीट भी हो। वरिष्ठ वकील डीएस नायडू ने सुप्रीम कोर्ट के सामने मामला उठाकर पूछा था कि क्या क्लास 8वीं की परीक्षा का एडमिट कार्ड अपने आप में पहचान पत्र रूप में इस्तेमाल हो सकता है। इस पर चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने कहा कि क्लास 8वीं की मार्कशीट पहचान सत्यापन के लिए मान्य दस्तावेजों में शामिल है। एडमिट कार्ड सिर्फ उसी की पुष्टि के लिए जोड़ा जा सकता है। एडमिट कार्ड सिर्फ सहायक कागज है, यह अपने दम पर पहचान का आधार नहीं बन सकता।

बंगाल सहित 12 राज्यों में एसआईआर के फेज 2 के तहत वोटर वेरिफिकेशन की प्रक्रिया जारी है। यहां पर 28 फरवरी को फाइनल मतदाता सूची प्रकाशित होगी। बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया के दौरान राज्य सरकार और चुनाव आयोग के बीच खींचतान चल रही है। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट मामले पर सुनवाई कर रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने 24 फरवरी 2026 के अपने आदेश का हवाला देकर कहा कि जो दस्तावेज अभी तक अपलोड नहीं हुए हैं और 15 फरवरी से पहले मिले थे, उन्हें संबंधित ईआरओ और एईआरओ गुरुवार शाम 5 बजे तक न्यायिक अधिकारियों के सामने पेश करें। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जन्मतिथि और पिता का नाम साबित करने के लिए मार्कशीट के साथ एडमिट कार्ड दिया जा सकता है। लेकिन एडमिट कार्ड सिर्फ मान्य नहीं होगा।

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उठाया सवाल... 247 से अधिक विदेशी यात्राएं राहुल गांधी ने क्यों की

नेहरू ने भारत के अधिकार को चीन को सौंप दिया

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजधानी पटना में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने नेहरू-गांधी परिवार पर गंभीर आरोप लगा दिए है। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन ने कहा कि यह समझौता मिशन की कहानी है, जिसमें देश के हितों से समझौता कर परिवार के हितों को प्राथमिकता दी गई। नवीन ने कहा कि एक वक्त जवाहरलाल नेहरू ने कहा था कि 45 करोड़ लोग उनके लिए एक जिम्मेदारी हैं। उन्होंने कहा, 1954 में किस प्रकार नेहरू ने बिना किसी रिवॉर्ड के तिब्बत में भारत के अधिकार को चीन को सौंप दिया। इतना ही नहीं उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी पर रक्षा सौदों के जरिए निजी बैंक खाते भरने के आरोप लगाए। नवीन ने राजीव गांधी के कार्यकाल का जिक्र कर कहा कि तब रक्षा सेवाओं का उपयोग निजी वित्तीय हितों को मजबूत करने के लिए हुआ।

नितिन नवीन ने राहुल गांधी को विदेशी शक्तियों की कठपुतली करार देकर कहा कि कांग्रेस का चुनावी इतिहास सीआईए की फंडिंग से दागदार रहा है। बीजेपी अध्यक्ष नवीन ने सोनिया गांधी के राजनीतिक जीवन पर भी सवाल उठते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि 2004 से 2014 के बीच राष्ट्रीय सलाहकार परिषद के माध्यम से उन्होंने सुपर प्रधानमंत्री की तरह काम किया और मनमोहन सरकार के साथ एक समानांतर सरकार चलाई। उन्होंने दावा किया कि इसी अवधि में राजीव गांधी फाउंडेशन को चीनी सरकार और निवेशक जॉर्ज सोरोस के नेटवर्क से बड़ी फंडिंग मिली। राहुल गांधी को लेकर बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि उन्हें नकारात्मक राजनीति का चेहरा माना जाता है। उनके अनुसार राहुल गांधी ने 247 से अधिक विदेशी यात्राएं कीं, जिसमें से कई में सुरक्षा एजेंसियों को जानकारी नहीं दी गई। उन्होंने सवाल उठाया कि इन यात्राओं के पीछे क्या उद्देश्य था। उन्होंने आरोप लगाया कि विदेशी नेताओं, जैसे इल्हान ओमर और जॉर्ज सोरोस से मुलाकातें भी इसी संदर्भ में देखी जानी चाहिए। नितिन नवीन ने कहा कि आज हमारे देश का युवा सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना चाहता है और यदि किसी भी तरह से उन्हें गुमराह करने की कोशिश होती है, तब यह पूरे समाज के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने दावा किया कि जनता अब इस तथाकथित समझौता मिशन को समझ चुकी है और देशहित को सर्वोपरि मानती है। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि राष्ट्रहित के मुद्दों पर जनता सजग है और भविष्य में वही नेतृत्व स्वीकार करेगी जो देश के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देता हो।

कांग्रेस का 'शर्टलेस' प्रदर्शन... वैश्विक मंच पर भारत की छवि धूमिल करने की कोशिश

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और प्रल्हाद जोशी ने राहुल गांधी को लताड़ा

नई दिल्ली(एजेंसी)। नई दिल्ली में आयोजित एआई शिखर सम्मेलन को लेकर सियासी घमासान तेज हुआ है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने भारतीय युवा कांग्रेस के 'शर्टलेस' विरोध प्रदर्शन की कड़ी आलोचना कर इस प्रदर्शन को वैश्विक मंच पर भारत की छवि धूमिल करने की कोशिश बताया। उन्होंने कई पोस्ट कर कांग्रेस और विशेष रूप से राहुल गांधी पर निशाना साधा। केंद्रीय मंत्री गोयल ने आरोप लगाया कि एआई शिखर सम्मेलन जैसे अंतरराष्ट्रीय आयोजन में बिना शर्ट पहने प्रदर्शनकारियों को भेजना देश की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने जैसा है। उन्होंने इस हरकत को कांग्रेस की ÷समझौतावादी विरासत÷ का विस्तार बताया और पूर्व कांग्रेस सरकारों के फैसलों का हवाला दिया। उन्होंने जवाहरलाल नेहरू के कार्यकाल में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता से जुड़े कथित प्रस्ताव, राजीव गांधी के समय हुए बोफोर्स तोप सौदे विवाद और इंदिरा गांधी के दौरान कच्चातीवू समझौते का उल्लेख कर कांग्रेस पर राष्ट्रीय हितों से समझौते के आरोप लगाए।

वहीं केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने भी राहुल गांधी की 2024 की अमेरिका यात्रा पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र पर चर्चा के नाम पर हुई इस यात्रा में इंडियन अमेरिकन मुस्लिम काउंसिल से जुड़े कार्यकर्ताओं और अमेरिकी कारोबारी जॉर्ज सोरोस से कथित रूप से जुड़े नेटवर्क के लोगों से मुलाकात ने संदेह पैदा किया। केंद्रीय मंत्री जोशी ने दावा किया कि इन मुलाकातों में कतर की कथित मध्यस्थ भूमिका रही। दूसरी ओर, भारतीय युवा कांग्रेस ने अपने विरोध का बचाव करते हुए कहा कि उनके कार्यकर्ता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे, जिन पर एआई समिट में देश की पहचान से समझौता करने का आरोप लगाया गया। भारत मंडपम में हुए इस प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने अपनी शर्ट उतारकर असहमति जताई, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। इस पूरे घटनाक्रम ने भाजपा और कांग्रेस के बीच आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति को एक बार फिर तेज कर दिया है, जहां दोनों दल राष्ट्रीय हित, पारदर्शिता और वैश्विक छवि के मुद्दे पर आमने-सामने हैं।

रोहित पवार का बड़ा आरोप, मुंबई पुलिस ने अजित विमान हादसे पर एफआईआर से किया इंकार

मुंबई (एजेंसी)। एनसीपी शरद गुट के नेता और स्व.अजित पवार के भतीजे रोहित पवार ने अजीत दादा के विमान हादसे के मामले में एफआईआर दर्ज ना करने को लेकर गंभीर आरोप लगाए। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के विधायक रोहित पवार एफआईआर दर्ज कराने के लिए थाने पहुंचे थे, लेकिन उनका दावा है कि मुंबई पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने शिकायत दर्ज करने से इंकार किया।

एनसीपी नेता पवार ने बताया कि पुलिस स्टेशन में कनिष्ठ अधिकारी और वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मौजूद थे, जिनके पास एफआईआर दर्ज करने का अधिकार है। बातचीत के बाद अधिकारी लैपटॉप लेकर आए और एफआईआर प्रिंट करने की प्रक्रिया शुरू की। तभी अतिरिक्त डीसीपी स्तर के एक वरिष्ठ अधिकारी वहां पहुंचे और एफआईआर दर्ज करने से इंकार किया। रोहित पवार ने कहा कि नए कानून के तहत किसी भी संज्ञेय अपराध में एफआईआर दर्ज करना अनिवार्य है

और यह प्रत्येक नागरिक का अधिकार है।

पुलिस स्टेशन जाने से पहले उन्होंने कहा था कि प्रस्तावित एफआईआर कई पक्षों के खिलाफ है, जिसमें वीएसआर के सहयोगी,डीजीसीए के संबंधित अधिकारी, उड़ान को मंजूरी देने वाली कंपनी एरो तथा राज्य सरकार से जुड़े एरो समूह के अधिकारी शामिल हैं। एक पांचवीं एफआईआर में नाम गोपनीय रखने की बात कही गई है, क्योंकि कुछ लोग आपराधिक साजिश मान रहे हैं। रोहित पवार ने वीएसआर कंपनी और केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू के बीच कथित संबंधों पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि वीएसआर के भाजपा नेताओं, विशेषकर बीजेपी से जुड़े लोगों के साथ करीबी संबंधों के कारण सीधे कार्रवाई नहीं की गई।

भारतीयों में बढ़ा परोपकार का जज्बा: 540 अरब डॉलर पहुंचा दान का बाजार

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली(ईएमएस)। भारत में परोपकार और दान देने की संस्कृति न केवल समृद्ध हो रही है, बल्कि यह एक विशाल बाजार के रूप में उभर रही है। एक नवीनतम अध्ययन के अनुसार, देश में परोपकार के बाजार का आकार वर्ष 2023 के 370 अरब डॉलर से प्रभावशाली बढ़त दर्ज करते हुए अब 540 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। यह वृद्धि न केवल आर्थिक संपन्नता को दर्शाती है, बल्कि समाज के प्रति व्यक्तिगत जिम्मेदारी के बढ़ते भाव को भी रेखांकित करती है। अशोक विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर सोशल इम्पैक्ट ऐंड द फिलैंथ्रॉपी (सीएसआईपी) द्वारा हाऊ इंडिया गिव्स- 2025-26 शीर्षक से जारी रिपोर्ट में यह स्पष्ट हुआ है कि भारत में दान का प्रवाह केवल बड़े कॉरपोरेट घरानों की सीएसआर गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें आम घरों से आने वाले निरंतर और गुमनाम दान की बहुत बड़ी भूमिका है।

इस अध्ययन की सबसे प्रेरक बात यह है कि दान देने वालों में केवल अमीर तबका ही शामिल नहीं है, बल्कि सीमित संसाधनों वाले लोग भी इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। सर्वेक्षण के आंकड़े बताते हैं कि 8,000 रुपये प्रति माह से कम आय वाले परिवारों में भी दान करने की प्रवृत्ति निरंतर बनी हुई है। यहाँ तक कि 4,000 से 5,000 रुपये के न्यूनतम मासिक उपभोग स्तर वाले आधे परिवार भी नियमित रूप से दान करते हैं। जैसे-जैसे आय और उपभोग का स्तर बढ़ता है, दान में भागीदारी का यह स्तर 70 से 80 प्रतिशत तक पहुंच जाता है। यह आंकड़ा इस धारणा को तोड़ता है कि परोपकार केवल विलासिता का हिस्सा है; यह भारतीय समाज की जड़ों में रची-बसी एक अनिवार्य आदत के रूप में उभरा है।

सर्वेक्षण के अनुसार, लगभग 68 प्रतिशत भारतीय किसी न किसी रूप में परोपकारी कार्यों से जुड़े हैं। इनमें से 48 प्रतिशत लोग वस्तु के रूप में दान करना पसंद करते हैं, जिसमें भोजन, कपड़े और अन्य आवश्यक घरेलू सामान शामिल हैं। वहीं, 44 प्रतिशत लोग नकद दान के माध्यम से मदद पहुंचाते हैं और 30 प्रतिशत लोग ऐसे हैं जो विभिन्न गैर-लाभकारी संस्थाओं या धार्मिक समूहों के साथ स्वयंसेवक के रूप में अपना समय और श्रम दान करते हैं। हालांकि धार्मिक संगठनों और जरूरतमंदों को प्रत्यक्ष रूप से की जाने वाली मदद अभी भी सबसे बड़ा हिस्सा है, लेकिन अब सामाजिक कारणों के लिए दान देने की प्रवृत्ति में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है, जो एक परिपक्व समाज का संकेत है। यह व्यापक सर्वेक्षण देश के 20 राज्यों में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के 7,000 लोगों के बीच किया गया। इस अध्ययन का आधार राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (एनएसएस) के उपभोग डेटा को बनाया गया, जिससे रोजमर्रा के दानदाताओं का सटीक प्रोफाइल तैयार करने में मदद मिली। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत जिस तरह दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है और घरेलू उपभोग में वृद्धि हो रही है, आने वाले समय में रोजमर्रा के दान का यह क्षेत्र और अधिक संगठित और विस्तृत होगा। यह रिपोर्ट साबित करती है कि परोपकार का भारतीय मॉडल व्यक्तिगत करुणा और सामुदायिक जुड़ाव पर टिका है, जहाँ हर वर्ग अपनी क्षमता अनुसार समाज के उत्थान में योगदान दे रहा है।

जिले में अफीम, गांजा की अवैध खेती को चिह्नित कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें: उपायुक्त

बिभा संवाददाता

लातेहार: उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता एवं पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव के संयुक्त अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई।बैठक में जिले में मादक पदार्थों की रोकथाम, अवैध खेती एवं तस्करी के विरुद्ध चल रहे अभियान की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि अवैध मादक पदार्थों के उत्पादन, भंडारण एवं परिवहन पर कड़ी निगरानी रखी जाए तथा किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि पाए जाने पर त्वरित एवं कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अंचल अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को आपसी समन्वय स्थापित कर नियमित छापेमारी अभियान चलाने तथा संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने का निर्देश दिया। साथ ही जनजागरूकता अभियान के माध्यम से आमजन को मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने पर भी बल दिया।बैठक में उपायुक्त द्वारा निर्देशित किया गया कि सभी अंचल अधिकारी एवं थाना प्रभारी यह सुनिश्चित करें कि विद्यालयों/महाविद्यालयों के 100 मीटर की परिधि के अंदर किसी भी प्रकार के मादक पदार्थों की बिक्री पूर्णतः प्रतिबंधित रहे। उपायुक्त द्वारा अंचल अधिकारी बारियातू, हेरहंज एवं बालूमाथ को अपने-अपने क्षेत्र में अवैध अफीम की खेती के विनष्टीकरण हेतु सघन अभियान चलाने का निर्देश दिया गया।

पुलिस अधीक्षक श्री कुमार गौरव द्वारा सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिया गया कि अवैध अफीम की खेती के विरुद्ध त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें। बैठक में संबंधित विभागों द्वारा अनुपालन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। अवैध अफीम की खेती के विरुद्ध की गई कार्रवाई की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया गया कि इस अभियान को और अधिक प्रभावी एवं परिणाममुखी बनाया जाए, ताकि जिले को अवैध मादक पदार्थों की खेती से पूर्णतः मुक्त किया जा सके।बैठक में डीआरडीए निदेशक प्रभात रंजन चौधरी, अनुमंडल पदाधिकारी लातेहार अजय कुमार रजक, अनुमंडल पदाधिकारी महुआडांड़ बिपिन कुमार दुबे, संबंधित पदाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, थाना प्रभारी उपस्थित थे।

धीरज प्रसाद साहू ने चंपाई सोरेन के पोते का कुल्लू में असामयिक निधन पर जताया शोक

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। चंपाई सोरेन के पोते का कुल्लू (हिमाचल प्रदेश) में असामयिक निधन हो जाने की खबर से पूरे झारखंड में शोक की लहर दौड़ गई है।इस दुखद घटना से राजनीतिक और सामाजिक जगत में गहरा दुःख व्याप्त है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू ने घटना पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए इसे अत्यंत पीड़ादायक बताया। उन्होंने कहा कि इतनी कम उम्र में इस प्रकार की असामयिक मृत्यु हृदय को व्यथित करने वाली है। श्री साहू ने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल परिवार को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में पूरा प्रदेश सोरेन परिवार के साथ खड़ा है। उन्होंने इसे अपूरणीय क्षति बताते हुए सभी से धैर्य और साहस बनाए रखने की अपील की। इधर, विभिन्न जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों द्वारा भी शोक संवेदनाएं व्यक्त की जा रही हैं।

संक्षिप्त खबरें

26 एवं 28 फरवरी को नया समाहरणालय प्रांगण में होगा रक्तदान शिविर का आयोजन

हजारीबाग(बिभा): उपायुक्त, हजारीबाग के निदेशानुसार स्वास्थ्य विभाग के स्वास्थ्य कर्मियों द्वार रक्तदान शिविर का आयोजन दिनांक 26.02.2026 एवं 28.02.2026 को 10:00 पूर्वाह्न से 03:00 अपराह्न तक नया समाहरणालय प्रांगण, हजारीबाग में किया जाएगा। सभी कार्यालय प्रधान को निर्देशित किया गया है कि वे समाहरणालय परिसर, हजारीबाग में अपने-अपने कार्यालय के सभी कर्मियों को रक्तदान करने हेतु प्रेरित करना सुनिश्चित करेंगे। रक्तदान शिविर में कार्यालय कर्मियों एवं आम जन मानस के द्वारा रक्तदान किया जायेगा।अधीक्षक, शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, हजारीबाग को निर्देशित किया गया है कि उक्त शिविर हेतु निर्धारित तिथि एवं स्थान पर पर्याप्त संख्या में मेडिकल टीम सभी आवश्यक संसाधन के साथ उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे।अनुमण्डल पदाधिकारी, सदर हजारीबाग को निर्देशित किया गया है कि वे अपने स्तर से जिले के सभी स्वयं सेवी संस्था एवं सभी सिविल सोसाईटीज को उक्त कार्यक्रम में अपनी-अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु सूचित करना सुनिश्चित करेंगे।

राष्ट्रीय पेरियोडॉन्टिस्ट दिवस पर हजारीबाग डेंटल कॉलेज में विविध कार्यक्रम आयोजित

हजारीबाग(बिभा): राष्ट्रीय पेरियोडॉन्टिस्ट दिवस के अवसर पर हजारीबाग डेंटल कॉलेज में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्रों ने बड़े उत्साह, ऊर्जा और रचनात्मकता के साथ कार्यक्रमों में भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में पेरियोडॉन्टिक्स के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा उनके कौशल और प्रतिभा को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के शिक्षकों को आमंत्रित किया गया, जिन्होंने छात्रों का उत्साहवर्धन किया और उनके प्रयासों की सराहना की। आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही पेरियोडॉन्टिक्स विभाग में बीडीएस और एमडीएस के टॉपर्स को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए योग्यता प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर हजारीबाग डेंटल कॉलेज के सचिव डॉ. प्रवीण श्रीनिवास ने कहा कि पेरियोडॉन्टिस्ट दिवस जैसे आयोजन छात्रों को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर प्रदान करते हैं। इस प्रकार के कार्यक्रम शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देते हैं छात्रों में आत्मविश्वास और रचनात्मक सोच को भी विकसित करते हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों और विजेताओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विवेक अग्रवाल निर्विरोध रामगढ़ टैक्स प्रैक्टिशनर एसोसिएशन के अध्यक्ष निर्वाचित

रामगढ़(बिभा): जिला के मुख्य आयकर अधिवक्ता विवेक अग्रवाल को रामगढ़ टैक्स प्रैक्टिशनर एसोसिएशन का अध्यक्ष निर्वाचित किया गया है। इस प्रतिष्ठित एसोसिएशन में लगभग 50-60 अधिवक्ता एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट सदस्य हैं और ऐसे सम्मानित पद के लिए निर्धारित चुनाव में विवेक अग्रवाल को निर्विरोध निर्वाचित किया गया। श्री अग्रवाल कि व्यक्तिगत उपलब्धि से समस्त मारवाड़ी समाज के लिए गौरांवित है। श्री अग्रवाल के 26 साल की मेहनत, निष्ठा, नेतृत्व क्षमता एवं सामाजिक सक्रियता के कारण आज समाज का नाम गौरवान्वित हुआ है। इनके इस चयन से निश्चित ही मारवाड़ी समाज की प्रतिष्ठा और अधिक बढ़ी है तथा युवाओं को भी प्रेरणा मिलेगी। श्री अग्रवाल के इस उपलब्धि के लिए विभिन्न संगठनों एवं संस्थाओं ने बधाई दी है।

झारखंड का बजट खोदा पहाड़ निकली चुहिया : टिंकु महतो

लोहरदगा(बिभा)। भाजपा किसान मोर्चा झारखंड प्रदेश आईटी सेल प्रभारी टिंकु महतो ने झारखंड सरकार द्वारा विधानसभा में पारित बजट पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने राज्य सरकार के बजट को ह्लखोदा पहाड़ निकली चुहियाह्व करार देते हुए कहा कि यह बजट आम जनता, विशेषकर युवाओं की उम्मीदों पर खरा नहीं उतरता। उन्होंने कहा कि बजट में छात्रों, बेरोजगार युवाओं और छोटे व्यापारियों के लिए कोई ठोस प्रावधान नहीं किया गया है। राज्य के युवाओं को रोजगार और कौशल विकास की दिशा में ठोस पहल की आवश्यकता है, लेकिन बजट में इस दिशा में स्पष्ट योजना दिखाई नहीं देती। टिंकु महतो ने आरोप लगाया कि यह बजट युवाओं में असंतोष पैदा करेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को विकास योजनाओं और स्थानीय जरूरतमंदों को प्राथमिकता देनी चाहिए थी, लेकिन बजट में इन वर्गों के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं की गई है। साथ ही उन्होंने सरकार से मांग की कि युवाओं के रोजगार, छात्रों की सुविधा और छोटे व्यापारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि राज्य के समग्र विकास को गति मिल सके।

27 फरवरी को होगी मतगणना, बाजार समिति में कड़ी सुरक्षा के बीच सुबह 8 बजे से शुरू होगी प्रक्रिया

कड़ी सुरक्षा, सीसीटीवी निगरानी और विशेष ट्रैफिक व्यवस्था के बीच पारदर्शी तरीके से होगी मतगणना

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : नगर निकाय चुनाव 2026 का मतदान 23 फरवरी को शांतिपूर्ण और सफलतापूर्वक संपन्न होने के बाद अब सबकी निगाहें कल होने वाली मतगणना पर टिकी हैं। हजारीबाग स्थित बाजार समिति परिसर में सुबह 8:00 बजे से मतगणना प्रारंभ होगी। इसे लेकर जिला प्रशासन ने सभी तैयारियां लगभग पूरी कर ली हैं और विधि-व्यवस्था को लेकर व्यापक इंतजाम सुनिश्चित किए गए हैं। मतगणना केंद्र को पूरी तरह सुरक्षा घेरे में रखा गया है। परिसर में प्रवेश से लेकर मतगणना कक्ष तक हर गतिविधि पर कड़ी निगरानी रहेगी। बाजार समिति को सीसीटीवी कैमरों से लैस कर दिया गया है, ताकि प्रत्येक गतिविधि पर नजर रखी जा सके। टेंट और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं से संबंधित अंतिम तैयारियां जारी हैं, जिन्हें निर्धारित समय से पूर्व पूरा कर लिया जाएगा।

एसपी अंजनी अंजन ने बताया कि मतपेटियों की सुरक्षा के लिए बनाए गए वज्रगृह में तीन स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई है। जैप के जवानों को प्रथम सुरक्षा घेरा सौंपा गया है, जिसमें कुल 72 सुरक्षाकर्मियों की तैनाती तीन पालियों में की गई है। इसके अतिरिक्त वज्रगृह के बाहरी हिस्से में जिला पुलिस के 24 जवान चौबीसों घंटे मुस्तैद रहेंगे। वज्रगृह के चारों ओर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से सतत निगरानी की जा रही है, ताकि सुरक्षा में किसी प्रकार की चूक न हो। प्रत्याशियों एवं उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के लिए भी निर्धारित स्थान पर ठहरने और निगरानी की व्यवस्था की गई है। मतगणना के दिन बाजार समिति परिसर के आसपास विशेष ट्रैफिक व्यवस्था लागू रहेगी। प्रशासन द्वारा भीड़-भाड़ को नियंत्रित करने के लिए कई मार्गों पर अस्थायी डायवर्जन की व्यवस्था की जाएगी, ताकि आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। मतगणना केंद्र में प्रत्येक प्रत्याशी और उनके एक अधिकृत प्रतिनिधि को ही प्रवेश की अनुमति होगी। जिला प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि पूरी मतगणना प्रक्रिया पारदर्शी, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराई जाएगी। सुरक्षा, निगरानी और यातायात व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए तैयार है।

सदर अनुमंडल दंडाधिकारी ने जारी किया निषेधाज्ञा आदेश

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: राज्य निर्वाचन आयोग, झारखण्ड द्वारा नगरपालिका (आम) निर्वाचन, 2026 के लिये जारी की गयी अधिसूचना के अनुसार सदर अनुमण्डल अन्तर्गत हजारीबाग नगर निगम का मतगणना कार्य कृषि उत्पादन बाजार समिति, हजारीबाग के परिसर में 27/02/2026 को 8.00 बजे पूर्वाह्न से निर्धारित है। राज्य निर्वाचन आयोग के उक्त आदेश के आलोक में अधोहस्ताक्षरी के द्वारा निर्गत भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत आदेश ज्ञापांक 137/न्या०, दिनांक 27/01/2026 के द्वारा निषेधाज्ञा आदेश निर्गत है, जो यथावत रहेगा। इसके अतिरिक्त उक्त निषेधाज्ञा आदेश में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 (6) के तहत निम्नांकित प्रतिबंध समाविष्ट किये जाते हैं। मतगणना केन्द्र के अन्दर अनाधिकृत व्यक्तियों के प्रवेश पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध रहेगा। किसी भी व्यक्ति एवं संगठन के द्वारा बिना अनुमति के विजय जुलूस/रैली, सभा, धरना या प्रदर्शन निकालने पर पूर्णरूपेण प्रतिबंध आरोपित किया जाता है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में परिभाषित किसी भी अपराध करने तथा शांति भंग करने के उद्देश्य से पाँच या उससे अधिक व्यक्ति मतगणना केन्द्र के 100 मीटर कि परिधि में एकत्रित नहीं होंगे। कोई भी व्यक्ति राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा लागू आदर्श आचार संहिता के प्रावधानों का उल्लंघन नहीं करेंगे।सोशल मीडिया के किसी भी तंत्र यथा- फेसबुक, ट्विटर आदि पर किसी भी तरह के भड़काने वाले संदेशों के प्रेषण पर पूर्णरूपेण प्रतिबंध आरोपित किया जाता है। उक्त आदेश के उल्लंघन करने के आलोक में संबंधित व्यक्ति/एडमिन पर सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत कार्रवाई की जायगी। यह निषेधाज्ञा आदेश मतगना कार्य हेतु प्रतिनियुक्त सभी पदाधिकारी/कर्मचारी/ पुलिस पदाधिकारी मतगणना अभिकर्ता पर लागू नहीं रहेगा।.यह निषेधाज्ञा दिनांक 27/02/2026 को सुबह 4.00 बजे से मतगणना कार्य की समाप्ति तक लागू रहेगा।

माता शबरी महोत्सव में श्रद्धा और सामाजिक समरसता का संदेश, पूर्व सदर विधानसभा प्रत्याशी मुन्ना सिंह मुख्य अतिथि के रूप में हुए शामिल

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : बुधवार को मां शबरी सेवा संघ (भुईयां समाज), हजारीबाग द्वारा मोरांगी, नवाटांड में आयोजित माता शबरी महोत्सव सह शबरी मेला श्रद्धा, आस्था एवं सामाजिक एकता के माहौल में संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर पूर्व सदर विधानसभा प्रत्याशी मुन्ना सिंह मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम में संघ के प्रदेश अध्यक्ष निर्मल राम ने बैच पहनाकर एवं अंगवस्त्र भेंट कर मुन्ना सिंह जी का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। आभार व्यक्त करते हुए मुन्ना सिंह ने कहा कि समाज का यह स्नेह और विश्वास उन्हें निरंतर सामाजिक सेवा के लिए प्रेरित करता है। वही अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि माता शबरी का जीवन अटूट आस्था, समर्पण, सेवा भावना और सामाजिक समरसता का जीवंत उदाहरण है। भगवान राम के प्रति उनकी निष्कलंक भक्ति हमें यह संदेश देती है कि सच्ची श्रद्धा और सेवा से समाज में समानता एवं मानवता की स्थापना संभव है। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता है कि हम माता शबरी के आदर्शों को अपनाते हुए समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों तक शिक्षा, सम्मान और विकास की मुख्यधारा पहुंचाने का सामूहिक संकल्प लें। उन्होंने आगे कहा कि इस प्रकार के धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन हमारी सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करने के साथ-साथ समाज में एकजुटता, भाईचारा और सकारात्मक सामाजिक चेतना को भी बढ़ावा देते हैं। इस गरिमामय अवसर पर संस्थापक रोहित राम, प्रदेश अध्यक्ष निर्मल राम, प्रदेश सचिव प्रमोद राम, प्रदेश कोषाध्यक्ष दिनेश भुईयां, मंदिर निर्माण समिति अध्यक्ष सुदर्शन राम संजय भुईयां सहित अनेक गणमान्य अतिथि, समाज के प्रबुद्धजन, माताएं-बहनें एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। अंत में मुन्ना सिंह ने सभी आयोजकों, कार्यकताओं एवं उपस्थित श्रद्धालुओं का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए समाज को संगठित एवं सशक्त बनाने का आह्वान किया।

श्री श्याम टाबरिया द्वारा रंग रंगीला फाल्गुन, चंग और थाप की बहेगी अविरल धारा

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : श्री श्याम टाबरिया द्वारा फाल्गुन मास के पावन अवसर पर शहर में भक्ति, संगीत और आध्यात्मिक उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। 27 फरवरी 2026, शुक्रवार को शाम 6 बजे से ह्लरंग रंगीला फाल्गुनह्व कार्यक्रम के अंतर्गत भव्य एकादशी कीर्तन का आयोजन किया जा रहा है। इस विशेष अवसर पर श्रद्धालु भक्त भजन-कीर्तन, संकीर्तन एवं प्रभु नाम स्मरण के माध्यम से आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति करेंगे।जहां धनबाद के प्रसिद्ध भजन गायक मोहित अग्रवाल शामिल होंगे !आयोजकों के अनुसार फाल्गुन का महीना स्वयं में आनंद, उत्साह और भक्ति का प्रतीक है। ऐसे में संगीतमय कीर्तन के माध्यम से पूरे वातावरण को भक्तिमय बनाने की तैयारी की गई है। मधुर भजनों और प्रभु नाम के संकीर्तन से उपस्थित श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठेंगे।

यह भव्य आयोजन अग्रसेन भवन, मालवीय मार्ग में आयोजित होगा, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। श्री श्याम टाबरिया ने शहरवासियों से सपरिवार उपस्थित होकर कीर्तन का लाभ लेने एवं आयोजन को सफल बनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि फाल्गुन के रंग और भक्ति की तरंग के साथ यह आयोजन श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा।

फाल्गुन की मस्ती और भक्ति की शक्ति से सराबोर यह एकादशी कीर्तन न केवल आध्यात्मिक शांति प्रदान करेगा, बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक परंपराओं को भी सुदृढ़ करेगा।

होली पर्व के मद्देनजर पटाखा भंडारण एवं विक्रय के लिए वैध लाइसेंस

लातेहार(बिभा): जिला प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि पटाखा रखने एवं विक्रय करने के लिए संबंधित दुकानदारों के पास वैध लाइसेंस (अनुज्ञप्ति) होना अनिवार्य है। बिना लाइसेंस के कोई भी दुकानदार पटाखा का भंडारण या विक्रय नहीं कर सकता है।उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता के निदेर्शानुसार अनुमंडल पदाधिकारी, लातेहार अजय कुमार रजक एवं अनुमंडल पदाधिकारी, महुआडांड़ बिपिन कुमार दुबे द्वारा होली पर्व के मद्देनजर पटाखा बिक्री को लेकर विशेष व्यवस्था की घोषणा की गई है।सुरक्षा कारणों से जिले में सभी स्थायी एवं अस्थायी दुकानदारों को केवल ग्रीन पटाखा बिक्री की अनुमति दी गई है। भीड़भाड़ वाले शहरी क्षेत्रों में किसी भी अप्रिय घटना से बचाव हेतु तय नियमों एवं सुरक्षा मानकों के तहत ही पटाखा बिक्री की अनुमति प्रदान की जाएगी। पटाखा बिक्री के इच्छुक व्यवसायियों को सामान्य शाखा से अनुमति-पत्र (अनुज्ञप्ति) प्राप्त करना अनिवार्य होगा। अनुमति प्राप्त होने के पश्चात ही पटाखा बिक्री की जा सकेगी।आतिशबाजी सामग्री को अज्वलनशील पदार्थ से निर्मित सुरक्षित शेड में रखा जाएगा। दुकानों के बीच न्यूनतम तीन मीटर तथा संरक्षित स्थलों से कम से कम पांच मीटर की दूरी अनिवार्य होगी। अस्थायी दुकानें एक-दूसरे के आमने-सामने नहीं लगाई जाएंगी।दुकानों में खुली बिजली की बत्तियां, लैंप अथवा गैस लैंप का प्रयोग पूर्णतः वर्जित रहेगा। विद्युत आपूर्ति केवल दीवार या छत पर स्थायी रूप से लगाए गए प्रकाश माध्यम से की जाएगी। एक पंक्ति की सभी दुकानों के लिए मास्टर स्विच अनिवार्य होगा, जिसमें फ्यूज अथवा सर्किट ब्रेकर लगा होना आवश्यक है। किसी भी दुकान के 50 मीटर के दायरे में आतिशबाजी का प्रदर्शन प्रतिबंधित रहेगा। प्रत्येक दुकान में आपात स्थिति से निपटने हेतु पानी एवं बालू की बाल्टी तथा अग्निशमन यंत्र रखना अनिवार्य होगा।सभी अनुज्ञप्तिधारी व्यवसायियों को द विस्फोटक अधिनियम के प्रावधानों का सख्ती से पालन करना होगा।जिला प्रशासन ने सभी व्यवसायियों एवं आम नागरिकों से होली पर्व को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में मनाने हेतु निर्धारित नियमों का पालन करने की अपील की है। सड़क या आम रास्तों पर पटाखों की बिक्री पूर्णतः प्रतिबंधित है और उल्लंघन पर कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

इस साल का पहला राष्ट्रीय लोक अदालत 14 मार्च को

बिभा संवाददाता

लातेहार। आगामी 14 मार्च 2026 को आयोजित होने वाली वर्ष की पहली राष्ट्रीय लोक अदालत और वर्तमान में चल रहे 90 दिवसीय मध्यस्थता देश के लिए 2.0 अभियान की सफलता सुनिश्चित करने के लिए व्यवहार न्यायालय लातेहार में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, लातेहार शेष नाथ सिंह ने की। बैठक के दौरान श्री सिंह ने आगामी 14 मार्च 2026 को होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों का जायजा लिया और उपस्थित न्यायिक पदाधिकारियों को लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से सुलहनीय आपराधिक मामलों, दीवानी मामलों, बैंक ऋण, बिजली बिल और वैवाहिक विवादों जैसे मामलों को चिन्हित कर अधिक से अधिक नोटिस तामिला कराने पर जोर दिया। मध्यस्थता देश के लिए 2.0 पर चर्चा करते हुए पीडीजे-सह-अध्यक्ष श्री सिंह ने कहा कि मध्यस्थता आपसी विवादों को सुलझाने का एक सशक्त और प्रभावी माध्यम है। उन्होंने न्यायिक अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे पक्षकारों को मध्यस्थता के लाभों के बारे में जागरूक करें ताकि समाज में सौहार्दपूर्ण वातावरण बना रहे और न्यायालयों पर मुकदमों का बोझ कम हो सके। बैठक में प्रधान न्यायाधीष, कुटुम्ब न्यायालय सैयद सलीम फातमी, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीष प्रथम दिनेष कुमार मिश्रा, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीष द्वितीय संजय कुमार दुबे, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीष तृतीय सुनिल दत्त द्विवेदी, सीजेएम विक्रम आन्नद, एसीजेएम कुमारी जीव, सीनियर सिविल जज तृतीय-सह-न्यायिक दण्डाधिकारी मीनाक्षी मिश्रा, जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव शिवम चौरसिया, अनुमण्डलीय न्यायिक दण्डाधिकारी प्रणव कुमार, न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह-प्रभारी न्यायाधीष श्री उत्कर्ष जैन उपस्थित थे।

पूर्व मध्य रेल

ई–निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबंधक (अभियंत्रण)/पूर्व मध्य रेल/धनबाद द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती हैः– **(1) ई–निविदा सं:** 326–DHN–2025–26, व. मं. अभि./2/धनबाद के क्षेत्रधिकार में जीसी (प्रधानखंता–मानपुर) में वर्तमान नई दिल्ली–हावड़ा रूट (कानपुर–लखनऊ सम्मिलित) पर 160 किमीप्रघं तक गति बढ़ाने के कार्य के संबंध में भूली, निचितपुर, रामाकुंडा हाल्ट, भोलीडीह, केश्वारी, दशरा, यदुडीह, लाराबाद, यदुग्राम एवं बंशीनाला में उच्च सतह पीएफ का प्रावधान। 12 (बारह) महीना, **कार्य की लगभग लागत (रू में):** 29,11,55,768.99, **(2) ई–निविदा सं.:** 327–DHN–2025–26, सहा.मं.अभि./1/धनबाद के क्षेत्राधिकार में कार्य निरिक्षक/2/धनबाद के अधीन विभिन्न कॉलोनी में सड़क का मरम्मत और निर्माण। 12 (बारह) महीना, **कार्य की लगभग लागत (रू में):** 2,01,28,495.62, **(3) ई–निविदा सं:** 328–DHN–2025–26, व. मं. अभि./4/धनबाद के क्षेत्राधिकार में (1) धनबाद मंडल–टीटीआर (सीएस+सीएमएससी) 04 सेट, करैला रोड–एनसीएल–03 सेट, गढ़वा रोड–चोपन –01 सेट। (2) धनबाद मंडल–टीटीआर 04 सेट, गढ़वा रोड–बिल्ली–04 सेट (डीएस)। (3) धनबाद मंडल–टीटीआर (टीडबल्युएस+सीएमएससी) 32 सेट: गढ़वा रोड–बिल्ली–14 सेट, बिल्ली–चोपन– 02 सेट, बिल्ली–करैला रोड 09 सेट, करैला रोड–कटनी– 05 सेट (1 इन 12) और करैला रोड–एनसीएल 01 सेट, करैला रोड–कटनी– 01 सेट (1 इन 8.5) टीटीआर (टीडबल्यूएस)– 02 सेट: करैला रोड–एनसीएल– 01 सेट, सलाईबनवा–महादिया 01 सेट (1 इन 12)। 12 (बारह) महीना, **कार्य की लगभग लागत (रू में):** 1,25,30,100.54, **ब्याने की राशि (रू में):** ब्याने की राशि http://www.ireps.gov.in पोर्टल पर दिखाये राशि के अनुसार लागू। **निविदा बंद होने एवं खुलने की तारीख तथा समय: ई–निविदा बंद होने की तारीख** 17.03.2026 को 12:00 बजे तक। **ई–निविदा खुलने की तारीख** 17.03.2026 को 12:30 बजे से। **वेबसाइट का विवरण:** http://www.ireps.gov.in ई–निविदा के तहत मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं की जाएगी। **मंडल रेल प्रबन्धक (अभियंत्रण) पूर्व मध्य रेल/धनबाद**

पीआर/1840/डीएचएन/ईएनजीजी/टी/25–26/48

जिम्बाब्वे पर बड़ी जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम गुरुवार को यहां सुपर-8 के अपने दूसरे मैच में जिम्बाब्वे पर बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम को पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका के हाथों 76 रनों की करारी हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में उसे सेमीफाइलन की उम्मीदें बनाये रखने के लिए इस मैच में बड़े अंतर से जीत चाहिये। भारतीय टीम के लिए हालांकि ये आसान नहीं है क्योंकि उसके शीर्ष क्रम के बल्लेबाज दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ असफल रहे थे। वहीं गेंदबाजी भी खास नहीं रही है। इसके अलावा जिम्बाब्वे का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है उसने लीग स्तर में ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका को हराया है। ऐसे में उसे कमजोर मानना भूल होगी।

दक्षिण अफ्रीका से मिली हार के बाद भारतीय टीका का रन रेट भी माइनस 3.80 हो गया है। इससे उससे सेमीफाइनल की उम्मीद बनाए रखने के लिए इस मुकाबले में बड़ी जीत चाहिये। इसके लिए पारी की शुरुआत और तीसरे नंबर की असफलता से उसे उबरना होगा। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा फार्म में नहीं है। वहीं नंबर तीन पर तिलक वर्मा भी अब तक बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। केवल ईशान किशन ने ही अब रन बनाये हैं।

ऑफ स्पिनरों के सामने अभिषेक रन नहीं बना पा रहे हैं जिससे भी भारतीय टीम को भारत को नुकसान हो रहा है। इस टूर्नामेंट में चार मैचों में वह केवल 15 रन ही बना सके हैं जबकि उनका स्ट्राइक रेट 75 और औसत 3.75 रहा। ऐसे में उनकी जगह पर इस मैच में संजू सैमसन को उतारने की मांग हो रही है।

वहीं तिलक को भी अपने प्रदर्शन को बेहतर करना होगा। अब तक केवल ईशान ने ही 193 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये हैं। वहीं कप्तान सूर्यकुमार यादव का स्ट्राइक रेट 127 रहा है जो उनके टी20 करियर के 161 के स्ट्राइक रेट से काफी कम है जिससे ईशान पर काफी दबाव बन गया है। शिवम दुबे और हार्दिक पांड्या ने अब तक अच्छा खेला है और निचले क्रम पर इन दोनो से आगे भी बेहतर बल्लेबाजी की उम्मीदें हैं। बायें हाथ के तीन बल्लेबाजों ईशान, अभिषेक और तिलक के सामने विरोधी टीमों ने पावरप्ले में आफ स्पिनरों का उपयोग कर इनपर अंकुश

लगाने का प्रयास किया है जिसमें वे सफल भी हुई हैं। इस मैच में ऑफ स्पिनरों की रणनीति को विफल करने के लिए संजू सैमसन को अवसर मिल सकता है। उनके आने से दाये और बाएं हाथ की सलामी जोड़ी बेहतर रहेगी। ऐसे में टीम प्रबंधन सूर्यकुमार को तीसरे और तिलक को चौथे नंबर पर उतार सकता है। वैसे चेपॉक की पिच से उन्हें काफी मदद मिल सकती है। जिम्बाब्वे के पास उतना खतरनाक स्पिन आक्रमण भी नहीं है। तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी , रिचर्ड एनगारावा और ब्राड इवांस को हालांकि कम नहीं आंका जा सकता है। गेंदबाजी में भी भारतीय टीम को वरुण चक्रवर्ती , जसप्रीत बुमराह से और बेहतर गेंदबाज की उम्मीद करनी होगी। पिछले मैच में भारतीय गेंदबाजों ने दक्षिण अफ्रीका के तीन विकेट 20 रन पर गिरा दिये थे पर बीच के दौर में कमजोर गेंदबाजी के कारण अफ्रीकी टीम 187 रन बनाने में सफल रही। जिससे भारतीय बल्लेबाज दबाव में आ गयी।

टीम इस प्रकार है

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, हार्दिक पांड्या, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, संजू सैमसन (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह।

जिम्बाब्वे: सिकंदर रजा (कप्तान), ब्रायन बेनेट, रयान बर्ल, ग्रीम क्रेमर, बेन कुरेन, ब्रैड इवांस, क्लाइव मदांडे, टिनोटेंडा मापोसा, तदिवानाशे मारुमनी, वेलिंगटन मसाकाद्जा, टोनी मुनयोंगा, ताशिंगा मुसेकिवा, ब्लेसिंग मुजाराबानी, डायोन मायर्स, रिचर्ड एनगारवा।

शास्त्री ने टीम को सही रणनीति और संयोजन से उतरने की सलाह दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का कहना है कि अब टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुपर-8 में मिली करारी हार से सबक लेते हुए आगे के मैचों में सही संयोजन से उतरना होगा। इस मैच में मिली हार के बाद प्रबंधन के कई फैसलों पर भी सवाल उठे हैं। ऐसे में अब टीम के ऊपर बचे हुए दोनो मैचों को बड़े अंतर से जीतने का दबाब है। शास्त्री का कहना है कि अब टीम को अपने संयोजन पर फिर से विचार करना होगा।

शास्त्री ने कहा, 'आप लगातार 12 मैच जीतते हैं, तो एक खराब दिन आना तय है। शायद यही वह बदलाव है जिसकी भारत को जरूरत थी। यह टीम को अपनी रणनीति और संयोजन पर फिर से सोचने के लिए मजबूर कर सकता है। इस हार से उन्होंने यह सीख लिया होगा कि अब चीजों को हल्के में नहीं लिया जा सकता है क्योंकि सुपर 8 में अगर एक और मैच हारते हैं तो बाहर हो जाएंगे।'

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अक्षर पटेल की जगह पर टीम ने वाशिंगटन सुंदर को अवसर दिया पर सुंदर असफल रहे। अब अक्षर को वापस टीम में लाने की मांग बढ़ रही है। वहीं शास्त्री चाहते हैं कि सुंदर को भी टीम से बाहर न किया जाए। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि उन्हें अक्षर को वापस लाना चाहिए। आपको उनका अनुभव चाहिए। मैं कहूंगा कि दोनों को खिलाएं। स्वयं को एक अतिरिक्त विकल्प दें। किसी भी दिन एक गेंदबाज का खराब दिन हो सकता है, जैसे रविवार को वरुण चक्रवर्ती का हुआ था। वह अपने सर्वश्रेष्ठ पर नहीं थे और इसका नुकसान टीम को हुआ।' 'अगर अक्षर पटेल खेल रहे हैं, तो वह नंबर 8 पर बल्लेबाजी कर सकते हैं।,'

आईसीसी रैंकिंग में शीर्ष पांच में पहुंचे ईशान और फरहान

–गेंदबाजी में बॉश और फोर्ड ने लंबी छलांग लगायी

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा टी20 रैंकिंग में भारतीय टीम के बल्लेबाज ईशान किशन लंबी छलांग लगाकर शीर्ष पांच में पहुंच गये हैं। ईशान को टी20 विश्वकप में अच्छे प्रदर्शन का लाभ मिला है। वहीं भारतीय टीम के अभिषेक शर्मा हाल में खराब प्रदर्शन के बाद भी नंबर एक पर बरकरार हैं हालांकि उनकी रेटिंग 891 से घटकर 877 रह गई है। वहीं टूर्नामेंट में काफी रन बनाने वाले पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान भी दो पायदान ऊपर आकर तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज फिल सॉल्ट 815 रेटिंग्स के साथ दूसरे और साहिबजादा फरहान 810 रेटिंग्स के साथ तीसरे स्थान पर हैं। ईशान 742 रेटिंग्स के साथ पांचवें पायदान पर पहुंच गए हैं। भारत के खिलाफ आक्रामक पारी खेलने वाले दक्षिण अफ्रीका के उभरते हुए बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस शीर्ष 10 में पहुंच गये हैं। ब्रेविस ने 10 पायदान की लंबी छलांग लगाये है जिससे वह 9वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं पाकिस्तान के खिलाफ शतकीय पारी खेलने वाले हैरी ब्रूक 10 पायदान की छलांग लगाकर 18वें नंबर पर पहुंच गये हैं।

वहीं गेंदबाजी की बात करें तो भारतीय टीम के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती पहले स्थान पर बने हुए हैं। वहीं भारत के ही तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी छलांग लगाकर 8वें नंबर पर पहुंच गये हैं। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका के कॉर्बिन बॉश 21 पायदान की लंबी छलांग लगाकर तीसरे नंबर जबकि वेस्टइंडीज के मैथ्यू फोर्ड 23 पायदान की छलांग लगाकर 7वें नंबर पर पहुंच गये हैं।

टी20 विश्वकप: इंग्लैंड सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बनी, बचे हुए तीन स्थानों के लिए सात टीमों में मुकाबला

कोलंबो (एजेंसी)। पाकिस्तान के खिलाफ सुपर-आठ मुकाबले में जीत के साथ ही इंग्लैंड की टीम टी20 विश्व कप 2026 सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है। इंग्लैंड ने इससे पहले हुए सुपर-आठ मुकाबले में श्रीलंका को हराया। अपने दूसरे सुपर-8 मुकाबले में कप्तान हैरी ब्रूक की शानदार शतकीय पारी से इंग्लैंड ने पाकिस्तान को दो विकेट से हरा दिया। इस मैच पहले बल्लेबाजी करते हुए पाक टीम ने 164 रन बनाये और इंग्लैंड को जीत के लिए 165 रनों का लक्ष्य दिया। जिसे इंग्लैंड टीम ने कप्तान हैरी के शतक से 2 विकेट रहते हासिल कर लिया। हैरी टी20 विश्व कप के इतिहास में शतक लगाने वाले इंग्लैंड के पहले खिलाड़ी हैं। अब सेमीफाइनल के बचे अब तीन स्थानों के लिए कुल 7 दावेदारों के बीच मुकाबला है। सुपर-8 में शामिल अभी कोई टीम से टूर्नामेंट से बाहर नहीं हुई है।

पाकिस्तान : इंग्लैंड से हार के बाद भी पाक टीम अभी तक सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर नहीं हुई है। पाक का अंतिम मैच श्रीलंका से है।

अगर पाकिस्तान वह मैच जीतता है और न्यूजीलैंड की टीम अपने अगले दोनों मैच हारती है तो पाक टीम सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी। वहीं अगर इंग्लैंड टीम एक भी मैच जीतती है तो तब फैसला नेट रन रेट के आधार पर होगा।

भारतः भारतीय टीम की स्थित सबसे कठिन है। पहले सुपर-8 मैच में दक्षिण अफ्रीका से मिली 76 रनों से हार के कारण भारतीय टीम का नेट रन रेट निगेटिव में है। ऐसे में उसे अपने दोनो बचे हुए मैच बड़े अंतर से जीतने के साथ ही अन्य मैचों के परिणामों पर भी नजर रखनी होगी।

श्रीलंका : मेजबान श्रीलंका को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए सबसे पहले अपने बचे दो मुकाबले न्यूजीलैंड और पाकिस्तान से अच्छे अंतर से जीतने होंगे। खिलाफ जीतने होंगे। अगर श्रीलंका ऐसा करता है तो उनके अधिकतम 4 अंक होंगे। ऐसे में उन्हें प्रार्थना करनी होगी कि कीवी टीम सुपर-8 में एक मैच हारे जिससे उसके अंक 3 से आगे न हों। ऐसे में श्रीलंका सेमीफाइनल में पहुंच सकती है।

न्यूजीलैंड: न्यूजीलैंड का सुपर-8 में अगले दो मैच श्रीलंका और इंग्लैंड के खिलाफ खेलने है। अगर न्यूजीलैंड इन दोनों मैचों में जीत दर्ज करता है तो उन्हें सेमीफाइनल में पहुंचने से कोई नहीं रोक सकता। कीवी टीम का पहला मुकाबला पाक से था जो बारिश के कारण नहीं हुआ था। जिससे उसके पास अभी एक अंक है। ।

दक्षिण अफ्रीका : भारत से पहला मैच जीतकर उसके दो अंक हैं और नेट रनरेट भी काफी अच्छा है। ऐसे हराकर दक्षिण अफ्रीका की टीम अपने बचे हुए दोनो ही मैच वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे से जीतती है तो आसानी से सेमीफाइनल में पहुंच सकती है पर एक भी मैच हारने पर फैसला नेट रन रेट से होगा।

वेस्टइंडीज: वेस्टइंडीज ने जिम्बाब्वे से पहला मैच जीत लिया है। अब उन्हें सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए बचे दोनों मैच जीतने होंगे। इसमें अगर वेस्टइंडीज एक मैच हारती है तो फैसला नेट रन रेट से होगा।

जिम्बाब्वे : सिकंदर रजा की टीम भी अभी तक पूरी तरह से टूर्नामेंट से बाहर नहीं हुई है। उनके बचे दो कठिन मुकाबले भारत और दक्षिण अफ्रीका से है। उसे सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए पहले ये दोनों मैच जीतने होंगे, फिर नेट रन रेट के आधार पर उन्हें नॉकआउट में प्रवेश मिलेगा।

इटली में महिला क्रिकेटर के यौन शोषण का मामला सामने आया, आरोपी अधिकारी निलंबित

रोम ।इटली में एक महिला क्रिकेटर के यौन शोषण के आरोपों के बाद क्रिकेट बोर्ड से जुड़े एक अधिकारी को निलंबित कर दिया गया है। महिला क्रिकेटर के आरोपों के बाद ऑर्डिनेटर प्रबाथ एक्नेलिगोडा को क्रिकेट फेडरेशन ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। फेडरेशन की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि इस मामले की जांच फेडरल प्रॉसिक्यूटर करेगा। यौन शोषण का ये मामला पिछले साल का बताया गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक फेडरेशन ने कहा, साल 2025 के दौरान फेडरेशन की अध्यक्ष ने एथलीट्स और इससे जुड़े दूसरे पक्षों की पूर्ण सुरक्षा की अपनी जिम्मेदारियों का पालन करते हुए आरोपी अधिकारी को हर तरह की फेडरल से बाहर किये जाने का आदेश दिया है ।बोर्ड ने अपने बयान में कहा कि हालातों का पूरी तरह से आंकलन अभी नहीं किया गया है। निलंबन का फैसला इसलि लिया गया है जिससे गैरजरुरी अटकलों पर रोक लगे और खेल का वातावरण साफ बना रहे। वहीं रिपोर्ट्स के मुताबिक आरोपी के वकील ने कहा है कि उसके खिलाफ साजिश हुई है।

आईपीएल के कारण टी20 क्रिकेट का बेहतर खिलाड़ी बना हूं : एनगिडी

मुम्बई । दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी ने कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) खेलने का लाभ उन्हें मिला है। एनगिडी के अनुसार आईपीएल में मिले अनुभवों से ही उनकी गेंदबाजी बेहतर हुई है। इस तेज गेंदबाज के अनुसार टी20 अंतरराष्ट्रीय नहीं बल्कि आईपीएल के कारण उनका गेंदबाजी कौशल बेहतर हुआ है। वह 2018 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के साथ जुड़े थे और इस दौरान उन्हें काफी कुछ सीखने को मिला। इस दौरान उन्होंने वेस्टइंडीज के ड्वेन ब्रावो से धीमी गेंद की बारीकियां सीखी और तब से उनकी गेंदबाजी भी बदल गयी। इसी कारण वह इस बार विश्वकप में अच्छी गेंदबाजी करने में सफल रहे हैं ।एनगिडी के अनुसार जब वह पहली बार आईपीएल खेलने के लिए उतरे तो उस सत्र में उन्हें ज्यादा अवसर नहीं मिले थे पर नेट्स में समय बिताने से

उनकी गेंदबाजी निखर गयी। एनगिडी ने कहा कि उन्होंने धीमी गेंद, यॉर्कर, बैक ऑफ लेंथ स्लोअर डिलीवरी और धीमी बाउंसर पर लगातार काम किया। उन्होंने कहा कि एक ही एक्शन से अलग-अलग लेंथ और गति से गेंदबाजी आसान नहीं होती पर अभ्यास से से उनके लिए आसन हुआ है। बल्लेबाज के लिए अगली गेंद का अंदाजा लगाना कठिन बनाना ही उनका लक्ष्य रहता है। स्वदेश लौटने के बाद उन्होंने इस कौशल को बेहतर बनाने पर काम किया है। इसी कारण वह टी20 प्रारूप में अधिक प्रभावी गेंदबाज बन पाये हैं। एनगिडी ने भारतीय टीम के खिलाफ मुकाबल में भी कसी हुई गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में केवल 15 रन देकर भारतीय टीम पर दबाव बना था। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव को उनकी गेंदों की दिशा और गति समझने में परेशानी हुई। एनगिडी ने कहा कि उन्होंने जानबूझकर ऑफ-कटर की जगह लेग कटर का इस्तेमाल किया, ताकि बल्लेबाज़ की तैयारी का अंदाजा लगाते हुए उसे हैरान किया जा सके। एनगिडी का मानना है कि आमतौर पर विरोध टीमों का ध्यान उनपर नहीं रहता जिसका लाभ भ उन्हें मिला है

एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 क्वालिफायर की तैयारियों में लगी है भारतीय टीम

–बेहतर प्रदर्शन करना चाहती है साक्षी

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम आजकल मुख्य कोच शॉर्ड मारिन के मार्गदर्शन में एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 क्वालिफायर की तैयारियों में लगी है। टीमें में शामिल उभरती हुई मिडफील्डर साक्षी राणा भी अभ्यास में लगी हुई है और अपनी ओर से और बेहतर प्रदर्शन करना चाहती है। साक्षी का कहना है कि वह हर दिन यही सोचकर मैदान पर उतरती हैं कि उसे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। इस शिविर में मुख्य कोच मारिन के अलावा वैज्ञानिक सलाहकार वेन लोम्बार्ड भी खिलाड़ियों की सहायता कर रहे हैं।

वहीं साक्षी ने कहा, हर दिन मैं यह सोचकर बाहर निकलती हूं कि मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। अगर मैं क्वालिफाइंग राउंड में खेलती हूं, तो मेरा लक्ष्य टीम की जीत में योगदान देना है। आजकल हम हर दिन अभ्यास कर रहे हैं और कोच द्वारा बनायी योजना को पूरी तरह लागू करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोचिंग स्टाफ टीम की कमजोरियों पर विशेष ध्यान दे रहा है। फिटनेस, ताकत और रिकवरी पर लगातार काम हो रहा है। लोम्बार्ड खिलाड़ियों को शारीरिक क्षमता और रिकवरी के महत्व को समझा रहे हैं।

साक्षी ने कहा कि सीनियर खिलाड़ियों से भी पूरा सहयोग मिल रहा है। टीम में सकारात्मक माहौल है और सभी खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। कोच ने साक्षी को मैदान में संवाद शैली भी ठीक करने को कहा है। वह सेंटर मिडफील्ड में खेलती हैं, इसलिए खेल को तेजी से पढ़ना और सही समय पर पास देना उसके लिए सबसे जरूरी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दबाव तेजी से बनता है, ऐसे में समय पर फैसला लेना भी जरुरी है। भारतीय टीम को पहले क्वालिफायर में 8 मार्च को तेलंगाना के हैदराबाद में उरुग्वे से खेलना है। इसके बाद टीम 9 मार्च को स्कॉटलैंड और 11 मार्च को वेल्स का सामना करेगी।

ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश और इंग्लैंड के साथ खेलेगी दक्षिण अफ्रीकी टीम : सीएसए

प्रिटोरिया । क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने कहा है कि उनकी टीम आने वाले समय में ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश और इंग्लैंड के साथ टेस्ट और सीमित ओवरों की सीरीज खेलेगी। इसी का कार्यक्रम उसने जारी किया है। सीएसए के अनुसार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज 24 से 30 सितंबर के बीच किंग्समीड स्टेडियम से शुरू होगी। वहीं इसके बाद टीम आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लयूटीसी) के लिए तीन टेस्ट मैच खेलेगी। ये मैच नौ अक्टूबर से डरबन में खेले जाएंगे। इसके बाद गकेबरहा में 18 अक्टूबर से और न्यूलैंड्स में 27 अक्टूबर से तीसरा टेस्ट खेला जाएगा। इसके बाद बांग्लादेश से दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। इसका पहला मैच 15 से 19 नवंबर तक वांडरर्स स्टेडियम में होगा, जबकि दूसरे मैच 23 से 27 नवंबर तक सेंचूरियन में खेला जाएगा। वहीं इसके बाद 1 से 7 दिसंबर के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेली जाएगी। इसके अलावा 10 से 13 दिसंबर के बीच टी-20 मुकाबले किम्बरली, बेनोनी और सेंचुरियन में खेले जाएंगे। इसके बाद इंग्लैंड के साथ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज 17 दिसंबर से वांडरर्स स्टेडियम में शुरू होगी। इसके बाद में पारंपरिक बॉक्सिंग डे टेस्ट और न्यूलैंड्स क्रिकेट ग्राउंड में नए साल का टेस्ट होगा। दक्षिण अफ्रीका का घरेलू सीजन 10 जनवरी से इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के साथ समाप्त होगा। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कार्यकारी अधिकारी फोलेत्सी मोसेकी ने कहा, हम इन तीनों टीमों के साथ खेलने को लेकर उत्साहित हैं। इससे हमारी टीम और बेहतर होकर उभरेगी।

बाबर आजम विश्वकप में सबसे धीमी बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ी बने

कोलंबो । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के बल्लेबाज बाबर आजम ने टी20 विश्वकप के दूसरे सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 24 गेंदों पर 25 रनों रन ही बनाये। इस दौरान बाबर केवल दो चौके ही लगा पाये और उनका स्ट्राइक रेट 104.17 का था। इसके साथ ही उनके नाम सबसे धीमी बल्लेबाजी का अनचाह रिकार्ड दर्ज हो गया है। यह पहली बार नहीं है जब बाबर ने इतनी धीमी बल्लेबाजी की है। विश्वकप में अगर धीमी बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ियों की सूची पर नजर डालें तो उनमें सबसे खराब स्ट्राइक रेट बाबर का ही है। शीर्ष-5 बल्लेबाजों की इस सूची में दो और पाकिस्तानी भी मौजूद हैं। बाबर ने साल 2021 में इस टूर्नामेंट में डेब्यू किया था। तब से लेकर वह अभी तक 23 पारियां में उन्होंनें 640 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट मात्र 111.5 का रहा है, जो कम से कम टी20 वर्ल्ड कप में 500 रन बनाने वाले खिलाड़ियों में सबस कम है। बाबर आजम ने इस सूची मे अपने ही देश के मोहम्मद हफीज को ही पीछे छोड़ दिया है। हफीज का टी20 वर्ल्ड कप में स्ट्राइक रेट 111.8 का था। सूची में तीसरे नंबर पर पाकिस्तान के ही मोहम्मद रिजवान है। उन्होंने टी20 वर्ल्ड कप में 113 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। वहीं श्रीलंका के कुमार संगकारा ने 112.2 – जबकि न्यूजीलैंड के केन विलियमसन ने 112.5 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये।

पावरप्ले में ऑफ-स्पिनरों के खिलाफ सहज नहीं सलामी बल्लेबाज : अभिषेक नायर

मुम्बई । भारतीय टीम के पूर्व सहायक कोच रहे अभिषेक नायर ने कहा है कि आईसीसी पुरुष टी20 विश्वकप में अब तक टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाजों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। अभिषेक के अनुसार सुपर 8 स्तर में सलामी जोड़ी संघर्ष करती दिखी है। वहीं पावरप्ले में ऑफ-स्पिनरों के खिलाफ बल्लेबाज सहज नहीं दिखे। अब तक केवल। ईशान किशन ही रन बनाने में सफल रहे हैं। ईशान ने 5 मैचों में 35.20 के औसत से 176 रन बनाए हैं। वहीं बल्लेबाज अभिषेक शर्मा अब तक असफल रहे हैं। वह चार मैचों में से तीन में खाता भी नहीं खोल पाये। वहीं चौथे मैच में उन्होंने 15 रन बनाए हैं। नायर ने कहा कि शीर्ष क्रम अभी तक सहज होकर नहीं खेल पा रहा। नई गेंद से ऑफ-स्पिनर विविधता ला रहे हैं जिससेस भी बल्लेबाजों के

लिए पावरप्ले के ओवरों में शॉट लगाना कठिन हो रहा है। उन्होंने कहा कि वेस्टइंडीज भी पारी की शुरुआत में रोस्टन चेस से गेंदबाजी करा सकती है। ऐसे में भारतीय सलामी बल्लेबाजों को सावधान रहना होगा। भारतीय टीम को अब टूर्नामेंट में बने रहने के लिए बचे हुए दो सुपर-8 मैच बड़ं अंतर से जीतने होंगे। भारतीय टीम को अब अगले मैच में जिम्म्बाब्वे और फिर वेस्टइंडीज से खेलना है।

टी20 विश्व कप में टीम इंडिया की फ्लॉप बैटिंग पर कोच सितांशु कोटक का बयान, 'हमें पॉजिटिव रहना होगा'

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने गुरुवार को आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के सुपर आठ चरण में जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाले करो या मरो के मुकाबले से पहले टीम इंडिया से सकारात्मक रहने और बेहतर क्रिकेट खेलने का आग्रह किया है। टीम इंडिया को सुपर आठ चरण के पहले मैच में 76 रनों की शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा, जिससे मौजूदा चैंपियन टीम मुश्किल दौर में आ गई है।

टीम इंडिया को खिताब की दौड़ में बने रहने के लिए अपने सभी बचे हुए मैच जीतने होंगे और साथ ही यह भी उम्मीद करनी होगी कि दक्षिण अफ्रीका सुपर आठ चरण में अपराजित रहे। भारत के बल्लेबाज अब तक टूर्नामेंट में कोई खास कमाल नहीं दिखा पाए हैं, उनका औसत मात्र 20 है, जो सुपर आठ में क्वालीफाई करने वाली टीमों में सबसे कम है। टीम ने 11 बार शून्य पर आउट होकर बल्लेबाजी की है, जो बल्लेबाजी में शुरुआती अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने की कठिनाई को उजागर करता है।

जिम्बाब्वे के खिलाफ अहम मुकाबले से पहले टीम के खराब प्रदर्शन के कारणों और इससे निपटने की योजना के बारे में पूछे जाने पर, कोटक ने मैच से पहले की प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि सभी द्विपक्षीय मैचों को देखें तो बल्लेबाजी वाकई अच्छी चल रही थी। मुझे लगता है कि इस विश्व कप में भी, पिछला मैच थोड़ा चिंताजनक था क्योंकि लगभग डेढ़ साल में, हमने सिर्फ दो बार ही 150 से कम रन बनाए हैं। इसलिए मैं इस बात पर ध्यान नहीं दे रहा हूं कि कोई कितनी बार असफल हुआ या कैसे, क्योंकि फिर हम उनकी बल्लेबाजी पर दबाव डालना शुरू कर देते हैं। लेकिन पिछले मैच को भी मुझे लगता है कि हमें सहजता से लेना चाहिए कि यह पिछले दो सालों में हमारा सबसे खराब मैच था, इसलिए ईमानदारी से कहूं तो हमें इसके बारे में ज्यादा नहीं सोचना चाहिए और आगे बढ़ना चाहिए। विश्व कप में, खासकर हमारे सलामी बल्लेबाजों का प्रदर्शन उतना अच्छा नहीं रहा जितना हम चाहते थे। कोटक ने इस बात पर जोर दिया कि हालांकि टीम का हालिया प्रदर्शन उम्मीदों से कम रहा है, लेकिन व्यक्तिगत असफलताओं पर अत्यधिक ध्यान देने से अनावश्यक दबाव बढ़ सकता है। उन्होंने तैयारी और रणनीतिक योजना के महत्व पर जोर दिया, साथ ही विपक्षी गेंदबाजी रणनीतियों का विश्लेषण करने की बात कही ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि टीम शेष मैचों में प्रभावी ढंग से अनुकूलन और प्रतिक्रिया कर सके।

भारत - संपूर्ण एआई जगत का मिलन स्थल
भारत मंडपम में वैश्विक सहयोग का प्रदर्शन

बिहान भारत

नई दिल्ली में फरवरी की एक सुहावनी सुबह में, भारत मंडपम के कांच का अग्रभाग केवल सूर्य की रोशनी को ही नहीं, बल्कि संभावनाओं को भी प्रतिबिंबित करता है। इसके भीतर, तेरह देशों के मंडप एक विशाल चाप में खड़े हैं, जिनमें से प्रत्येक अपने इरादे का प्रतीक है। ऑस्ट्रेलिया, जापान, रूस, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, जर्मनी, इटली, नीदरलैंड, स्विट्जरलैंड, सर्बिया, एस्टोनिया, ताजिकिस्तान और एक सामूहिक अफ्रीकी मंडप, सभी अपने विचारों, निवेशों और महत्वाकांक्षाओं के साथ यहां पहुंचे हैं। यही इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का मुख्य आकर्षण है। दुनिया सिर्फ इसमें भाग लेने नहीं आई है, बल्कि सहयोग करने आई है।

16 से 21 फरवरी 2026 तक, इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो भी इस समिट के साथ-साथ आयोजित किया जा रहा है, जो दस स्थानों और 70,000 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्रों में फैला हुआ है। वैश्विक प्रतिनिधि, प्रौद्योगिकी क्षेत्र के अग्रणी, अनुसंधानकर्ता और छात्र संवाद एवं प्रदर्शन के लिए डिजाइन किए गए विशाल हॉलों में विचरण करते हैं। लोगों की अत्यधिक रुचि को देखते हुए, भारत सरकार ने प्रदर्शनी को एक दिन और बढ़ाकर शनिवार, 21 फरवरी को जनता के लिए खुला रखा है, ताकि सभी को अधिक सुविधापूर्ण अनुभव मिल सके। यह सरल लेकिन महत्वपूर्ण कदम है। यह कोई बंद कमरे में होने वाली बातचीत नहीं है। यह एक सार्वजनिक क्षण है।

इन सबके केंद्र में सभ्यतागत आत्मविश्वास पर आधारित एक विचार निहित हैः 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' यानी सभी का कल्याण, सभी की खुशी। अपने उद्घाटन भाषण में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि यह कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लिए भारत का आदर्श है। उन्होंने विविधता, जनसंख्या और लोकतंत्र को भारत की स्थायी शक्तियों के रूप में बताया। उन्होंने कहा कि भारत में सफल होने वाला कोई भी एआई मॉडल वैश्विक स्तर पर लागू किया जा सकता है। इसके बाद आमंत्रण का स्थान है। भारत में डिजाइन और विकास करें। दुनिया को सौंपें। मानवता को सौंपें। ये शब्द हॉल से कहीं दूर तक गूंजते हैं।

तेरह देशों के मंडप उन शब्दों को एक अलग रूप देते हैं। फ्रेंच पवेलियन, राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन और प्रधानमंत्री मोदी के दौरे पर, 29 कंपनियों ने फ्रांस की तकनीकी श्रेष्ठता का प्रदर्शन किया। यह दौरा भारत-फ्रांस नवाचार वर्ष की ऊर्जावान शुरूआत का प्रतीक है। राष्ट्रपति मैक्रॉन ने खुलकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि भारत ने वह हासिल किया है जो किसी अन्य देश ने नहीं किया है। 1.4 बिलियन लोगों की एक डिजिटल पहचान, हर महीने 20 अरब लेनदेन की एक भुगतान प्रणाली, एक स्वास्थ्य सुविधा को लेकर 500 मिलियन डिजिटल हेल्थ आईडी जारी करना कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। उन्होंने श्रोताओं को याद दिलाया कि यह इंडिया स्टैक है। खुला, अंतरसंचालनीय और संप्रभु। उन्होंने कहा कि हम एक अभूतपूर्व गति के आरंभ में हैं।

कुछ ही कदम की दूरी पर, एस्टोनिया के पवेलियन में लगातार भीड़ उमड़ती है। अपने डिजिटल शासन मॉडल के लिए प्रसिद्ध एस्टोनिया को यहां काफी समर्थन मिलता है। राष्ट्रपति अलार कारिस का कहना है कि डिजिटल सार्वजनिक इंफ्रास्ट्रक्चर अब केवल एक तकनीकी आधारशिला नहीं रह गई है। यह आधुनिक राज्यों के संचालन की नींव है। जब इन प्रणालियों में एआई को शामिल किया जाता है, तो एल्गोरिथम पारदर्शिता और मानवीय निगरानी सार्वजनिक विश्वास के लिए आवश्यक शर्तें बन जाती हैं। उनके शब्द नैतिकता और जवाबदेही पर होने वाली चचाओं में गूंजते हैं। यहां सहयोग केवल एक अमूर्त अवधारणा नहीं है, बल्कि यह एक ढांचागत अवधारणा है।

स्लोवाकिया के राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी एक व्यावहारिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं। उनका कहना है कि भारत दुनिया को एक महत्वपूर्ण सच्चाई दिखाता है। प्रौद्योगिकी को बड़े पैमाने पर विकसित किया जा सकता है और यह आम लोगों की मदद कर सकती है। स्लोवाकिया भले ही छोटा देश हो, लेकिन वह तेजी से प्रगति कर सकता है। वह व्यावहारिक परिणाम चाहता है।

फिनलैंड के प्रधानमंत्री पेटेरी ओर्पो शिखर सम्मेलन को समयोचित बताते हैं। उनका कहना है कि दुनिया को जिम्मेदार एआई के लिए साझा समझ, सामान्य नियमों और राजनीतिक इच्छाशक्ति की तत्काल आवश्यकता है। स्विट्ज़रलैंड के राष्ट्रपति गाय पार्मेलिन समावेशी संवाद और बहुपक्षीय सहयोग की बात करते हैं। उनका जोर है कि जिम्मेदार एआई नवाचार में बाधा नहीं डालता, बल्कि उसे बढ़ावा देता है। वे आगे कहते हैं कि भारत और स्विट्ज़रलैंड महत्वाकांक्षा और कार्यान्वयन के बीच एक सेतु का निर्माण कर रहे हैं।

ये सभी विचार सात विषयगत चक्रों में समाहित हैं जो एक्सपो को संगठित करते हैंः मानव पूंजी, सामाजिक सशक्तिकरण के लिए समावेशन, सुरक्षित और विश्वसनीय एआई, अनुकूलन, नवाचार और दक्षता, विज्ञान, एआई संसाधनों का लोकतंत्रीकरण, आर्थिक विकास और सामाजिक हित के लिए एआई। ये चक्र लोग, धरती और प्रगति को ठोस कार्यक्षेत्रों में रूपांतरित करते हैं। प्रतिनिधिमंडल इनके बीच भ्रमण करते हैं और अनुसंधान प्रयोगशालाओं, स्टार्टअप और सार्वजनिक संस्थानों के बीच अंतसंबंधों की पड़ताल करते हैं। चचाएं कंप्यूटिंग क्षमता से लेकर कक्षा के माध्यम से कौशल विकास तक, डेटा प्रबंधन से लेकर हरित ऊर्जा ग्रिड तक के विषयों पर केंद्रित होती हैं।

अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन का पवेलियन एक नया आयाम प्रस्तुत करता है। यह ऐसे व्यावहारिक मॉडल प्रदर्शित करता है जहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), डिजिटल प्लेटफॉर्म और भू-स्थानिक उपकरण बिजली कंपनियों का आधुनिकीकरण करते हैं और नवीकरणीय ऊर्जा के एकीकरण को गति देते हैं। ऊर्जा के लिए एआई पर वैश्विक मिशन एक संयोजन बिंदु के रूप में उभरता है। सौर ऊर्जा के प्रसार के क्रम में डिजिटल बुद्धिमत्ता की भूमिका होती है। तत्क्षण अनुकूलन स्मार्ट ग्रिड प्रबंधन से जुड़ता है। यह सहयोग तकनीकी है, लेकिन इसके प्रभाव सामाजिक हैं। सदस्य देशों में ऊर्जा की पर्याप्तता एक साझा लक्ष्य बन जाता है।

दस क्षेत्रों में फैले वैश्विक प्रौद्योगिकी फर्म, स्टार्टअप, शिक्षाविद, केंद्रीय मंत्रालय, राज्य सरकारें और अनुसंधान संस्थान क्षमताओं का एक अनूठा संगम प्रस्तुत करते हैं। इसका व्यापक दायरा स्पष्ट है। फिर भी, प्रतिस्पर्धा की बजाय सहयोगात्मक माहौल बना हुआ है। बहुपक्षीय संस्थानों और राजनीतिक नेताओं की उपस्थिति शिखर सम्मेलन के महत्व को दर्शाती है। यह केवल एक व्यापार मेला नहीं है। यह एक निर्णायक मंच है जो यह निर्धारित करता है कि परस्पर जुड़ी दुनिया में एआई का संचालन और उपयोग कैसे किया जाएगा।

जैसे-जैसे शिखर सम्मेलन आगे बढ़ता है, पवेलियन राष्ट्रीय परिसरों की बजाय खुली प्रयोगशालाओं की तरह लगने लगते हैं। प्रतिनिधि डेटा मानकों पर चर्चा करते हैं। अनुसंधानकर्ता नैतिक ढाँचों पर विचार-विमर्श करते हैं। उद्यमी सह-विकास की बात करते हैं। विस्तारित अवकाश का दिन परिवारों, छात्रों और युवा नवप्रवर्तकों को भी इसमें शामिल करता है। सावधानी की जगह जिज्ञासा हावी हो जाती है। अंतरराष्ट्रीय माहौल भारत की उपस्थिति को कमजोर नहीं करता, बल्कि उसे और भी मजबूत बनाता है।

इससे भारत की एक ऐसी छवि उभरती है जो मेजबान होने के साथ-साथ एक शक्तिशाली देश भी है। एक ऐसा देश जो अपने डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर को लेकर आश्वस्त है। एक ऐसा राष्ट्र जो अपने संसाधनों को साझा करने और दूसरों से सीखने के लिए तत्पर है। एक ऐसा मंच जहां संप्रभु महत्वाकांक्षा वैश्विक जवाबदेही के साथ-साथ चलती है। तेरह पवेलियन इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण हैं कि एआई युग में सहयोग अब वैकल्पिक नहीं बल्कि मूलभूत आवश्यकता है।

भारत मंडपम पर शाम की रोशनी फैलते ही, कांच का अग्रभाग एक अलग ही चमक बिखेरता है। यह संवाद की चमक है। प्रगति पर चल रहे समझौतों की चमक है। उन साझेदारियों की चमक है जिन पर अभी हस्ताक्षर होने बाकी हैं। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का समापन किसी अंतिम पड़ाव के साथ नहीं, बल्कि प्रगति के साथ हुआ है। बातचीत में एक संदेश स्पष्ट है। दुनिया को भारत में न केवल एक बाजार मिला है, बल्कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के भविष्य को आकार देने में एक भागीदार भी मिला है।

ताकि स्किन सॉफ्ट

स्किन नेचर को रखें ध्यान

ऑयली स्किन वालों को मॉयश्चराइजर लगाना चाहिए। अकसर ऐसी स्किन में मॉयश्चर की कमी हो जाती है। मॉयश्चराइजर के स्थान पर क्रीम लगाने से स्किन ज्यादा ऑयली हो जायेगी। फेस पर चिपचिपापन महसूस होगा, जिससे चेहरे पर ज्यादा डस्ट बैठेगी। दाने भी निकल सकते हैं। वहीं जिनकी स्किन में ऑयल की कमी हो उन्हें क्रीम लगानी चाहिए। क्रीम ऑयल की कमी को दूर करती है। ऐसी स्किन वालों को मॉयश्चराइजर से बचना चाहिए।

लगाएं एएचए और कोलेजनयुक्त क्रीम

सर्दियों में रात को फेस वॉश करने के बाद 'एएचए' युक्त आवरनाइट क्रीम या मॉयश्चराइजर लगाना चाहिए। यह स्किन को सॉफ्ट बनाती है ऑर ड्राइनेस खत्म करती है। एएचए युक्त क्रीम या मॉयश्चराइजर को दिन में नहीं लगाना चाहिए क्योंकि दोपहर के वक्त इसे लगाने से सूरज से पिगमेनटेशन होने की आशंका रहती है। सुबह के वक्त कोलेजन युक्त क्रीम और मॉयश्चराइजर लगाएं।

लगाएं सही पोर्शन में क्रीम

क्रीम हमेशा ऊपर और बाहर की तरफ लगानी चाहिए। लोग अकसर खुद को और बच्चों को भी रगड़-रगड़ कर लगाते हैं, जो गलत तरीका है। फेस पर सॉफ्ट हाथों से क्रीम लगानी चाहिए। आखिर यह आपका फेस है, जिसे आपको पूरी लाइफ कैरी करना है।

सर्दियों में लगाएं सनगार्ड

सर्दियों में हम सनगार्ड लगाना छोड़ देते हैं। लेकिन इस मौसम में सबसे ज्यादा टैनिंग होने की संभावना रहती है। क्योंकि इस मौसम में लोग खूब धूप सेकते हैं, जिसकी वजह से स्किन टैन हो जाती है। सुबह के वक्त नहाने के बाद कोलेजन क्रीम लगा लें और बाहन निकलते समय सनबैन।

इस्तेमाल करें क्रीमयुक्त फेस वॉश

इस मौसम में ट्रांसपेरेंट कॉस्मेटिक न यूज करें। क्योंकि इसमें मॉयश्चराइजर और ऑयल बहुत कम होता है। क्रीम बेस्ड फेस वॉश यूज करें। क्लिंजिंग मिल्क जरूर यूज कीजिए और उसके बाद गुनगुने पानी के साथ फेस वॉश से चेहरा धोइए।

ऑयलयुक्त बॉडी वॉश

ऑयल या मॉयश्चरबेस्ड बॉडी वॉश यूज करें। नहाते समय बॉडी ऑयल डालकर नहायें या फिर नहाने से पहले बॉडी ऑयल लगा लें।

नोट: घरेलू इलाज में आप चेहरे पर हनी और हल्दी मिक्स करके लगाएं। इससे स्किन सॉफ्ट हो जाती है। खाने-पीने का ध्यान रखें। ऑयली फूड बढ़ा लीजिए पर अगर आप फैटी हैं तो पहले वाली डाइट पर ही रहिए। ऐसी चीजें लीजिए, जिसमें ऑयल हो पर फैट न हो। जो कोलेस्ट्रोल न बढ़ाता हो।

मूंगदाल हलवा

सामग्री: 100 ग्राम मूंगदाल (2 घंटे तक भिगोकर, फिर छानकर ग्राइंड करके पेस्ट बना लें), 100 मिली. घी, 100 ग्राम शक्कर, 1/4 लीटर दूध, चुटकीभर केसर (हल्के गर्म दूध में भिगोया हुआ), गार्निशिंग के लिए बादाम और पिस्ता के टुकड़े।

विधि: कड़ाही में घी और मूंगदाल का पेस्ट डालकर धीमी आंच पर गुलाबी भूरा होने तक भूनें। दूध को उबालकर मूंगदाल के मिश्रण में मिलाएं। दूध सूखने पर शक्कर मिलाकर भूनें। जब कड़ाही घी छोड़ने लगे, तब आंच पर से उतार लें। केसर और ड्रायफ्रूट्स से गार्निश करके गरमागरम सर्व करें।

मेरी मम्मी सुपर मॉम

कहते हैं, हर प्राणी में भगवान का अंश होता है, लेकिन 'मां' का तो कहना ही क्या ! उसका तो समूचा व्यक्तित्व ही देवी सरीखा होता है। मां का स्वरूप इतना विस्तृत है कि वेद-पुराण भी मां की ममता और करूणा की गाथा कहते नहीं थकते। मां, जो एक बच्चे को जन्म देती है, उसे पाल-पोसकर बड़ा करती है, उसके लिए एक भावनात्मक सहारा होती है। मां की भूमिका को लेकर फिल्म जगत में न जाने कितनी फिल्में बनीं, तो वहीं साहित्य जगत में मां की भूमिका को लेकर बहुत कुछ लिखा गया। दूसरी तरफ मां है, जो एक साथ कई तरह की भूमिकाओं का निर्वहन एक साथ करती है यानी वह ऐसे मदारी की भूमिका में होती है, जिसके हाथ में एक साथ 5-6 गेंदें होती हैं। बड़ी कुशलता से जिनमें से कुछ को वह अपने हाथ में रखती है, तो कुछ को आसमान में उछालती है। कितने अजब ढंग से वह इनके बीच एक संतुलन कायम किए रहती है।

लेकिन, आज की मां का स्वरूप कुछ बदला-बदला सा है। बच्चे, परिवार, करियर और साथ में अपना स्वास्थ्य और इससे भी बढ़ कर न जाने कितनी जिम्मेदारियों का बोझ उठाती है आज की मां। अब यह गुजरे जमाने की बात हो गई है, जब महिला सीमित परिवार के दायरे में रहकर काम करती थी। घर पर रहकर बच्चों की देखभाल करना, शाम को काम से थके-मांदे पति का इंतजार करना, पति की सेवा करना ही उसकी दिनचर्या में शामिल था। आज महानगरों में ही नहीं, बल्कि छोटे शहरों में भी कामकाजी महिलाओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है। ये कामकाजी माएं एक साथ कई मोचा पर डटी रहती हैं। एक आर वह ऑफिस में रहकर अपने पुरूष प्रतिद्वंद्वियों के बीच खड़ी अपने काम को बेहतर ढंग से करने का प्रयास करती है। पूरे दिन प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करना, डेडलाइंस से जूझना और शाम को कॉकटेल में क्या पहनना है, के बीच उसका जीवन गुजरता है। यही सुपर लेडी शाम को जब घर लौटती है, तो पूरे जोशो-खरोश के साथ बच्चों की देखरेख करती है, उनकी जरूरतों का ख्याल रखती है, घर के बजट के बीच संतुलन कायम करती है और बच्चों के होमवर्क की जिम्मेदारी उठाती है। बच्चों के स्कूल में फंक्शन के लिए फैंसी ड्रेस तैयार करना और सास-ससुर को वीकएंड पर डिनर के लिए साथ ले जाना, ये सब उसी की जिम्मेदारी है— ये है आज की सुपर मॉम। न जाने कितनी जिम्मेदारियों के बीच उसे संतुलन कायम करना होता है। नतीजा यह होता है कि एक उम्र के बाद स्ट्रेस में लगातार रहने के कारण उसे स्वास्थ्य संबंधी कई परेशानियों से जूझना पड़ता है। यह तो तय है कि कामकाजी महिला को गैर-कामकाजी महिला की तुलना में कहीं ज्यादा जिम्मेदारियां उठानी पड़ती है। यदि आप भी ऐसी ही कामकाजी महिला हैं, तो अपने जीवन को किस तरह अच्छे ढंग से चलाएं, जिससे आगे चलकर स्वास्थ्य संबंधी कई तरह की समस्याओं से न जूझना पड़े। यह जानना आपके लिए बेहद जरूरी है।

क्या आप भी उन महिलाओं में शामिल हैं, जो अपने काम को बेहतर ढंग से अंजाम देने के लिए अपना एक तयशुदा शेडूल बनाती हैं और उस पर किसी भी स्थिति में डटे रहने की कोशिश करती हैं? काम के समय पर पूरा न हो पाने की चिता में ऐसी महिलाएं तनावग्रस्त हो जाती हैं, लेकिन इसके भी काफी फायदे हैं। अपने रोज के कामों को बेहतर ढंग से करने के लिए खुद का भी ध्यान रखना जरूरी है। अधिकतर वकग मॉम मैनेजर्स अपने रूटीन का एक बिजनेस कैलेंडर बना लेती हैं, जिसमें मीटिंग्स और डेडलाइंस को पहली प्राथमिकता देती हैं। वह यह भूल जाती हैं कि करियर वूमन के साथ वह एक हाउसवाइफ भी हैं। वह इस कैलेंडर में अपने निजी जीवन के लिए कम समय निकाल पाती हैं। रिश्तेदारों के जन्मदिन, बच्चों के वैक्सीनेशन को कम प्राथमिकता दी जाती है। ऐसा करने की बजाय अपने फैमिली कैलेंडर और ऑफिस प्लानर को एक-दूसरे से अलग रखना चाहिए।

करियर वूमन को अलग-अलग भूमिकाएं निभाने में लंबी जद्दोजहद करनी पड़ती है। कई तरह के कामों को करने के बाद अक्सर एक उम्र तक पहुंचते-पहुंचते याद्दाश्त कम हो जाती है। यह भी देखा गया है कि बेहद अनुशासित रहने वाली मॉम भी याद्दाश्त के मामले में धोखा खा जाती है, जिसकी वजह से उनके काम गड़बड़ा जाते हैं। इस स्थिति से बचने के लिए जहां-जहां आपकी नजर ज्यादा रहती है, वहां उन कामों को याद रखने के लिए स्लिप चिपकाएं। इसके लिए डैशबोर्ड, कार या बाथरूम के शीशे भी बेहतर जगह हो सकते हैं, जहां आप किए जाने वाले कामों को चिन्हित करके रखें। यदि कोई महत्वपूर्ण डॉक्यूमेंट कहीं लेकर जाना है तो उसे अपने ब्रीफकेस में पहले से ही रखें। यदि आपको अपनी याद्दाश्त पर बहुत कम भरोसा है, तो बच्चों से कहें कि वह किसी विशेष काम को या किसी विशेष चीज को विशेष समय पर याद दिलाएं।

क्यों रूक जाते हैं कदम

किसी भी दफ्तर के मैनेजर केबिन में झांक कर देखें तो आधी दुनिया की संख्या कम ही नजर आती है। आखिर क्या ऐसा कारण है कि पूरे जोश के साथ आगे बढ़ने वाली महिलाएं ऊंचे पद पर आसीन नहीं हो पातीं। इस प्रश्न को हमने कुछ महिलाओं से जानने का प्रयास किया-

प्रियंका श्रीवास्तव (ब्यूटिशियन) - हर क्षेत्र में महिलाएं आगे बढ़ रही हैं लेकिन उच्च पदों पर आसीन इसलिए नहीं हो पाती क्योंकि शादी के बाद उनके ऊपर इतनी जिम्मेदारियां बढ़ जाती है कि बढ़ते कदम रुक जाते हैं उनके टेलेन्ट को जंग लग जाती है। ऊंचे पद पर पहुंचने के लिए कढ़ी मेहनत, लगन तथा डेडीकेशन की आवश्यकता होती है। इनके लिए समय की आवश्यकता होती है, जो महिलाएं शादी के बाद नहीं दे पातीं और ऑफिस में सिर्फ साधारण कर्मचारी रह जाती है।

तनु सिंह (समाज सेविका)- पुरुष वर्ग को यह बात रास नहीं आती कि महिलाएं हमारे समकक्ष अथवा हमसे ऊचे पद पर आसीन हों। इस कारण उनकी राहों में तरह तरह की दिक्कतें पैदा करते हैं। क्योंकि पुरुष महिलाओं को हमेशा नीचे ही देखना चाहता है। जब महिलाओं के सामने इस तरह की दिक्कतें आती हैं तो वे भावुक होकर अपने जोश के साथ बढ़ते कदमों को पीछे ले लेती हैं।

कविता द्विवेदी (वर्किंग वुमेन)- मुझे नहीं लगता कि आज के समय में स्त्रियों के बढ़ते कदम रुक जाते हैं। महिलाएं पुरुषों से आगे निकल चुकी हैं, उनके बढ़ते कदमों को कोई रोक नहीं सकता। स्त्री ही शादी के बाद अथवा अन्य जिम्मेदारी आने पर अपने कदमों को रोक देती हैं। लेकिन अगर वे चाहें तो आगे बढ़ सकती हैं। शादी के पहले उसे यह बात कर लेनी चाहिए कि मैं अपने करियर से कोई समझौता नहीं करूंगी। मौका मिला तो आगे भी जाऊंगी। इस तरह परिवार और करियर दोनों को समय दे सकती हैं।

विभा पाण्डेय (गृहणी)- कहना बहुत ही आसान है कि करियर से मैं समझौता नहीं करूंगी, अपने करियर में कुछ करके दिखाऊंगी पर जब घर परिवार की सच्चाई और पति, परिवार और बच्चों की जिम्मेदारियां आती हैं तो अपने आप जिन्दगी से समझौता कर लेते हैं। एक और बात यह भी है कि अगर पति तथा परिवार का सर्पोट मिले तो महिलाएं भी उच्च पद आसीन हो कर अपनी पहचान बना सकती हैं। यह सर्पोट महिलाओं को प्यार से मिल सकता है, न कि झगड़ा करके।

जानवी शुक्ला (अध्यापिका)- महिलाएं चाहें तो वे कुछ भी कर सकती हैं। उच्च पदों पर आसीन भी हो सकती हैं और अपनी ख्याति पूरे देश में फैला सकती हैं। लेकिन महिलाओं का सबसे बड़ा दुश्मन है, उनका इमोश्नल होना। जैसे ही उनके पति बच्चों की देखभाल तथा पढ़ाई लिखाई की बात आती है, वैसे ही वे अपने करियर को बलिदान कर देती हैं लेकिन पुरुष नौकरी तथा आगे बढ़ने के क्रम को नहीं छोड़ता। महिलाएं जिन्दगी में बलिदान देती रहती है, यही कारण है कि आगे नहीं बढ़ पातीं।

राष्ट्र निर्माण में स्वस्थ नागरिकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्णः राष्ट्रपति

एजेंसी

बुलढाणा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बुधवार को महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले के शिरगांव में आयोजित राष्ट्रीय आरोग्य मेला 2026 का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि संत गजानन महाराज की पावन भूमि पर स्वास्थ्य और जनकल्याण को समर्पित कार्यक्रम का उद्घाटन करना उनके लिए हर्ष का विषय है। उन्होंने कहा कि हमारी परंपरा में ह्लआरोग्यं परमं सुखम्ह्व कहा गया है अर्थात अच्छा स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा सुख है। राष्ट्र निर्माण में स्वस्थ नागरिकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

राष्ट्रपति ने कहा कि आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा-रिग्पा और होम्योपैथी जैसी आयुष प्रणालियां केवल उपचार तक सीमित नहीं हैं बल्कि संतुलित आहार, दिनचर्या, ऋतुचर्या, योग और ध्यान पर आधारित समग्र जीवनशैली ढांचा प्रस्तुत करती हैं। उन्होंने कहा कि आज विश्व यह समझ रहा है कि वास्तविक स्वास्थ्य शरीर और मन के संतुलन से ही संभव है।

महाराष्ट्र के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने आयुर्वेद को प्रकृति पर आधारित कालातीत वैज्ञानिक परंपरा बताया। उन्होंने कहा कि हमारे ऋषि-मुनि प्रथम शोधकर्ता थे, जिन्होंने पंचमहाभूतों पर आधारित शरीर विज्ञान की गहरी समझ विकसित की। उन्होंने गुणवत्ता, प्रामाणिकता और अनुसंधान को सुदृढ़ करने पर बल दिया।

केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव जाधव ने राष्ट्रीय आरोग्य मेले को भारतीय पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों का ह्लमहाकुंभह्व बताया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल स्वास्थ्य शिविर नहीं बल्कि देश की समग्र स्वास्थ्य परंपरा को जन-जन तक पहुंचाने का राष्ट्रीय अभियान है। उन्होंने आयुष पर्यटन की अपार संभावनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत समग्र वेलनेस के क्षेत्र में ह्लविश्व का मुकुटह्व बन सकता है। इससे रोजगार सृजन, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और औषधीय पौधों की खेती को भी बढ़ावा मिलेगा।

आयुष मंत्रालय के सचिव राजेश कोटेचा ने कहा कि आरोग्य मेले जन-जागरूकता और प्रामाणिक आयुष पद्धतियों के प्रदर्शन का प्रभावी मंच हैं। मंत्रालय गुणवत्ता, अनुसंधान और वैश्विक सहयोग को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस अवसर पर राष्ट्रपति ने आयुर्वेद के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रतिष्ठित चिकित्सकों को ह्ललाइफटाइम आयुर्वेदिक गौरव सम्मानह्व प्रदान किया। सम्मानित होने वालों में वैद्य देवेंद्र त्रिगुणा, वैद्य राकेश शर्मा, आशुतोष गुप्ता, मनीषा कोटकर, पीएम वैरियर और रामदास शामिल रहे।

मेले में निःशुल्क परामर्श, औषधि वितरण, विशेषज्ञ व्याख्यान और औषधीय पौधों की खेती से जुड़े किसानों के लिए विशेष सत्र आयोजित किए गए। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री रक्षा खड़से सहित अनेक जनप्रतिनिधि और आयुष विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

सीनियर एशियन कप महिला फुटबॉल के लिए अष्टम उरांव भारतीय टीम में शामिल

एशिया कप में शामिल होने वाली झारखंड की पहली महिला फुटबॉलर बनी अष्टम उरांव

बिभा संवाददाता

रांची : आगामी महिला फीफा वर्ल्ड कप ब्राजील 2027 क्वालिफिकेशन को लेकर ऑस्ट्रेलिया में 1 मार्च से 21 मार्च तक सीनियर एशियन कप महिला फुटबॉल (ए. एफ.सी.) के लिए भारतीय फुटबॉल संघ द्वारा 26 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा की गई है ।

जिसमें अष्टम उरांव, पिता -हीरा उरांव ,माता- तारा उरांव, ग्राम- बनारी गोरा टोली, पंचायत- बनारी, प्रखंड -बिशनपुर , गुमला जिले की बेटी को भारतीय टीम में डिफेंडर के रूप में शामिल किया गया है।

प्रतिभा की धनी अष्टम उरांव खेल विभाग के द्वारा संचालित आवासीय बालिका फुटबाल प्रशिक्षण केंद्र, हजारीबाग की पूर्व प्रशिक्षु रह चुकी है। हजारीबाग प्रशिक्षण केंद्र, उपरांत के बाद गुमला में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही थी। वर्तमान में वह ईस्ट बंगाल एकेडमी टीम से खेलती है। अंडर 17 वर्ल्ड कप बालिका फुटबॉल 2022 में भारत की टीम कप्तान रह चुकी है।

भारत,जापान,वियतनाम एवं चाइनीज ताइपेई को ग्रुप सी में रखा गया है, जिसके अंतर्गत पहला मैच 04 मार्च पर्थ रेक्टेंगुलर स्टेडियम में भारत बनाम वियतनाम ,दूसरा मैच 07 मार्च पर्थ रेक्टेंगुलर स्टेडियम भारत बनाम जापान एवं तीसरा मैच वेस्टर्न सिडनी स्टेडियम, ऑस्ट्रेलिया में 10 मार्च भारत बनाम चाइनीज ताइपेई के बीच खेला जाएगा।

अष्टम उरांव को भारतीय टीम में शामिल होने वाले पर माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन,खेल मंत्री सुदीब्य कुमार सोनू, खेल सचिव मुकेश कुमार, खेल निदेशक आसिफ इकराम, , खेल उपनिदेशक राजेश कुमार,झारखंड ओलंपिक संघ के महासचिव डॉ मधुकांत पाठक झारखंड फुटबॉल संघ के गुलाम रब्बानी, साझा के देवेंद्र सिंह,मणिकांत, प्रवीण कुमार (डी एस ओ) गुमला, फुटबॉल कोच बिना केरकेट्टा, रिजवान अली,सोनी कुमारी समेत राज्य के खेल प्रेमियों ने बधाई दी।

संक्षिप्त खबरें

प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक ने धनबाद-पाथरडीह-सिंदरी टाउन रेलखंड का किया निरीक्षण

धनबाद(बिभा): पूर्व मध्य रेलवे की प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक, इंदु दुबे द्वारा धनबाद मंडल अंतर्गत धनबाद-पाथरडीह-सिंदरी टाउन रेलखंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने पाथरडीह स्टेशन के स्टेशन परिसर एवं पैनल रूम का अवलोकन किया। इस दौरान समयबद्धता, यातायात संचालन की सुगमता, सिग्नलिंग व्यवस्था तथा संरक्षा मानकों के अनुपालन की समीक्षा की तथा संबंधित शाखाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त गोलाकडीह साइडिंग, वाशरी प्लांट/ पाथरडीह, हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड प्लांट/ सिंदरी तथा एसीसी लि./ सिंदरी का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान संबंधित औद्योगिक इकाइयों के अधिकारियों के साथ माल लदान, रेक उपलब्धता, एवं परिवहन से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर धनबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक अखिलेश मिश्र सहित मंडल के अन्य कर्मचारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

आगामी त्यौहार के मद्देनजर गोमती नगर-मालतीपाटपुर-गोमती स्पेशल ट्रेन का परिचालन आज से

धनबाद(बिभा): आगामी त्यौहार के मद्देनजर यात्रियों की सुविधा एवं उनके सुगम आवागमन हेतु गोमो-कोडरमा के रस्ते 01 जोड़ी स्पेशल ट्रेन 05064 गोमती नगर- मालतीपाटपुर स्पेशल गुरुवार 26.02.26 से 26.03.26 तक। 05063 मालतीपाटपुर- गोमती नगर स्पेशल शनिवार 28.02.26 से 28.03.26 तक का परिचालन किया जाएगा ।

तीन जोड़ी एक्सप्रेस ट्रेनों में अतिरिक्त वातानुकूलित और शयनयान श्रेणी कोचों की संख्या बढ़ी

आसनसोल(बिभा): लोकप्रिय एक्सप्रेस ट्रेनों में अतिरिक्त कोच बढ़ाना एक लगातार चलने वाली पहल है, जिसका उद्देश्य यात्रियों के पूरे यात्रा अनुभव को बेहतर बनाना है। इसलिए यात्रियों के बेहतर आराम और अधिक भीड़ को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने एक्सप्रेस ट्रेनों में अस्थायी आधार पर अतिरिक्त वातानुकूलित और शयनयान श्रेणी के कोच जोड़ने का निर्णय लिया है। 19608/19607 मदार जंक्शन - कोलकाता - मदार जंक्शन साप्ताहिक एक्सप्रेस में एक वातानुकूलित-2 टियर कोच जोड़ा जाएगा। यह एक्सप्रेस ट्रेन 02.03.2026 से 30.03.2026 तक (नामित दिनों में) मदार जंक्शन से और 05.03.2026 से 02.04.2026 तक (नामित दिनों में) कोलकाता से रवाना होगी। उक्त ट्रेन 22 कोच के साथ चलेगी। 12988/12987 अजमेर - सियालदह - अजमेर एक्सप्रेस के साथ एक वातानुकूलित - प्रथम श्रेणी का कोच जोड़ा जाएगा। यह ट्रेन 01.03.2026 से 31.03.2026 तक अजमेर से और 02.03.2026 से 01.04.2026 तक सियालदह से रवाना होगी। उक्त ट्रेन 22 कोच के साथ चलेगी। 12495/12496 बीकानेर - कोलकाता - बीकानेर एक्सप्रेस के साथ एक वातानुकूलित -3 टियर और एक स्लीपर क्लास कोच जोड़ा जाएगा। यह ट्रेन 05.03.2026 से 26.03.2026 तक (नामित दिनों में) बीकानेर से और 06.03.2026 से 27.03.2026 तक (नामित दिनों में) कोलकाता से रवाना होगी। उक्त ट्रेन 22 कोच के साथ चलेगी।

गोमती नगर-मालतीपाटपुर (पुरी के निकट) के बीच होली स्पेशल ट्रेन आज से

कोलकाता(बिभा): होली त्योहार के अवसर पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए गोमती नगर-मालतीपाटपुर-गोमती नगर के बीच होली स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। विवरण निम्नानुसार हैः 05064 गोमती नगर-मालतीपाटपुर होली स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को 26.02.2026 से 26.03.2026 तक गोमती नगर से 18:55 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन 03:30 बजे मालतीपाटपुर पहुंचेगी। वापसी दिशा में, 05063 मालतीपाटपुर-गोमती नगर स्पेशल प्रत्येक शनिवार को 28.02.2026 से 28.03.2026 तक मालतीपाटपुर से 11:15 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 20:00 बजे गोमती नगर पहुंचेगी। दक्षिण पूर्व रेलवे क्षेत्राधिकार में यह विशेष ट्रेन भोजूडीह, आद्रा, बांकुड़ा, बिष्णुपुर, मिदनापुर, हिजली एवं बालेश्वर स्टेशनों पर ठहरेगी।

सीआईएल अंतर कंपनी टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट : एससीसीएल और एनसीएल ने दर्ज की शानदार जीत

बिभा संवाददाता

रांची : कोल इंडिया लिमिटेड के अंतर कंपनी टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट का रोमांच अपने चरम पर है। सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड द्वारा आयोजित यह प्रतियोगिता मेकन स्टेडियम में खेली जा रही है। बुधवार को टूर्नामेंट में दो मुकाबले खेले गए, जिनमें खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल भावना और प्रतिस्पर्धात्मक प्रदर्शन का परिचय दिया।

दिन का पहला मैच सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल), रांची और सिंगरेनी कोलियरीज कंपनीज लिमिटेड (एससीसीएल) के बीच खेला गया। रोमांचक मुकाबले में एससीसीएल की टीम ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए मैच अपने नाम किया। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने अनुशासन एवं टीम भावना के साथ खेलते हुए दर्शकों को रोमांचित कर दिया। खेल के अंतिम क्षणों में ही मैच का फैसला हो पाया ।

दिन का दूसरा मैच नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल), सिंगरौली और भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) , धनबाद के बीच खेला गया। इस मुकाबले में एनसीएल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने बेहतरीन बल्लेबाजी और सधी हुई गेंदबाजी का प्रदर्शन किया।

मैच के दौरान सीसीएल के कॉरपोरेट कम्युनिकेशन विभाग के विभागाध्यक्ष आलोक कुमार गुप्ता विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने पहले मैच के मैन ऑफ द मैच खिलाड़ी को सम्मानित किया तथा अपने संबोधन में सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ऐसे खेल आयोजन विभिन्न कंपनियों के बीच समन्वय, सौहार्द और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को सुदृढ़ करते हैं। खेल प्रबंधक आदिल हुसैन ने टीम भावना के महत्व को रेखांकित करते हुए कोल इंडिया के सभी अनुषंगी इकाइयों के टीम के भाग लेने पर प्रसन्नता जाहिर की ।

यह टूर्नामेंट 20 फरवरी, 2026 को भव्य उद्घाटन के साथ प्रारंभ हुआ था और 28 फरवरी, 2026 को फाइनल मुकाबले के साथ संपन्न होगा। 20 से 28 फरवरी तक आयोजित इस प्रतियोगिता में 10 टीमें अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं। यह आयोजन कोल इंडिया परिवार में टीम भावना, कर्मचारी सहभागिता और सकारात्मक कार्य संस्कृति को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

ज्ञात हो की सीसीएल अपने सीएमडी नीलेंदु कुमार सिंह के नेतृत्व में कोयला खनन के साथ साथ सीएसआर , कल्याण , खेल एवं अन्य क्षेत्रों में ग्रामीणों , श्रमिकों एवं हितधारकों और उनके परिवार के सदस्य के संपूर्ण विकास के लिए हर वक्त तत्पर रहती है ।

नगर निकाय चुनावः 79 टेबल के जरिए होगी मतों की गिनती

बिभा संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) : जिले के पांचों नगर निकाय चुनाव के लिये 246 बूथों पर 23 फरवरी को मतदान संपन्न हो गया है।राज्य निर्वाचन आयोग के द्वारा निर्धारित तिथि 27 फरवरी को जी.एल.ए कॉलेज में मतगणना किया जाना है।मतगणना की तैयारी को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने बुधवार को मतगणना स्थल का जायजा लिया।

सुबह 8 बजे से शुरू होगी मतों की गिनती शुक्रवार को सुबह 8 बजे से मतों की गिनती की जायेगयी।सभी नगर निकाय के लिये अलग-अलग टेबल व काउंटर बनाया गया है।मेदिनिगर नगर निगम की मतगणना 27 टेबल के माध्यम से 5 राउंड में पूर्ण होगी।इसी प्रकार विश्रामपुर नगर परिषद के लिये 13 टेबल के जरिये 3 राउंड में मतों की गिनती की जाएगी।वहीं छतरपुर नगर पंचायत के नतीजे के लिए 12 टेबल एवं दो राउंड निर्धारित किया गया है।इस तरह हुसैनाबाद नगर पंचायत के मतों की गणना 15 टेबल के जरिए दो राउंड में कंप्लीट किया जाएगा।वहीं हरिहरगंज नगर पंचायत के लिए 12 टेबल एवं दो राउंड निर्धारित है।मतों के गणना के लिये 90 से अधिक पर्यवेक्षक,170 से अधिक मतगणना सहायक की प्रतिनियुक्ति की गयी है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भोपाल-धनबाद/चोपन एक्सप्रेस स्पेशल का हरी झंडी दिखाकर किया शुभारंभ

धनबादः रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने वीडियों कांफ्रेंसिंग के माध्यम से भोपाल-धनबाद/चोपन एक्सप्रेस स्पेशल का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर 25.02.26 को समाज कल्याण अनुसूचित जाति एवं जनजाति, राज्य मंत्री संजीव कुमार गोंड एवं सांसद छोटेलाल चोपन स्टेशन पर, अन्य अतिथि गणमान्य डाल्टनगंज स्टेशन पर, सांसद काली चरण सिंह टोरी स्टेशन पर, अन्य अतिथि गणमान्य चन्द्रपुरा स्टेशन पर तथा सांसद ढुलू महतो एवं धनबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक अखिलेश मिश्र धनबाद स्टेशन पर भोपाल-धनबाद/चोपन एक्सप्रेस स्पेशल के आगमन के अवसर पर उपस्थित थे। इस अवसर पर मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर अन्य अतिथि गणमान्य, मंडल के अधिकारीगण,कर्मचारीगण सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

रेलवन ऐप : रेलवे टिकटिंग की सभी जरूरतों के लिए एकीकृत और उपयोगकर्ता-अनुकूल मंच

यूटीएस ऑन मोबाइल जैसे अन्य ऐप के स्थान पर अब रेलवन ऐप का उपयोग करें

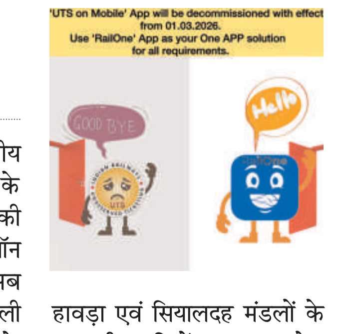

कोलकाता : अब उपनगरीय यात्रियों को अपनी सुविधा के अनुसार मोबाइल ऐप खोजने की जरूरत नहीं रहेगी। यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप की जगह अब सर्वसमावेशी रेलवन ऐप ने ले ली है, जो रेलवे उपयोगकताओं के लिए एक ही मंच पर सभी सुविधाएं प्रदान करता है। इस उपयोगकर्ता-अनुकूल रेलवन ऐप के व्यापक प्रसार के साथ 01.03.2026 से यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप को बंद करने का निर्णय लिया गया है।

हावड़ा एवं सियालदह मंडलों के उपनगरीय यात्रियों तथा आसनसोल और मालदा मंडलों सहित अन्य रेल उपयोगकताओं, जो अब तक वळर ऑन मोबाइल ऐप के माध्यम से अनारक्षित टिकट खरीदते रहे हैं, से अनुरोध है कि वे शीघ्र रेलवन ऐप इंस्टॉल करें। रेलवन ऐप का इंटरफेस लॉग-इन से लेकर अनारक्षित यात्रा टिकट खरीदने तक सरल और स्वचालित मार्गदर्शन प्रदान करता है। पहले ऐप में पंजीकरण करें, फिर लॉग-इन करें और इसके बाद आपको आरक्षित एवं अनारक्षित दोनों प्रकार के टिकट खरीदने का विकल्प मिलेगा। अपनी आवश्यकता अनुसार आप मनचाहे गंतव्य के लिए अनारक्षित ई-टिकट भी खरीद सकते हैं।

रेलवन ऐप एक समग्र, ऑल-इन-वन एप्लीकेशन है, जिसका इंटरफेस उपयोगकर्ता-अनुकूल है। यह ऐप एंड्रॉइड प्ले स्टोर और iOS ऐप स्टोर पर डाउनलोड के लिए उपलब्ध है।

इसमें यात्रियों के लिए कई सेवाएं एकीकृत हैं, जैसे – अनारक्षित यूटीएस टिकट – दैनिक एवं मासिक सीजन टिकट, आरक्षित यात्रा टिकट, प्लेटफॉर्म टिकट, लाइव ट्रेन ट्रैकिंग, शिकायत निवारण, ई-कैटरिंग, कुली बुकिंग, अंतिम मील टैक्सी सुविधा आदि। रेलवे ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे रेलवन ऐप का अधिक से अधिक उपयोग करें और सहज डिजिटल टिकटिंग का लाभ उठाते हुए हरित एवं अधिक कुशल रेलवे प्रणाली के निर्माण में सहयोग दें।

रेल यात्रियों के लिए चलंत भोजन सेवा: आसनसोल मंडल ने शुरू की मोबाइल फूड वैन

स्वच्छ, सुरक्षित और किफायती भोजन अब स्टेशनों पर उपलब्ध

आधुनिक और सेवा-उन्मुख सुविधाओं के माध्यम से यात्रियों के आराम को बढ़ाना

आसनसोलः स्टेशन सुविधाओं और समग्र यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण यात्री-हितैषी पहल के तहत, पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल ने मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर चलंत भोजन यान (मोबाइल फूड वैन) शुरू की हैं। यह पहल आधुनिक रेलवे सेवा मानकों के अनुरूप स्वच्छता, सुगमता, किफायतीता और सेवा गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करते हुए, यात्रियों को प्राथमिकता देने के दृढ़ दृष्टिकोण को दशार्ती है।

इस पहल के तहत, आसनसोल, दुगार्पुर और जसीडीह रेलवे स्टेशनों पर मोबाइल फूड वैन शुरू की गई हैं। ये विशेष रूप से डिजाइन की गई मोबाइल इकाइयाँ स्वच्छ और सुव्यवस्थित वातावरण में ताजा और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराती हैं, जिससे स्वच्छता मानकों में सुधार होता है और यात्रियों को यात्रा के दौरान और स्टेशनों पर प्रतीक्षा करते समय सुरक्षित व स्वच्छ भोजन आसानी से उपलब्ध होता है। स्टेशन परिसर में रणनीतिक रूप से स्थित ये मोबाइल फूड वैन यात्रियों को स्टेशन परिसर छोड़े बिना ही आसानी से भोजन उपलब्ध कराती हैं।

मोबाइल फूड वैन की शुरूआत से मंडल में खानपान सेवाओं को और मजबूती मिली है और यात्रियों की सुविधाओं में सुधार के साथ-साथ गैर-किराया राजस्व सृजन में भी सकारात्मक योगदान दिया है।

आसनसोल मंडल यात्रियों के आराम, सुविधा और समग्र अनुभव को बेहतर बनाने के उद्देश्य से नवीन, यात्री-केंद्रित और सेवा-उन्मुख उपायों को अपनाना जारी रखे हुए है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि रेलवे सेवाएं कुशल, आधुनिक और यात्रियों की आवश्यकताओं के प्रति संवेदनशील बनी रहें।

बच्चो को खेल के प्रति जागरूक करने के लिए प्रखण्ड स्तरीय फुटबॉल पंजीकरण शिविर का आयोजन

बिभा संवाददाता

ईटकी/राँची : बुधवार को आशा संस्था, इटकी द्वारा आशा कार्यालय, कुंदी रोड में प्रखण्ड स्तरीय फुटबॉल पंजीकरण शिविर का सफल आयोजन किया गया। आशा संस्था के प्रोजेक्ट समन्वयक ललन साहू ने कहा की इस शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को संगठित खेल व्यवस्था से जोड़ना तथा उनका पंजीकरण ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन (एआईएफएफ) के अंतर्गत कराना था, ताकि वे भविष्य में आधिकारिक प्रतियोगिताओं में भाग लेकर जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर तक अपनी पहचान बना सकें। शिविर में विशेष रूप से 6 वर्ष से 14 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस आयु वर्ग के कुल 55 बच्चों का सफलतापूर्वक पंजीकरण किया गया। यह फुटबॉल पंजीकरण शिविर ग्रामीण प्रतिभाओं को संगठित खेल मंच से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और सराहनीय पहल सिद्ध हुआ। 55 बच्चों का एआईएफएफ पंजीकरण इस बात का प्रमाण है कि गांवों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता केवल सही मार्गदर्शन और अवसर की है। इस पंजीयन शिविर को सफल बनाने में आशा संस्था के पंचायत फैसिलिटेटर आरिफ, अरुण, तलिता , शीला रिंकी तथा अगुवा साथी ललित बालवीर आदि महत्वपूर्ण योगदान रहा।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com